राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | शिवहर में आयोजित सहयोग शिविरों में 205 ...

जनकल्याण शिविरों में उमड़ी लोगों की... | 07

वर्ष : 14 | अंक : 68 | पटना, बुधवार, 17 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मुख्यमंत्री ने सीवान जिले के लिए 180 करोड़ रुपये की 38 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

2030 तक 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार कराएंगे उपलब्ध : सम्राट

- सीवान में शीघ्र चीनी मिल खुलेगा, जिलाधिकारी को जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश मुख्यमंत्री

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को सीवान जिला के पचरुखी प्रखंड के पंचायत भवन, पपौर में आयोजित सहयोग शिविर में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने सहयोग शिविर में समस्याओं/शिकायतों के समाधान के लिए आए आमलोगों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने लोगों का आवेदन पढ़ा, उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का निर्देश दिया। सहयोग शिविर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से बात की, उनका हालचाल जाना और स्थानीय समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल से सीवान जिला के लिए 180 करोड़ रुपये की 38 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, आयुष्मान कार्ड, अनुग्रह अनुदान सहित विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को सांकेतिक चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को जनप्रतिनिधियों ने अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके जिला के पचरुखी प्रखंड में आयोजित सहयोग सह जनकल्याण शिविर में आपके बीच आने का मौका मिला है। यह डॉ राजेन्द्र प्रसाद की भूमि है। उन्होंने देश और बिहार को दिशा दी। हम उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। इस शिविर में समस्या के समाधान के लिए आए लोगों के आवेदन को मैंने देखा और समाधान का निर्देश दिया है। प्रखण्डों में कल और परसों भी सहयोग शिविर चलेगा।

सहयोग शिविर में अब तक 3 लाख 3 हजार 678 प्राप्त आवेदनों में से 2 लाख 61 हजार 628 आवेदनों का निष्पादन किया गया है जो लगभग 90 प्रतिशत है मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहयोग शिविर केवल आयोजन नहीं बल्कि आमलोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान का माध्यम है। लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए टाइमफ्रेम निर्धारित कर दिया गया है। आवेदन देने के अगर 10वें दिन तक में समस्याओं के समाधान के लिए कुछ नहीं किया गया तो 11वें दिन पहला नोटिस जाएगा, 20 दिन तक नहीं कोई कार्रवाई हुई तो 21वें दिन दूसरा नोटिस और 25 दिन तक कोई कार्रवाई नहीं हुई तो 28वें दिन तीसरा नोटिस जाएगा और 30वें दिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तो 31वें दिन स्वतः निलंबन का आदेश चला जाएगा। सहयोग शिविर के माध्यम से सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। सहयोग शिविर में अब तक 3 लाख 3 हजार 678 प्राप्त आवेदनों में से 2 लाख 61 हजार 628 आवेदनों का निष्पादन किया गया है जो लगभग 90 प्रतिशत है। जवाबदेही तंत्र को मजबूत किया गया है। देश में इस तरह का यह पहला शिविर है, जिसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। आवेदन के तहत प्रथम शो कॉज नोटिस जो 10 दिन से लंबित मामलों के लिए था उसकी संख्या 8942 थी। दूसरा शो कॉज नोटिस 153 लोगों पर किया गया और तीसरा शो कॉज नोटिस 1 व्यक्ति को किया गया। 30 दिनों के अंदर सभी ने लंबित मामलों को निपटा दिया। इसके लिए प्रशासनिक तंत्र को बधाई देता हूं। बिहार के लोगों की समस्याओं का समाधान पूरी संवेदनशीलता के साथ करना है। बिहार समृद्ध होगा तभी भारत भी विकसित होगा।

25 लाख गरीब परिवारों के घरों पर अगले दो वर्षों में सोलर पैनल लगाए जाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सबसे सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि कल हमने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरूआत की है। 25 लाख गरीब परिवारों के घरों पर अगले दो वर्षों में सोलर बिजली लगाई जाएगी। सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। सभी प्रखंडों में मॉडल स्कूल खोले जाएंगे जिसमें शिक्षा की ऐसी गुणवत्ता होगी कि उसमें सांसद, विधायक, पदाधिकारी के बच्चे पढ़ेंगे, तभी मेरा सपना पूरा होगा। बिहार की ग्रामीण सड़कें पूरे देश में सबसे अच्छी हैं। उन्होंने कहा कि अनुमंडल अस्पताल और जिला अस्पताल को ठीक करना है। डॉक्टरों को रेफर करने की प्रवृत्ति खत्म करनी होगी। 15 अगस्त के बाद जिला एवं अनुमंडल अस्पताल से इलाज के लिए मरीजों को रेफर करने की व्यवस्था खत्म करनी होगी। बिहार में उद्योग नहीं लगेगा, तब तक बिहार आगे नहीं बढ़ेगा। बिहार में उद्योग लगानेवालों की सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है।

सभी क्षेत्रों में कार्य किए जा रहे हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बदला हुआ बिहार है। सभी क्षेत्रों में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक राज्य के 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। सीवान शहर को व्यवस्थित शहर बनाना है। यहां इको टूरिज्म को विकसित किया जाएगा। बिहार में सुशासन स्थापित है। अपराधी किसी जाति या धर्म के हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। या तो अपराधीबिहार छोड़ेंगे या उन्हें दुनिया छोड़ना पड़ेगा।

सीवान में चीनी मिल खोला जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीवान में चीनी मिल खोला जाएगा, इसके लिए जमीन चिह्नित करने के लिए जिलाधिकारी को कहा गया है। प्रखंड और पंचायत स्तर पर दूध, सब्जी, मत्स्य पालन को बढ़ावा देना है। इन सब चीजों को हाट बाजार का कॉन्सेप्ट बनाकर एक जगह पर बेचना है ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। बिहार के विकास के लिए तेजी से कार्य करना है। मैंने अपने 60 दिन के कार्यकाल में कई निर्णय लिए हैं। कुछ लोग पूछते हैं कि इतनी जल्दी में क्यों हैं, मैं उनसे कहता हूं कि बिहार को समृद्ध बनाने के लिए न हमको सोना है और न किसी को सोने देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार बनाने के सपने को पूरा करना है।

मुख्यमंत्री ने कैमूर जिले को 196.06 करोड़ रुपये की 60 विकास योजनाओं की दी सौगात

माँ मुंडेश्वरी धाम को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए बनेगा हेलीपैड और रोप-वे : मुख्यमंत्री

मुख्य बिन्दु : राज्य सरकार विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पित है।

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कैमूर जिले के भगवानपुर प्रखंड अंतर्गत पहाड़िया पंचायत स्थित माँ मुंडेश्वरी धाम धर्मशाला के समीप आयोजित सहयोग शिविर कार्यक्रम में शामिल हुए। सहयोग शिविर कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, पंचायती राज विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल पर आवेदकों के प्राप्त किये जा रहे आवेदनों का मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। जायजा के क्रम में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को कैमूर जिले में अब तक सहयोग पोर्टल एवं सहयोग शिविर कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त हुए कुल आवेदन तथा उनका निष्पादन, लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की संख्या आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं आवेदकों से आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा 30 दिनों के अंदर उनके आवेदन निष्पादित होने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर विभिन्न विभागों की 196.06 करोड़ रुपये लागत की 60 विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 162.69 करोड़ रुपये की लागत से 20 योजनाओं का शिलान्यास तथा 33.36 करोड़ रुपये की लागत से 40 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। मुख्यमंत्री ने सहयोग शिविर कार्यक्रम से संबंधित आवेदकों के प्राप्त आवेदनों का निष्पादन पत्र / लाभ वितरण जमीन बंदोबस्ती प्रमाण पत्र, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, अंतर्रजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना आदि की स्वीकृत राशि का सांकेतिक चेक एवं प्रमाण पत्र लाभुकों को प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यहां सर्वप्रथम मां मुंडेश्वरी धाम का दर्शन कर माता मुंडेश्वरी से यही कामना की है कि बिहार समृद्ध और भारत विकसित बने। हम सभी के जीवन में खुशहाली आए और बिहार की उन्नति की गति को रफ्तार मिले। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने जनता की समस्याओं के समाधान हेतु करीब एक माह पहले 19 मई को सहयोग शिविर कार्यक्रम शुरू किया है। सहयोग पोर्टल के माध्यम से भी लोग अपनी शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। अब तक पूरे बिहार से 3 लाख 3 हजार 678 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 2 लाख 61 हजार 628 आवेदनों का निष्पादन निर्धारित समय सीमा 30 दिनों के अंदर किया जा चुका है, जो प्राप्त आवेदनों का औसतन 90 प्रतिशत है। सहयोग शिविर कार्यक्रम का मुख्य मकसद जनता से संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। सहयोग शिविर कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों के 10 दिन बाद यदि कोई कार्रवाई नहीं होती है तो पहली नोटिस, जबकि 21वें दिन दूसरी नोटिस और 25 वें दिन बाद तीसरी नोटिस जारी की जाती है। इसके बावजूद यदि आवेदन का निष्पादन 30 दिनों में नहीं होता है तो संबंधित पदाधिकारी 31 वें स्वतः निलंबित हो जाएंगे, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अब तक सहयोग शिविर कार्यक्रम से संबंधित 8,942 पदाधिकारियों को पहला नोटिस, 153 पदाधिकारियों को दूसरा नोटिस, जबकि एक पदाधिकारी को तीसरा नोटिस मुख्यमंत्री कार्यालय से निर्गत किया गया है।

534 प्रखंडों के डिग्री कॉलेज में पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगीः मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के सभी 534 प्रखंडों के डिग्री कॉलेज में पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। राज्य में वैसे 211 प्रखंड है जहां डिग्री कॉलेज नहीं है, वहां जुलाई माह से डिग्री कॉलेज में पढ़ाई शुरू की जाएगी। हम लोग बिहार के सभी प्रखंडों में सरस्वती विद्या निकेतन के रूप में मॉडल स्कूल स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। अगले दो वर्षों के अंदर ऐसे मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे जिसमें नामांकन कराने के लिए अधिकारी से लेकर मंत्री तक के बच्चे उत्सुक होंगे। बिहार के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़े, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बिहार में ही मिले इसके लिए पूरी संरचना खड़ी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सासाराम माँ ताराचंडी और कैमूर माँ मुंडेश्वरी भवानी से जुड़ा हुआ पवित्र स्थल है। इस इलाके में हेलीपैड विकसित किया जाएगा ताकि श्रद्धालु एवं पर्यटक आसानी से यहां आवागमन कर सकें। हमलोग बिहार की विरासत, महत्वपूर्ण धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों के भ्रमण हेतु हेलीकॉप्टर की सुविधा सुनिश्चित करने जा रहे हैं ताकि लोग अपने मन मुताबिक आसानी से बिहार का भ्रमण कर सकें। उन्होंने कहा कि माँ मुंडेश्वरी भवानी मंदिर का जीर्णोद्धार काफी समय से नहीं हुआ है। माँ मुंडेश्वरी भवानी मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जाएगा साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु यहां रोप-वे की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। बरसात के बाद अगली बार जब मेरा यहां कार्यक्रम होगा तो रोप-वे लगाने के कार्य का शिलान्यास किया जाएगा। यहां स्थित माँ मुंडेश्वरी धाम धर्मशाला का अधिक से अधिक लोग इस्तेमाल करें, इसके लिए यहां जंगल सफारी तथा इको टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

पुलिस भर्ती परीक्षा अभ्यर्थियों के लिए पूर्व मध्य रेलवे ने चलाईं 30 से अधिक स्पेशल ट्रेनें

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पूर्व मध्य रेलवे ने 16 एवं 17 जून को 30 से अधिक परीक्षा स्पेशल ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था की है। रेलवे के अनुसार परीक्षा केंद्रों तक अभ्यर्थियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण रेलखंडों पर विशेष ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। रेलवे ने बताया कि इससे पहले 14 जून को आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान भी अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए कुल 19 परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं, जिनमें दानापुर मंडल द्वारा 12 तथा समस्तीपुर मंडल द्वारा 7 विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया था।

दूसरे चरण के लिए चलाई जा रही विशेष ट्रेनों में पाटलिपुत्रझकिशनगंज, पटनाझनरकटियागंज, पाटलिपुत्रझ अररिया, पाटलिपुत्रझनौगछिया, पटनाझभभुआ, पटनाझगया, बक्सरझ पटना, बक्सरझदानापुर, किऊलझ गया, गयाझकिऊल, बख्तियारपुरझ राजगीर, राजगीरझबख्तियारपुर, बेतियाझहाजीपुर, समस्तीपुरझसीवान, सहरस-हाजीपुर तथा अन्य प्रमुख मार्ग शामिल हैं। पूर्व मध्य रेलवे ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए इन परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का अधिकतम लाभ उठाएं।

युवाओं का सपना तोड़ रही है मोदी सरकार : राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के हर युवा का भविष्य सुरक्षित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन मोदी सरकार पेपर लीक, परीक्षा कुप्रबंधन, रद्द होती भर्तियों, बढ़ती फीस, निजीकरण और घोटालों के जरिए करोड़ों युवाओं के सपनों को तोड़ रही है। श्री गांधी ने मंगलवार को युवाओं और विशेषकर जेन-जी पीढ़ी के नाम जारी संदेश में कहा कि युवाओं का भविष्य ही देश का भविष्य तय करेगा और इसी मुद्दे पर वह राजस्थान के कोटा में आयोजित होने वाली 'छात्रों की गूंज' महारैली में विस्तार से अपनी बात रखेंगे।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि देश की हर गली, कस्बे और शहर से उठ रही 'छात्रों की गूंज' को कोटा में एक मजबूत हुंकार में बदलें। उन्होंने कहा कि 17 जून को आयोजित होने वाली इस महारैली में युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

नीट अभ्यर्थियों को चेतावनी- टेलीग्राम पर फर्जी पेपर लीक गिरोहों से सावधान रहें, किसी को पैसे न दें

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को टेलीग्राम पर सक्रिय साइबर ठगों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को कहा कि कुछ गिरोह परीक्षा प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने और फर्जी ह्यपेपर लीकह्व के सबूत दिखाने के नाम पर छात्रों को निशाना बना रहे हैं। जारी चेतावनी के अनुसार टेलीग्राम पर संचालित कुछ चैनल अभ्यर्थियों से 14 हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक, जबकि कुछ मामलों में 10 लाख रुपये तक की मांग कर रहे हैं। इन चैनलों का दावा है कि वे नीट पुनर्परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध करा देंगे। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि पुनर्परीक्षा का कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है और ऐसे सभी दावे पूरी तरह धोखाधड़ी हैं।

चेतावनी में कहा गया है कि ऐसे गिरोह पैसे लेने के साथ-साथ छात्रों के प्रवेश पत्र और व्हाट्सऐप नंबर जैसी व्यक्तिगत जानकारियां भी हासिल कर लेते हैं, जिनका बाद में अन्य छात्रों को ठगने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

नीट परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को मिलेगी मुफ्त बस सेवा

- परीक्षा से एक दिन पहले और एक दिन बाद तक कर ही सकेंगे सफर

प्रात : किरण

पटना। बिहार में 21 जून को होने वाले नीट(यूजी) पुनर्परीक्षा के लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने परीक्षार्थियों को बड़ी राहत दी है। राज्य भर के परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की निश्चिंत एवं सुगम यात्रा को सुनिश्चित करते हुए निगम अपनी सभी बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने जा रहा है। निगम ने यह साफ किया है कि अभ्यर्थियों को यह सुविधा सिर्फ परिक्षा के उद्देश्य से आने और जाने के लिए ही दी जाएगी। सरकारी बसों के

अलावा निगम के अंतर्गत संचालित होने वाली प्राइवेट मोड की बसों में भी अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचने के लिए निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें बस कंडक्टर को अपना एडमिट कार्ड दिखाना होगा। निगम ने एहतियात के तौर पर एडमिट कार्ड की जेरोक्स कॉपी (छायाप्रति) साथ रखने का भी निर्देश दिया है, ताकि उसे जमा किया जा सके। जेरोक्स कॉपी होने पर ही नीट (यूजी) के अभ्यर्थी निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। ऐसे में उन्हें अपना नाम, पता, परीक्षा केंद्र और मोबाइल नंबर कंडक्टर को बताना होगा। इस दौरान यात्रा करने वाले सभी परिक्षार्थियों को जीरो टिकट जारी किया जाएगा और आने और जाने दोनों तरफ में उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। निगम ने बताया कि यह व्यवस्था सभी एसी, नॉन-एसी, डीलक्स, लग्जरी, इलेक्ट्रिक और पिंक बसों में उपलब्ध रहेगी। अन्य जिलों और राज्यों से आने वाले परीक्षार्थियों को यात्रा में तकलीफ ना हो इसे ध्यान में रखते हुए 20 जून से यह सेवा शुरू हो जाएगी। परीक्षा के बाद लौटने के लिए भी परीक्षार्थी निगम की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। बता दें कि वर्तमान में निगम एसी, डीलक्स, लग्जरी, इलेक्ट्रिक और पिंक बसों का संचालन विभिन्न मार्गों पर कर रहा है।

मुलाकात | समृद्धि, सतत विकास और मानव कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

जी7 सम्मेलन: पीएम मोदी ने की राष्ट्रपति ट्रंप सहित विश्व नेताओं से मुलाकात

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान उन्होंने सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे विभिन्न देशों के नेताओं के साथ मुलाकात की तथा समृद्धि, सतत विकास और मानव कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जी7 नेताओं और विशेष आमंत्रित नेताओं की सामूहिक तस्वीर साझा की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेता फ्रांस के एवियन में आयोजित 52वें जी7 शिखर सम्मेलन में पारिवारिक तस्वीर खिंचवाने के लिए एकत्रित हुए। यह वैश्विक चुनौतियों से निपटने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। नीस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय मंच पर भी अपनी चर्चा को आगे बढ़ाया। भारत और फ्रांस ने वैश्विक चुनौतियों का सामना करने तथा अधिक समृद्ध, सतत और समावेशी भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर बताया कि एवियन पहुंचकर उन्हें विश्व नेताओं के साथ महत्वपूर्ण वैश्विक विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि जी-7 देशों के नेताओं के साथ चर्चा हमेशा उपयोगी रहती है और भारत एक अधिक सतत तथा समृद्ध विश्व के लिए सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि जी-7 दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। भारत इसका सदस्य नहीं है लेकिन विशेष आमंत्रित देश के रूप में प्रधानमंत्री मोदी को सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। शिखर साम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है।

समग्र मात्स्यिकी विकास को लेकर कॉनक्लेव का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। समग्र मात्स्यिकी विकास हेतु कॉनक्लेव का आयोजन मत्स्य विकास भवन, मीठापुर, पटना में किया गया। कॉनक्लेव का उद्घाटन नन्द किशोर राम, माननीय मंत्री डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार द्वारा किया गया। श्री विजय कुमार बेहरा, मुख्य कार्यपालक, राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद, विभागीय सचिव श्री शीर्षत कपिल अशोक, श्री तुषार सिंगला, मत्स्य निदेशक, महाप्रबंधक नाबार्ड, पटना, श्री अनिरूद्ध सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, ठउऊ, विभागीय अधिकारी और संपूर्ण राज्य से मत्स्य कृषक एवं उद्यमियो द्वारा भाग लिया गया।

मंत्री डेयरी, मत्स्य एव पशु ससाधन विभाग के द्वारा बताया गया कि बिहार राज्य जल-सपदाओं से भरा है। बिहार राज्य देश में मीठे पानी के मछली उत्पादन में चौथे स्थान पर है।

केन्द्र प्रायोजित एवं राज्य योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के आधारभूत संरचनाओं एवं नई तकनीक आधारित मत्स्य पालन के तहत 233 मत्स्य हैचरी का निर्माण, 7990 हे0 नया तालाब निर्माण, 89 फिश फिड मिल, 817 बायोफ्लॉक टैंक, 59 फ्अर, 303 बायोफ्लॉक तालाब, 87 जिंदा मछली विक्रय केंद्र, जलाशयों में 1964 केज, 166 अलंकारी मछलियों का संवर्धन इकाई, 27 कोल्ड स्टोरेज का निर्माण, 04 इंसुलेटेड वाहन, 15 रेफ्रिजरेटेड वाहन, 37 फिष किऑस्क, 10 मोबाइल फिष किऑस्क आदि के क्रियान्वयन एवं संचालन से राज्य में वर्ष 2025-26 में मत्स्य उत्पादन 10.28 लाख मीट्रिक टन हुआ है। इसके फलस्वरूप राज्य मत्स्य उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर के करीब पहुँच गया है, बल्कि राज्य से 89.62 हजार टन मछली देश के प्रमुख शहरों में भेजी जा रही है। श्री शीर्षत कपिल अशोक, विभागीय सचिव द्वारा बताया गया कि आज के कॉनक्लेव में राज्य से उत्पादित मछलियों के प्रसंस्करित कर दूसरे राज्यों में भेजने एवं दूसरे देश में निर्यात करने हेतु आधारभूत संरचना का विकारा एवं उपयुक्त गछली के चयन एवं उत्पादन हेतु विचार विमर्श किया गया। कल 15 जून 2026 को बिहार में ठ्रऊइ क्षेत्रीय कार्यालय का उदधाटन माननीय मुख्यमत्री एव माननीय केन्द्रीय मत्री मत्स्य पशुपालन एव डेयरी मत्रालय भारत सरकार के कर कमलों द्वारा किया गया। डॉ० विजय कुमार बेहरा, मुख्य कार्यपालक, राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद, द्वारा अवगत कराया कि केन्द्र की स्थापना से केन्द्र प्रायोजित एवं राज्य योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी जिसके फलस्वरूप युवाउद्यमियों, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं मत्स्य सहकारी समितियों लाभ उठाते हुए मत्स्य पालन को आधुनिक व्यवसाय के रूप में अपनाने तथा इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, रोजगार सृजित होंगे तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी। उक्त के मत्स्य कृषक / उद्यमियों एवं विभाग के द्वारा मत्स्य उत्पादन एवं निर्यात के संबंध में परिचर्चा की गई। श्री तुषार सिंगला के द्वारा मात्स्यिकी के समग्र विकास एवं आवश्यकतानुसार सरकारी नीतियों को लाई जायेगी।

बिक्रम में लगा सहयोग शिविर सुनी गईं आमजनों की समस्याएं

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम। राज्य सरकार की विशेष पहल के तहत मंगलवार को बिक्रम नगर पंचायत के असपुरा स्थित सूर्य मंदिर के समीप सहयोग शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में नगर क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं और शिकायतें लेकर पहुंचे. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित निष्पादन करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचाना था. शिविर में पहुंचे लोगों ने भूमि दस्तावेजों में गड़बड़ी, भूमि विवाद, बिजली खंभा लगाने, स्वास्थ्य सुविधाओं, वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन, पेयजल समस्या सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन अधिकारियों को सौंपे. मौजूद अधिकारियों ने आमजनों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया.

कार्यक्रम का शुभारंभ नगरध्यक्ष मनीता कुमारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) संजीव कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. शिविर के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह अनुशासित और सुचारु रही. नगरध्यक्ष मनीता कुमारी, वार्ड पार्षद फुलझड़ियां देवी तथा ईओ संजीव कुमार ने स्वयं लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए. नगर कार्यालय के प्रधान लिपिक संतोष कुमार भी पूरे समय शिविर में मौजूद रहे.

स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. राजेश कुमार एवं उनकी टीम ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की तथा आवश्यक परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराईं. वहीं बिजली विभाग के एसडीओ सोनू कुमार बिजली संबंधी शिकायतें सुनते नजर आए. राजस्व विभाग के निरंजन कुमार तथा सामाजिक सुरक्षा स्टॉल पर विकास मित्र लीलावती कुमारी, ज्योति कुमारी, लक्ष्मी कुमारी और राकेश कुमार मौजूद रहे.

शिविर को सफल बनाने में समाजसेवी अनिल कुमार, पूर्व मुखिया अनिल कुमार, देवेंद्र पासवान उर्फ साधु जी और बम्बोला जी ने सक्रिय भूमिका निभाई. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद दिखा. वही बीस सूत्री अध्यक्ष अभिषेक रंजन उर्फ मोंटी ने बताया कि सरकार की कल्याणकारी योजना समाज के अंतिम पैदान तक पहुंचाना हम सभी बीस सूत्री सदस्यों की जिम्मेदारी है किन्तु नगर पंचायत बिक्रम द्वारा सरकारी कार्यक्रमों में नहीं बुलाई जाती है और ना ही किसी तरह की जानकारी नहीं दी जाती है जो चिंता का विषय है इस संबंध में अपने स्तर से लिखित शिकायत जिलाधिकारी महोदय को दी है.

संक्षिप्त खबरें

दानापुर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया

दानापुर नगर के अंतर्गत के वार्ड संख्या 8 स्थित मुबारकपुर मध्य विद्यालय एवं 9 के कुसुमपुरम हाल के पास सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आम लोगों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान करने का प्रयास किया गया। शिविर में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, जल-निकासी, पेयजल, सफाई, आवास योजना, विद्युत एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित लोगों से आवेदन प्राप्त किए। सबसे अधिक नगर परिषद से जुड़े कुल 54 मामले आए। इसके अलावे शिक्षा के छः ऊर्जा के छः राजस्व भूमि सुधार के साथ एवं स्वास्थ्य और गृह विभाग से जुड़े दो-दो मामले आए। अनुमंडल अधिकारी अनिरुद्धपांडेय,कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार एवं थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज सहयोग शिविर पहुंचे। अनुमंडल अधिकारी श्री पांडेय ने निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए एवं लोगों की समस्या के समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, सहयोग शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान उनके द्वार पर करना है, ताकि लोगों को कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। सहयोग शिविर में 80 आवेदन आए हैं। सभी आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर में नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार, ब्रजेश कुमार सिंह समेत अन्य कर्मी पदाधिकारी उपस्थित थे।

बच्ची से छेड़खानी करने का आरोपी धराया

दानापुर।थाना क्षेत्र के अंतर्गत खगड़ी रोड में एक अंकल द्वारा सात वर्षीय एक बच्ची के साथ छेड़खानी करने की बात सामने आई है। घटना प्रकाश में आते ही हरकत में आई दानापुर पुलिस ने आरोपी व्यक्ति राजू को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि बच्ची के माता पिता एक मॉल में काम करने जाते हैं। सोमवार को दोनो काम पर चले।घर में बच्ची अपने छोटे भाई के साथ थी।तभी दोपहर में पड़ोसी युवक राजू आवाज देकर राजू खुलवाया। दरवाजा खुलने पर राजू कमरे में गया और बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने लगा।जब बच्ची विरोध करने लगी तो राजू ने कुछ रूपए दिए और किसी को नहीं कहने की बात कहते हुए चला गया।देर शाम को माता-पिता दोनों घर आए तो बच्ची देखते ही रोने लगी। पूछने पर सारी बातें बात दी।परिजन ने दानापुर थाना में राजू के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

ट्रैक्टर के धक्के से मंदिर हुआ क्षतिग्रस्त

दानापुर। नगर के अंतर्गत मंगलवार की सुबह दानापुर गांधी मैदान मार्ग में सुबह नासरीगंज में अनियंत्रित एक ट्रक ने ट्रैक्टर को धक्का मारते हुए फिर मंदिर में धक्का मार दिया। धक्का से टैक्टर दो भाग में बंट गया और मंदिर भी क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर इतना जोरदार था कि आसपास के लोगों की नींद खुल गई। जब तक लोग अपने अपने घरों से बाहर निकलते ट्रक और टैक्टर सवार सभी भाग निकले। बताया जाता है कि दीघा से टैक्टर और दानापुर की ओर से ट्रक जा रही थी। रात्रि डेढ बजे के करीब मिथिला कालोनी मोड़ के पास दोनों में जोरदार टक्कर हो गई। उसके ट्रक मंदिर के चारदिवारी में जाकर जोरदार धक्का मार दिया।खबर पाकर ! पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों गाड़ी को कब्जे में लिया।

बीएसपीटीसीएल को फिर मिला ए+ रेटिंग राज्य के विद्युत ट्रांसमिशन क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीटीसीएल) ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर राज्य के विद्युत क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट पहचान को मजबूत किया है। भारत सरकार के उपक्रम पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की हालिया रैंकिंग में बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को प्रतिष्ठित अ+ रेटिंग मिली है।

बीएसपीटीसीएल पुनः पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन द्वारा जारी प्रदर्शन मूल्यांकन में शीर्ष श्रेणी की रेटिंग प्राप्त करता आ रहा है।

5 जून 2026 को किए गए मूल्यांकन में बीएसपीटीसीएल को ह्यअ+ह्न श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, जो 13 मई 2026 से प्रभावी माना जाएगा और अगली अधिसूचना जारी होने तक लागू रहेगा। यह वर्गीकरण कंपनी की कार्यकुशलता, पारदर्शिता, बेहतर सेवा गुणवत्ता तथा निरंतर सुधार की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रमाण है। कंपनी ने अपने कार्यों में निरंतर सुधार, पारदर्शिता और दक्षता के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है।ऊर्जा सचिव सह अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बीएसपीएचसीएल अजय यादव (भा.प्र.से.) ने कहा कि हाल के वर्षों में बिहार के विद्युत संचरण अवसंरचना में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य की संचरण कंपनी लोगों तक लगातार गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाने में वितरण कंपनियों के पीछे एक मजबूत और विश्वसनीय बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि बीएसपीटीसीएल ने राज्य में निर्बाध बिजली के ट्रांसमिशन को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। यह गर्व की बात है कि बीएसपीटीसीएल ने पीएफसी की बिजली कंपनियों की रैंकिंग में टॉप अ+ रेटिंग हासिल की है।

बीएसपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार (भा.प्र.से.) ने कहा कि पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) द्वारा पुनः अ+ रेटिंग प्रदान किया जाना कंपनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बीएसपीटीसीएल भविष्य में भी राज्य में मजबूत और विश्वसनीय विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह रेटिंग बीएसपीटीसीएल के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन, समयबद्ध परियोजना निष्पादन और राज्यभर में विद्युत ट्रांसमिशन क्षेत्र में उसकी उत्कृष्ट परिचालन क्षमता का प्रमाण है।

बीएसपीटीसीएल की यह उपलब्धि राज्य में सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत पारेषण व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में कंपनी के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है।

जदयू जिला उपाध्यक्ष रवि शंकर कुशवाहा के घर मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा का हुआ स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

दुल्हिनबाजार। प्रखंड कार्यालय स्थित बीस सूत्री कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे बिहार के योजना एवं विकास मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा का बीते दिन जिला उपाध्यक्ष रवि शंकर कुशवाहा के अगुवाई में कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष रविशंकर कुशवाहा के सेल्हॉडी स्थित निजी आवास पहुंचे जहां जिला उपाध्यक्ष की पत्नि आशा देवी ने मंत्री का आरती व फूल माला से विधिवत स्वागत किया। वहीं रविशंकर ने कहा मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा का पूर्व से ही इस क्षेत्र से गहरा सम्बन्ध रहा है।

उन्होंने बताया कि अभिनंदन कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक वर्मा, खाद्य आयोग के पूर्व सदस्य नन्द किशोर कुशवाहा, जदयू नेत्री श्वेता विश्वास, डॉ शक्ति सिंह शोला, जिला अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रखंड अध्यक्ष यशवंत कुशवाहा व चन्दन वर्मा समेत रवि शंकर कुशवाहा के पारिवारिक सदस्य शामिल थे । भव्य स्वागत से मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा काफी गद गद दिखे ।

दानापुर प्रखंड द्वारा दियारा क्षेत्र के हेतनपुर एवं पतलापुर पंचायत में सहयोग शिविर का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत दानापुर प्रखंड द्वारा दियारा क्षेत्र के हेतनपुर एवं पतलापुर पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पंचायत के लोग अपनी समस्या को लेकर पहुंचे। शिविर में लगे विभिन्न विभागों के काउंटर पर लोग पहुंचकर अपनी समस्या संबंधित आवेदन देते रहे। जिस पर उन्हें प्राप्ति रसीद भी उपलब्ध कराई जाती रही। शिविर को लेकर कई लोग उत्सुक भी देखें तो कुछ नहीं इसे खाना पूर्ति में बताया। लोगों ने कहा कि अगर निर्धारित अवधि में लोगों की समस्या का समाधान होगा। तभी लोगों में विश्वास जागेगा और लोगों को भी लाभ होगा।

हेतनपुर पंचायत में विभिन्न समस्याओं से संबंधित 43 एवं पतलापुर पंचायत में 65 आवेदन आए। सहयोग शिविर में पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि लोगों द्वारा आए समस्याओं से संबंधित आवेदन का निष्पादन निर्धारित अवधि के अंदर कर दिया जाएगा।

भाजयुमो पटना ग्रामीण के नेतृत्व में बिक्रम में चला सफाई अभियान, नेताओं ने शहीदों को किया नमन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम :प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार को बिक्रम विधानसभा क्षेत्र के शहीद चौक स्थित शहीद स्मारक परिसर में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा पटना ग्रामीण युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पवन भान सिंह ने किया, जबकि संचालन जिला महामंत्री अविनाश कुमार उपाध्याय ने किया। अभियान के दौरान युवा मोर्चा कार्यकताओं ने शहीद स्मारक परिसर की साफ-सफाई कर देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष तेज नारायण शर्मा , श्रीराम शर्मा ,मंडल अध्यक्ष सतीश शर्मा, संधीर यादव, योगेश तिवारी, नीतीश कुशवाहा, अमर यादव, मुन्ना कुमार, धीरज तिवारी, हर्ष कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खगौल नगर परिषद द्वारा जगत नारायण लाल कॉलेज में सहयोग शिविर का किया गया आयोजन

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत जगत नारायण लाल कॉलेज में मंगलवार को बिहार सरकार की पहल के तहत सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कार्यपालक पदाधिकारी अभिनव कुमार ने किया। शिविर में 149 लोगों ने अपनी समस्याओं के संबंध में आवेदन दिया। श्री कुमार ने कहा कि सबसे अधिक 74 मामले जीविका से जुड़े हुए थे। पीएम स्वनिधि के 22 बिजली विभाग के तीन एवं नगर परिषद से जुड़े 34 मामले आए। उन्होंने बताया कि शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 22 लाभुको को एक एक लाख का राशि प्रदान किया गया।

बिहार सरकार ने यूनिसेफ और यूएनईएससीएपी के सहयोग से जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए व्यापक रोडमैप जारी किया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बिहार सरकार ने राज्य में जन्म और मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक व्यापक रोडमैप जारी किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में प्रत्येक जन्म और मृत्यु का समय पर, पूर्ण और नागरिकों के लिए सुगम हो सके। यह रोडमैप बिहार में सिविल रजिस्ट्रेशन एवं वाइटल स्टैटिस्टिक्स (सीआरवीएस) प्रणाली को सुदृढ़ बनाने संबंधी आकलन, विश्लेषण एवं पुनर्रचना (एआर) रिपोर्ट के प्रसार कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला का आयोजन बिहार सरकार के अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस) ने यूनिसेफ और संयुक्त राष्ट्र यूएनईएससीएपी के सहयोग से किया।

कार्यशाला में जारी आकलन, विश्लेषण एवं पुनर्रचना (एआर) रिपोर्ट तथा नागरिक पंजीकरण एवं महत्वपूर्ण सांख्यिकी नीति संक्षेप में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुलभ और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। इनमें ग्राम पंचायत स्तर तक पंजीकरण सेवाओं का विस्तार, पंचायत सचिवों को रजिस्ट्रार के रूप में नामित करना, आंगनवाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकताओं और जीविका दीदियों को जन्म एवं मृत्यु की सूचना देने की प्रक्रिया से जोड़ना शामिल है। रिपोर्ट में जन-जागरूकता अभियान को मजबूत करने, मानक संचालन प्रक्रियाओं (रडढ२) को संस्थागत रूप देने, रियल-टाइम डैशबोर्ड के माध्यम से निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा अस्पताल से डिस्चार्ज के साथ जन्म पंजीकरण को जोड़ने का भी सुझाव है।

रिपोर्ट के सुझावों में मानव संसाधन की कमी को दूर करने, संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने तथा मृत्यु के कारणों के बेहतर चिकित्सीय प्रमाणीकरण के माध्यम से मृत्यु संबंधी आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार लाने पर भी जोर दिया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, माननीय मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, बिहार सरकार, ने कहा कि जन्म और मृत्यु का शत-प्रतिशत पंजीकरण नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और सुशासन को मजबूत करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में जागरूकता अभियान तेज करने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक लोग पंजीकरण के महत्व और इसकी प्रक्रिया से परिचित हो सकें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गांवों में जनगणना और आबादी संबंधी आंकड़ों ने आवास योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद की है, उसी प्रकार जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से प्राप्त सटीक आंकड़े सरकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने और जरूरतमंद लोगों तक उनका लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मंत्री जी ने इस क्षेत्र में यूनिसेफ के सहयोग तथा बिहार के बच्चों और किशोरों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

पटना के डाकबंगला चौराहा पर प्रेम यूथ फाउंडेशन का सड़क सुरक्षा अभियान

■ वॉलेंट्रीयर ने हेलमेट पहनने की अपील की

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को रोकने के उद्देश्य से प्रेम यूथ फाउंडेशन पटना ने मंगलवार को डाकबंगला चौराहा पर 2 दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान की शुरूआत की। यह अभियान 17 जून तक चलेगा।

युवाओं और पुलिस की संयुक्त पहल

कार्यक्रम में प्रेम यूथ फाउंडेशन के दर्जनों स्वयंसेवको ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर उतरे। बैनर पर ह्लप्रेम यूथ फाउंडेशन पटना - सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, 16 एवं 17 जून 2026ह्व लिखा था। अभियान में पटना ट्रैफिक पुलिस के जवान भी शामिल हुए और लोगों को हेलमेट, सीट बेल्ट व यातायात नियमों के महत्व के बारे में बताया। फाउंडेशन कीस्वयंसेवक वर्षा के हाथ में सर झुकी तो एकदम... हेलमेट जरूरी लिखा पोस्टर खास आकर्षण का केंद्र रहा। पोस्टर पर हेलमेट और गाड़ी का चित्र बनाकर युवाओं ने आम लोगों को संदेश दिया।

लोगों को दिया गया यह संदेश

डाकबंगला चौराहा पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर स्वयंसेवकों ने बाइक सवारों को रोका और उन्हें मुफ्त में हेलमेट पहनने की सलाह दी। बिना हेलमेट चल रहे लोगों को हेलमेट के फायदे बताए गए और ट्रैफिक नियम तोड़ने पर लगने वाले जुमानें की जानकारी भी दी गई।

आयोजकों ने पैम्पलेट और स्टिकर बांटकर लोगों से अपील की कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही, परिवार की खुशियां छीन सकती है। साथ ही ओवरस्पीड, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चलाने से बचने की हिदायत दी गई।

युवाओं की भूमिका अहम

प्रेम यूथ फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर सुलेखा ने बताया कि युवा ही बदलाव की ताकत हैं। अगर युवा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होंगे तो दुर्घटनाओं में बड़ी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि डाकबंगला जैसे व्यस्त चौराहों पर इस तरह के अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक हो सकें।ट्रैफिक पुलिस के एसआई कुमारी अनामिका ने भी फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और कहा कि जनता के सहयोग के बिना सड़क सुरक्षा संभव नहीं है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

दो दिन चलने वाले इस अभियान के दौरान फाउंडेशन के सदस्य पटना के अन्य व्यस्त चौराहों पर भी जाकर लोगों को जागरूक करेंगे।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से कराया अवगत

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। मुख्यालय, हाजीपुर में 04 रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए।

विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

PMHMM120193392021_8_2
MHMM12-019339-2021

फॉर्म नं. 4

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मझगांव

श्रीमती एन. बी. घटागे की अदालत में

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, 54वीं अदालत

आरोपी व्यक्ति की उपस्थिति के लिए उद्घोषणा
(सेक्शन 82 देखें)

समरी केस/5400893/2021
ओमकारा एआरसी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शुभोदीप टी. बनर्जी बनाम श्री मंगल मोटर्स //0
अगली तारीख: 29-07-2026

इनके माध्यम से प्रकाशित:
पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी/पुलिस स्टेशन अधिकारी
वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक

चूंकि मेरे समक्ष शिकायत की गई है कि **अशोक कुमार सिंह**, उम्र - 0 वर्ष, **निवासी – गांव/अंचल मोतिहारी वार्ड नं. 23, ताल बालुताल, जिला – पूर्वी चंपारण, बिहार – 845104)** ने **नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स (संशोधन) अधिनियम की धारा 138** के तहत दंडनीय अपराध **(धारा 138, 141 और 142 के साथ पठित)** किया है (या ऐसा करने का संदेह है), और उनके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट यह कहते हुए वापस आ गया है कि उक्त **अशोक कुमार सिंह** नहीं मिल रहे हैं, और चूंकि मुझे इस बात का यकीन हो गया है कि उक्त **अशोक कुमार सिंह** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए खुद को छिपा रहे हैं);

एतद्द्वारा यह उद्घोषणा की जाती है कि उक्त **अशोक कुमार सिंह**, आयु-0 वर्ष, को दिनांक **29-07-2026** को उक्त शिकायत का उत्तर देने के लिए **अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मझगांव** में **न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, 54वीं अदालत** के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

दिनांक : 26-05-2026

ह/-
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, 54वीं अदालत

PMHMM120193392021_8_1
MHMM12-019339-2021

फॉर्म नं. 4

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मझगांव

श्रीमती एन. बी. घटागे की अदालत में

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, 54वीं अदालत

आरोपी व्यक्ति की उपस्थिति के लिए उद्घोषणा
(सेक्शन 82 देखें)

समरी केस/5400893/2021
ओमकारा एआरसी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शुभोदीप टी. बनर्जी बनाम श्री मंगल मोटर्स //0
अगली तारीख: 29-07-2026

इनके माध्यम से प्रकाशित:
पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी/पुलिस स्टेशन अधिकारी
वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक

चूंकि मेरे समक्ष शिकायत की गई है कि **वीरेंद्र प्रसाद सिंह**, उम्र - 0 वर्ष, **निवासी – 264, गांव/अंचल – कोटवा, मोतिहारी, जिला – पूर्वी चंपारण, बिहार – 845 437)** ने **नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स (संशोधन) अधिनियम की धारा 138** के तहत दंडनीय अपराध **(धारा 138, 141 और 142 के साथ पठित)** किया है (या ऐसा करने का संदेह है), और उनके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट यह कहते हुए वापस आ गया है कि उक्त **वीरेंद्र प्रसाद सिंह** नहीं मिल रहे हैं, और चूंकि मुझे इस बात का यकीन हो गया है कि उक्त **वीरेंद्र प्रसाद सिंह** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए खुद को छिपा रहे हैं);

एतद्द्वारा यह उद्घोषणा की जाती है कि उक्त **वीरेंद्र प्रसाद सिंह**, आयु-0 वर्ष, को दिनांक **29-07-2026** को उक्त शिकायत का उत्तर देने के लिए **अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मझगांव** में **न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, 54वीं अदालत** के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

दिनांक : 26-05-2026

ह/-
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, 54वीं अदालत

बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह तैयार: उपमुख्यमंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

■ जनसुनवाई कार्यक्रम में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री

पटना। सुबह के उपमुख्यमंत्री सहजन संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए कटाव निरोधी कार्यों के साथ-साथ फ्लड फाइटिंग सामग्रियों का पर्याप्त भंडारण कर सरकार पूरी तरह तैयार है। उपमुख्यमंत्री एक बात है जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कही। उपमुख्यमंत्री ने मीडिया से जुड़े अन्य सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के संबंध में स्थानीय अंग्रेजी अखबार द्वारा मार्ग परिवर्तन को लेकर प्रकाशित खबर को भारत सरकार की एजेंसी एनएचएआई ने स्पष्ट रूप से खारिज किया है। एनएचएआई द्वारा इस खबर को भ्रामक, असत्य एवं दुर्भावनापूर्ण बताते हुए संबंधित समाचार पत्र के संपादक को लिखित आपत्ति भी दर्ज कराई गई है। उन्होंने आगे कहा कि सहयोग शिविर की पहल से आमजन की अधिकांश समस्याओं का समाधान मौके पर ही सुनिश्चित हो रहा है, जिससे जनता में संतोष का वातावरण है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि दो शिक्षण संस्थानों के बीच उत्पन्न विवाद की प्रशासनिक जांच जारी है और दोषियों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

2.5 लाख बीपीएल परिवारों के घरों की छतों पर निःशुल्क सोलर पैनल लगाए जाएंगे : बुलो मंडल इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने बताया कि प्रदेश के लगभग 2.5 लाख बीपीएल परिवारों के घरों की छतों पर निःशुल्क सोलर पैनल लगाए जाएंगे। साथ ही, इन पैनलों से उत्पादित अतिरिक्त बिजली को सरकार निर्धारित दर पर क्रय करेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे पहले उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चैधरी एवं मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने जदयू प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आमजन एवं कार्यकताओं की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध एवं त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके से ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी उपस्थित रहे।

शिवहर में आयोजित सहयोग शिविरों में 205 मामलों का निपटारा, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री रहे मौजूद

■ तीन अलग-अलग प्रखंडों में आयोजित शिविरों में शामिल हुए ग्रामीण विकास विभाग के माननीय मंत्री श्री श्रवण कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य के ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार मंगलवार को शिवहर जिले के तीन प्रखंडों में आयोजित जनकल्याण सह सहयोग शिविर में शामिल हुए। इन शिविरों में उर्जा, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, सामान्य प्रशासन, राजस्व एवं भूमि सुधार एवं अन्य विभागों से संबंधित कुल 232 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कुल 205 मामलों का निपटान मौके पर ही कर दिया गया।

शिवहर जिले के पुरनहिया प्रखंड के बसंतपट्टी पंचायत में आयोजित शिविर में कुल 27 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 23 शिकायतों का तत्काल निपटान किया गया, जबकि 2 मामले रद्द किए गए है। यहां ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 10 शिकायतें, राजस्व एवं भूमि सुधार से 7, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण से 4 मामले दर्ज किए गए थे। इसी तरह पिपराही प्रखंड के मेसौढा गांव में आयोजित शिविर में 62 मामले आए, जिनमें से 47 मामलों को हल कर दिया गया। यहां सबसे अधिक 20-20 शिकायतें राजस्व एवं भूमि सुधार और सामान्य प्रशासन की दर्ज की गई, 6 मामले खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, 3-3 मामले उर्जा तथा श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, 2-2 मामले समाज कल्याण, योजना एवं विकास, पुलिस विभाग से संबंधित प्राप्त हुए।

मकसुदपुर कररिया पंचायत में 143 शिकायतों में 135 मामलों का समाधान हुआ, जबकि 4 मामलों को रिजेक्ट कर दिया गया। इस शिविर में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से 40 मामले, ग्रामीण विकास के 33, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के 24, उर्जा से 21, समाज कल्याण विभाग से 5 मामले दर्ज हुए थे। मौके पर बसंतपट्टी पंचायत की मुखिया उषा देवी, डुमरी तटसारी प्रमुख सरिता देवी, जिला अध्यक्ष कमलेश पाण्डेय, प्रखंड अध्यक्ष अजय मिश्रा, नरेंद्र पटेल, हरिद्वार राय पटेल और प्रतिभा राणी कुणाल, अमरेश पाण्डेय, बीडीओ और ईईओ मौजूद थे।

एकलव्य मॉडल स्कूलों में अब सीबीएसई माध्यम से होगी पढ़ाई: मंत्री

■ राज्य में आदिवासी बच्चों को मिलेगा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग से संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में अब कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई सीबीएसई माध्यम से होगी। केंद्र सरकार से इस संबंध में अनुमति मिल चुकी है। वर्तमान में बिहार में तीन एकलव्य स्कूल संचालित हो रहे हैं। इनमें पश्चिम चंपारण के बेलासड़ी, जमुई के आस्था और कैमूर के अधौरा शामिल हैं। प्रत्येक स्कूल में लगभग 600 बच्चे पढ़ रहे हैं, इस प्रकार कुल करीब 1800 आदिवासी छात्र-छात्राएं इन विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन तीनों क्षेत्रों में आदिवासी समुदाय की बहुलता है। विभाग ने आदिवासी बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है। एससी-एसटी मंत्री लखेंद्र पासवान ने कहा कि सीबीएसइ पैटर्न लागू होने के बाद सभी एकलव्य स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में जल्द ही डिजिटल लैब, अंग्रेजी माध्यम के शिक्षक और कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार के 24 जिलों में आदिवासियों की कुल जनसंख्या 13 लाख 36 हजार है। इनमें जमुई, कैमूर और पश्चिम चंपारण जिलों में आदिवासी आबादी अधिक है। इन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और संरक्षण के लिए एकलव्य विद्यालय खोले जा रहे हैं। सीबीएसइ पैटर्न लागू होने से अब इन विद्यालयों के गरीब एवं जनजातीय परिवारों के बच्चे भी नीट, जेईई तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों की प्रवेश परीक्षाओं में देश के अन्य छात्रों के साथ बराबरी से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कैमूर के अधौरा स्थित एकलव्य स्कूल में एक साल पहले कंप्यूटर शिक्षा के नाम पर 70 से अधिक नाबालिग लड़कियों की ट्रैफिकिंग का मामला सामने आया था, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

बिहार में बनेंगे 305 भंडारण गोदाम और 400 पक्का थ्रेसिंग फ्लोर : मंत्री

■ फसल भंडारण और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सभी जिलों में बनेगा गोदाम एवं थ्रेसिंग फ्लोर

■ प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत किसानों के लिए भंडारण गोदाम एवं पक्का थ्रेसिंग फ्लोर निर्माण योजना को मिली स्वीकृति

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अब किसानों को फसल कटाई के तुरंत बाद कम कीमत पर अपनी उपज बेचनी नहीं पड़ेगी। इसके लिए कृषि विभाग राज्य में 305 भंडारण गोदाम और 400 पक्का थ्रेसिंग फ्लोर बनाने जा रहा है। गोदाम निर्माण से किसान अपनी उपज को सुरक्षित रूप से संग्रहित कर सकेंगे तथा बाजार में अनुकूल मूल्य मिलने पर उसे बेचकर अधिक लाभ अर्जित कर सकेंगे। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा कृषि क्षेत्र में आर्थिक सशक्तीकरण को बल मिलेगा। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि गोदाम निर्माण योजना का कार्यान्वयन राज्य के सभी जिलों में किया जाएगा। योजना के तहत 88 इकाई 100 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम, 217 इकाई 200 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम तथा 400 पक्का थ्रेसिंग फ्लोर का निर्माण प्रस्तावित है। किसानों को कृषि उपज के सुरक्षित भंडारण तथा बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (डीपीआर) के अंतर्गत किसानों के लिए 100 एवं 200 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण और पक्का थ्रेसिंग फ्लोर की स्थापना की महत्वाकांक्षी योजना संचालित की जाएगी। इस योजना के लिए कुल 24 करोड़ रुपये की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति का प्रस्ताव है, जिसमें केंद्रांश 14.40 करोड़ रुपये तथा राज्यांश 9.60 करोड़ रुपये शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि यह योजना कृषि अवसंरचना के विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अनुमान है कि 88 गोदामों के निर्माण से 96,536 मानव दिवस, 217 बड़े गोदामों के निर्माण से 3,39,388 मानव दिवस तथा 400 पक्का थ्रेसिंग फ्लोर के निर्माण से 12,000 मानव दिवस रोजगार सृजित होंगे। इस प्रकार योजना के माध्यम से कुल 4,47,924 मानव दिवस रोजगार सृजित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों के बेहतर प्रबंधन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह योजना किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

एनडीए के शासनकाल में प्रदेश में कानून का राज : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं परिमल कुमार ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि बिहार में अपराध को लेकर बेबुनियाद आरोप लगाने वाले तेजस्वी यादव को पहले अपने दल के शासनकाल का आकलन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1990 से 2005 तक का आरजेडी शासनकाल पूरे देश में जंगलराज के नाम से जाना जाता था, जहां हत्या, लूट, अपहरण और फिरौती की घटनाएं आम थीं। प्रवक्ताओं ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में कानून का राज स्थापित हुआ है और अपराध नियंत्रण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है तथा अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

राज्य भर के जिला मुख्यालयों पर राजद का धरना कार्यक्रम आज : एजाज

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि बुधवार को राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रीय जनता दल की ओर से महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई,संगठित भ्रष्टाचार, लुट , गिरती विधि व्यवस्था , गरीबों पर हो रहे जुल्म और आम जनों के ज्वलंत मुद्दों पर विशाल धरना दिया जाएगा। एजाज ने आगे बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल के निदेर्शानुसार कल पटना के गर्दनीबाग सहित राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों पर व्यापक एवं प्रभावकारी रूप से विशाल धरना दिया जाएगा। इस धरना कार्यक्रम में पार्टी के सभी सांसद, विधायक, विधान पार्षद के साथ वरिष्ठ नेता , राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला के पदाधिकारियों सहित जिला भर के सभी सक्रिय कार्यकर्ता और नेता भाग लेंगे। धरना में आम जनों की भी बड़ी भागीदारी होगी। एजाज ने आगे कहा बिहार में जिस तरह से वित्तीय गबन और और वित्तीय अपराध का मामला सामने आया है,उस पर सरकार में बैठे हुए लोग चुप है। टेंडर माफिया रिशुश्री के मामले पर जिस तरह से सरकार के व्यवस्था की पोल खुल गई और इसमें बड़े अधिकारी के संलिप्तता के मामले सामने आ रहे हैं उस पर पदार्दारी के लिए बिहार में मुद्दों को भटकाया जा रहा है, इससे स्पष्ट होता है की बड़ी मछलियों को बचाने के लिए छोटी मछलियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। बिहार में संगठित लूट और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। सत्ता के संरक्षण में माफियाओं को फलने- फुलने का मौका मिल रहा है। डबल इंजन सरकार में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। पेट्रोल -डीजल रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ रहे हैं जिसके कारण आम जनों का जीवन दुभर हो गया है। आगे कहा कि बिहार में विकास के कार्य अवरुद्ध हैं और सरकार के स्तर से विकास के प्रति गंभीरता नहीं दिख रही है। सरकार क्षेत्रीय और जिला स्तरीय विकास के संतुलन को दूर करने की दिशा में गंभीर नहीं है। एजाज ने आगे कहा कि राष्ट्रीय जनता दल अपने विचारधारा के आधार पर जनहित के मुद्दों पर आंदोलन और संघर्ष का कार्यक्रम आगे भी निरंतर चलाती रहेगी।

राजद का धरना सरकार के विरुद्ध जनता के आक्रोश का प्रतीक बनेगा : अरुण

पटना । राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने बताया कि कमरतोड़ महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, पेपर लीक, गरीबों पर हो रहे अत्याचार सहित जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर बुधवार को राज्य के सभी जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले राजद के धरना-प्रदर्शन की तैयारी जोरदार एवं व्यापक स्तर पर पूरी कर ली गई है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मांगनी लाल मंडल के निदेर्शानुसार पार्टी के जिला प्रभारी तथा पार्टी के नेताओं, कार्यकताओं द्वारा धरना की सफलता को लेकर लगातार बैठकें, जनसंपर्क अभियान तथा कार्यकताओं के साथ समीक्षा की गई है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि 17 जून का यह धरना एनडीए सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता के आक्रोश का प्रतीक बनेगा। धरना में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, किसान, युवा, महिलाएं एवं आम नागरिक शामिल होंगे।

बस किराया में की गई बढ़ोतरी वापस ले सरकार

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा डीजल-पेट्रोल की कीमत में की गई बढ़ोतरी का असर आम लोगों के जीवन पर पड़ने लगा है। डीजल की कीमत में दस फीसद की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन सरकारी और निजी बसों के किराया में 25 से 30 फीसद की बढ़ोतरी कर दी गई है और राज्य सरकार मौन है। यह बढ़ोतरी जन विरोधी है। राज्य सरकार इसकी समीक्षा करें और बस मालिक से वार्ता कर बढ़ाये गए किराया वापस लें। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों के किराये में पहले बढ़ोतरी की गई। इसके बाद निजी बस मालिकों ने किराये में बढ़ोतरी कर दी है। जहां पहले पटना से दरभंगा का किराया 250 रुपया था, वहीं अब 300 रुपये प्रति यात्री वसूला जा रहा है। इसी तरह मधुबनी का बस किराया 300 से बढ़ाकर 350 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, मोतिहारी, बेतिया, छपरा, सीवान सहित राज्य के विभिन्न जगहों के लिए पटना से खुलने वाली बसों के किराया में बढ़ोतरी की गई है। नगर सेवा की बस किराया में बेतहाशा बढ़ोतरी की गई है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बस के किराया में की गई बढ़ोतरी की निंदा करती है। साथ ही राज्य सरकार से बढ़े हुए किराया को वापस लेने और निजी बस मालिकों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग करती है।

राम सुमिरन सिंह ने संभाला भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का पदभार

■ बोलें- किसानों के हितों को संगठन की प्राथमिकता बनाएंगे

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय मे वरिष्ठ नेता राम सुमिरन सिंह ने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का विधिवत पदभार ग्रहण किया। अपने कक्ष में पूजा अर्चना के बाद उन्होंने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, किसान मोर्चा के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण करने के बाद राम सुमिरन सिंह ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे।

राज्य में मछली पालन की है असीम संभावनाएं : मंत्री

■ मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मीठापुर स्थित नवनिर्मित मत्स्य विकास भवन में आयोजित हुआ कॉन्क्लेव

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में मात्स्यिकी, मत्स्य और जल कृषि के विकास की असीम संभावनाएं हैं। हमारा विभाग गांवों में पहुंचेगा और बिहार के पलायन को रोकने में कामयाब होगा। इससे बेरोजगारी कम होगी। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग गांवों का विभाग है। ये बातें डेयरी मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री नंद किशोर राम ने मंगलवार को कही। वे मीठापुर स्थित नवनिर्मित मत्स्य विकास भवन में मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। ध्यान रहे कि बीते सोमवार को मत्स्य विकास भवन में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) के क्षेत्रीय कार्यालय का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के हाथों किया गया था। मंगलवार को हुई इस कॉन्क्लेव में मंत्री नंद किशोर राम ने कहा कि समग्र मात्स्यिकी विकास के लिए हुए इस आयोजन से राज्य के मत्स्य पालकों, किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग मिलेगा। माननीय मंत्री ने कहा कि बिहार में मछली उत्पादन में लगातार रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जहां राज्य का कुल मछली उत्पादन 9.69 लाख मीट्रिक टन था, वहीं यह वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 10.28 लाख मीट्रिक टन हो गया है। सरकार के प्रयास से 7,990 हेक्टेयर में नए जल क्षेत्र का सृजन, 2,721 हेक्टेयर चौर भूमि में आधुनिक तालाबों का निर्माण और 5,264 ट्यूबवेल का अधिष्ठापन किया गया है। साथ ही, 233 मत्स्य बीज हैचरी अधिष्ठापित की गई है। इन कार्यशील हैचरियों से राज्य की लगभग 70 प्रतिशत मत्स्य बीज की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा रही है। जिसका परिणाम है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2,753.45 मिलियन मत्स्य बीज का वार्षिक उत्पादन हुआ है। वहीं राज्य में स्थापित 89 फिश फीड मिलों से 50 हजार टन मछली आहार का उत्पादन राज्य के अंदर ही होने लगा है। मत्स्य बाजारों में स्वच्छता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अब तक 6,449 वाहन एवं 12,172 मत्स्य विपणन किट का वितरण किया जा चुका है। 'मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना' के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य के चिह्नित 3 प्रखंडों व 7 पंचायतों में आधुनिक मत्स्य बाजारों का निर्माण किया जा रहा है। कृषि विभाग की तरह मछली पालकों को रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किया जा रहा है। वहीं इस मौके पर डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव श्री शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि मछली पालन को बिजनेस की तरह विकसित करने की जरूरत है। इस क्षेत्र में निर्यात की असीम संभावनाएं हैं। हम निर्यात बढ़ाकर मछली पालकों की आय बढ़ा सकते हैं। इसके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें प्रोसेसिंग प्लांट लगाना, फिश फीड मिल लगाना और आरएएस या बायोफ्लॉक इत्यादि से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में एनएफडीबी का कार्यालय खुल चुका है, इससे राज्य में मछली उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। जब तक उत्पादन सरप्लस नहीं होगा, तब तक दूसरे राज्यों को निर्यात नहीं कर सकते। इस मौके पर एनएफडीबी के मुख्य कार्यपालक विजय कुमार बेहरा और विभाग के मत्स्य निदेशक तुषार सिंगला ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम में विभाग के संयुक्त सचिव कुमार रविंद्र, एनसीडीसी के क्षेत्रीय निदेशक अनिरुद्ध सिंह, नाबार्ड के जीएम पार्थ मंडल सहित बड़ी संख्या में राज्यभर से आए मत्स्य किसान मौजूद थे।

जनहित में प्रभावी साबित हो रहा सहयोग शिविर : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी करते हुए कहा है कि एनडीए सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर आयोजित सहयोग शिविर को पूरे प्रदेश में जनता का अभूतपूर्व समर्थन एवं विश्वास प्राप्त हो रहा है। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि अब तक आयोजित तीन चरणों के सहयोग शिविर में पूरे प्रदेश से लगभग 2 लाख 6 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1 लाख 59 हजार से अधिक आवेदनों का सफलतापूर्वक निवारण किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि लगभग 78 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का ऑन-स्पॉट एवं समयबद्ध निष्पादन यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि एनडीए सरकार की यह जनहितैषी पहल केवल कागजी दावों तक सीमित नहीं है, बल्कि धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित हो रही है। यह शिविर अपने निर्धारित लक्ष्यों की ओर निरंतर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और जनता के चेहरों पर संतोष एवं मुस्कान ला रहा है।

श्री कुशवाहा ने इस दूरदर्शी पहल के लिए नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सात निश्चय-3 के माध्यम से इस कल्याणकारी कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी जी का भी अभिनंदन किया, जिनके कुशल नेतृत्व में यह कार्यक्रम पूरे बिहार में पारदर्शिता एवं प्रभावी ढंग से संचालित हो रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने एनडीए सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि जब तक समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की किरणें नहीं पहुँचतीं, तब तक समृद्ध बिहार का सपना साकार नहीं हो सकता। सहयोग शिविर का मूल उद्देश्य भी यही है कि गरीब, वंचित, शोषित एवं जरूरतमंद लोगों तक सरकार की सभी विकास योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के सुनिश्चित रूप से पहुँचाया जाए।

बांकीपुर विधानसभा के विभिन्न शक्ति केंद्रों पर डोर-टू-डोर जनसंपर्क

■ बांकीपुर विधानसभा के विभिन्न शक्ति केंद्रों पर डोर-टू-डोर जनसंपर्क

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत आज बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा, बिहार प्रदेश के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने मीठापुर के विभिन्न शक्ति केंद्र में सैकड़ों युवा कार्यकताओं, मंडल अध्यक्ष नीरज भारती, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रोहित गुप्ता तथा भाजयुमो के ऊजार्वान कार्यकर्ता साथियों के साथ विशेष जनसंपर्क अभियान में सहभागिता की।

इस दौरान बूथ स्तर के प्रत्येक परिवार तक केंद्र सरकार के विगत 12 वर्षों के रिपोर्ट कार्ड से युक्त पत्रक वितरित किए गए।

श्री सिंह ने कृष्णा मंडल के राजापुल शक्ति केंद्र, उत्तरी कृष्णापुरी शक्ति केंद्र एवं आनंदपुरी शक्ति केंद्र पर मंडल अध्यक्ष सुंदर तथा भाजयुमो कार्यकताओं के साथ घर-घर जाकर जनसंपर्क किया गया। अभियान के दौरान मोदी सरकार द्वारा जनकल्याण, गरीब उत्थान, स्वरोजगार, व्यापार सुगमता, आधारभूत संरचना विकास तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण हेतु किए गए ऐतिहासिक कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

जनसंपर्क के दौरान भाजयुमो के प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा की वर्चुअल समीक्षा बैठक में कार्यक्रमों की तैयारियों पर मंथन, प्रदेश अध्यक्ष हुए शामिल

मोदी सरकार के 12 स्वर्णिम वर्षों को जन-जन तक पहुंचाएंगे कार्यकर्ता : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक आयोजित विभिन्न जनसंपर्क एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा तथा आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी कीआज एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया एवं प्रदेश के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में योग को जन-जन तक पहुंचाने, स्वस्थ भारत और विकसित भारत के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने तथा योग दिवस कार्यक्रमों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आज पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है और योग स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मंडल स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सभी स्कूल, कॉलेज सहित सभी शैक्षणिक संस्थाओं के अलावा कई संगठनों के लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खुद राजधानी पटना में योग कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा पार्टी के सभी पदाधिकारी अलग-अलग आयोजित योग अभ्यास कार्यक्रमो में शामिल होंगे। बैठक में इन सभी विषयों को लेकर चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभी पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जनभागीदारी का महाअभियान बनाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और योग इस दिशा में एक सशक्त माध्यम है। बैठक में सारण, भागलपुर, कोशी, सीमांचल, पटना, मुंगेर, बेगूसराय एवं नालंदा क्षेत्र के सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों की उपस्थिति रही। सभी ने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए संगठनात्मक स्तर पर व्यापक तैयारियों का भरोसा दिलाया।

संक्षिप्त खबरें

सेवानिवृत्त पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य के निधन पर शोक

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत संचालित डीबीकेएन कॉलेज नरहन के पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य श्यामाकांत झा का अचानक हृदय घाट के कारण निधन हो गया। उनके निधन उपरांत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य के निदेर्शानुसार डॉ सुमित कुमारके अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित डॉक्टर सिदेश्वर झा, रामप्रकाश, अनिल कुमार, कुमार रितेश, प्रकाश गौतम, नरेंद्र कुमार, सुरेश झा, दीपक राम, वीर चंद्र, वीरेंद्र कुमार, हरि किशोर कुमार आदि ने 2 मिनट का मौन धारण कर शोक व्यक्त किया।

मैथिली के सम्मान का ऐतिहासिक निर्णय : प्रो. विनय चौधरी

बेनीपुर(दरभंगा) ।बेनीपुर विधायक एवं सत्तारूढ़ दल के सचेतक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने नवस्थापित डिग्री महाविद्यालयों में मैथिली विषय की पढ़ाई प्रारंभ किए जाने पर सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। प्रो. चौधरी ने कहा कि उन्होंने नवसृजित डिग्री महाविद्यालयों में मैथिली विषय शामिल नहीं किए जाने का मुद्दा उपमुख्यमंत्री के समक्ष उठाया था। इस पर उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया था।उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि एक माह के भीतर ही नवस्थापित डिग्री महाविद्यालयों में मैथिली एवं उर्दू विषयों की पढ़ाई को स्वीकृति प्रदान कर दी गई। यह निर्णय मिथिला की भाषा, संस्कृति तथा शैक्षणिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं स्वागतयोग्य कदम है। प्रो. चौधरी ने कहा कि मिथिला की मातृभाषा मैथिली के सम्मान और उसके शैक्षणिक विस्तार के लिए लिया गया यह निर्णय लंबे समय तक स्मरणीय रहेगा।

सर्जना निखार शिविर में व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर, छात्राओं ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

दरभंगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, दरभंगा इकाई द्वारा आयोजित सर्जना निखार शिविर के अंतर्गत आज मेहंदी, मिथिला पेंटिंग, पत्रकारिता, सिलाई एवं व्यक्तित्व विकास सहित विभिन्न प्रशिक्षण वर्गों का सफल आयोजन किया गया। प्रतिभागी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशल को निखारने का प्रयास किया। प्रशिक्षण वर्गों में व्यक्तित्व विकास सत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस वर्ग में अभाविप उत्तर बिहार के प्रांत विश्वविद्यालय कार्य सह संयोजक एवं प्रशिक्षक हरिओम झा ने छात्राओं को अभाविप के माध्यम से आत्मविश्वास निर्माण, प्रभावी संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन तथा सकारात्मक सोच के महत्व की जानकारी दी। बताया कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बेहतर व्यक्तित्व एवं व्यवहारिक कौशल भी आवश्यक हैं। छात्राओं को समूह चर्चा एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराया गया। मेहंदी वर्ग प्रशिक्षिका शिवानी शर्मा ने प्रतिभागियों को आकर्षक एवं पारंपरिक डिजाइनों का प्रशिक्षण दिया। मिथिला पेंटिंग वर्ग में प्रशिक्षिका आरती कुमारी द्वारा मिथिला की समृद्ध लोककला मिथिला पेंटिंग आकृतियों में कचना भरना एवं उसकी तकनीकों की जानकारी दी गई। पत्रकारिता वर्ग में समाचार लेखन, साक्षात्कार एवं मीडिया की भूमिका पर चर्चा की गई। पत्रकारिता के शिक्षक राघव झा ने कहा कि हमारे जीवन में समाचार पत्र पढ़ने के अनेक लाभ हैं, जिन्हें कम करके नहीं आंका जा सकता। समाचार पत्र सूचनाओं का खजाना है।

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह एवं भक्तिभाव के प्रसंग से भक्त हुए भावविभोर

दरभंगा। बहादुरपुर प्रखंड अंतर्गत गोविंदपुर स्थित राम जानकी मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा स्थल पूर्णतः भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण किया तथा भगवान की दिव्य लीलाओं का रसपान किया। कथावाचक श्री नटवर नारायण दास जी महाराज ने कथा के छठे दिन मुख्य रूप से श्रीकृष्णझरुक्मिणी विवाह प्रसंग, भक्त और भगवान के प्रेम तथा पूर्ण समर्पण की महिमा का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान महाराज जी ने कहा कि रुक्मिणी जी का भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट विश्वास और समर्पण प्रत्येक भक्त के लिए आदर्श है। जब मनुष्य पूरे विश्वास और श्रद्धा के साथ प्रभु को स्वीकार करता है, तब भगवान स्वयं उसकी रक्षा और कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को अपने आराध्य के रूप में स्वीकार किया था, लेकिन उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह अन्यत्र कराने का प्रयास किया। ऐसे समय में रुक्मिणी जी ने भगवान को संदेश भेजकर अपनी प्रार्थना व्यक्त की।

कारमेघ उत्तरी पंचायत के सहयोग शिविर में पहुंचे डीएम व एसपी, सुनी ग्रामीणो की समस्याए

● प्रशासन पहुंचा गांव के द्वार सहयोग शिविर में उमड़ी ग्रामीणो की भीड़ समस्याओं का हुआ समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। खुटौना प्रखंड के कारमेघ उत्तरी पंचायत स्थित ललित नारायण +2 उच्च विद्यालय में आयोजित सहयोग शिविर में जिलाधिकारी आनंद शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। पंचायत से संबंधित 32 आवेदनों में से 27 का निष्पादन किया गया, जबकि जिले की 386 पंचायतों से प्राप्त लगभग 6,070 आवेदनों का समाधान किया जा चुका है। शिविर में 50 से अधिक नए आवेदन भी प्राप्त हुए।ग्रामीणों ने जलजमाव, स्वास्थ्य सुविधा और उच्च शिक्षा संस्थान की मांग समेत कई समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई का निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने डायल-112 सहित पुलिस की विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी अनीश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

शिक्षक मतदाताओं की बैठक: मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड पंचायत समिति सभागार में बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष प्रियरंजन ठाकुर की अध्यक्षता में दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक मतदाताओं की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई।बैठक में पूर्व प्रत्याशी रामदेव राय ने कहा कि कई पात्र शिक्षकों के नाम वर्तमान मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं। उन्होंने सभी छूटे हुए शिक्षकों से प्रपत्र-19 भरकर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, समस्तीपुर के कार्यालय में जल्द से जल्द जमा करने की अपील की।संस्कृत साहित्य परिषद् के अध्यक्ष बाबू प्रसाद शर्मा सहित अन्य वक्ताओं ने शिक्षकों से इस पंजीकरण अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने और शिक्षक हितों के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। बैठक को दिलीप नारायण सिंह उर्फ पप्पू प्रधानाध्यापक ललितेश्वर प्रसाद, बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रखंड सचिव विनोद प्रभाकर, गणेश कपूर, नीरज कुमार चौधरी, दुर्गा प्रसाद, दिनेश सहनी, राजकिशोर शर्मा, चंदन कुमार, अमरजीत ठाकुर, घनश्याम कुमार राय, चंदन कुमार, अमरेश कुमार,भोला चौधरी आदि ने संबोधित किया।अंत में सभी शिक्षकों ने मतदाता सूची को अपडेट कराने का संकल्प लिया।

गरीबों किसानों व आम जनमानसो की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं सरकार : विधायक

●दरभंगा ग्रामीण विधायक राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने सहयोग शिविर का किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। शहर से सटे धोई घाट, सोनकी एवं मनीगाछी प्रखंड के रघेपुरा पूर्वी तथा रघेपुरा दक्षिणी पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर का उद्घाटन दरभंगा ग्रामीण विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने किया। इस अवसर पर विधायक श्री मंडल ने शिविर में उपस्थित आम लोगों, किसानों, मजदूरों एवं गरीब-गुरबा परिवारों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। सहयोग शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, सुविधाओं एवं सेवाओं से जोड़ना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। विधायक श्री मंडल ने कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि आम लोगों की समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।शिविर के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव विधायक के समक्ष रखे, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से आम लोगों को काफी राहत मिलती है और सरकारी योजनाओं की जानकारी सीधे उन तक पहुंचती है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि परितोष यादव, मुरारी मोहन मिश्र, दीपक झा, सरपंच संतोष ठाकुर,मानिक मंडल मुखिया, प्रमोद ठाकुर,चंदन झा, मोहम्मद अब्दुल कलाम, वीरेंद्र साहनी, समीम अशरफ, मोहम्मद अब्बास, हरिमोहन मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आचार्य व शास्त्री के विभिन्न सत्रों समेत उपशास्त्री का परीक्षा परिणाम घोषित, कुलपति दिया साधुवाद

अंक पत्र की वेब कॉपी से छात्र ले सकते हैं ऑनलाइन नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।संस्कृत विश्वविद्यालय ने रिकार्ड समय के भीतर आचार्य व शास्त्री के विभिन्न सत्रों समेत उपशास्त्री का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है ।सत्र नियमितीकरण में यह बहुत बड़ा कदम माना जा रहा है। करीब माह भर के भीतर रिजल्ट प्रकाशित किये जाने से कुलपति प्रो लक्ष्मीनिवास पांडेय काफी खुश हैं। अपने कार्यालयीय कक्ष में रिजल्ट जारी करते हुए उन्होंने सभी कर्मियों को इसके लिए साधुवाद दिया है। आचार्य तथा शास्त्री व उपशात्री में औसतन 89 फीसदी बच्चे सफल हुए हैं। आंकडे के हिसाब से आचार्य के तीनों सेमेस्टर में 732 तथा शास्त्री के तीनों सेमेस्टर में कुल 3292 छात्र परीक्षा में सफल रहे। इसी क्रम में बताना चाहेंगे कि परिणाम घोषित होते ही छात्र वेब कॉपी का उपयोग कर आगे की कक्षाओं में ऑनलाइन नामांकन करा सकता है। उपशास्त्री के सफल छात्र आनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना अंक पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। वेब अंक पत्र की प्रति लगाकर छात्र शास्त्री कक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं। 28 तक शास्त्री एवं आचार्य कक्षा में प्रवेश आवेदन की अन्तिम तिथि निर्धारित है। वहीं, आचार्य द्वितीय सेमेस्टर 2024-26 की परीक्षा विश्वविद्यालय मुख्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में 23 से 25 जून तक आयोजित होगी। इसके लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है। वेबसाइट के माध्यम से छात्र प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसी तरह शिक्षाशास्त्री प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा 28 से 3 जुलाई तक होगी। परीक्षा परिणाम घोषित करने के मौके पर डीन प्रो.पुरेंद्र वारिक, कुलसचिव डॉ.दिनेश झा, वित्त पदाधिकारी डॉ.पवन कुमार झा, परीक्षा नियंत्रक डॉ.निहार रंजन सिन्हा, ओएसडी (शैक्षणिक) डा.रामसेवक झा, पूर्व डीन डॉ.शिवलोचन झा,डा.सन्तोष पासवान, प्रशाखा पदाधिकारी सुनील सिंह, संतोष तिवारी सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

दिवंगत शोभा कुमारी की प्रथम पुण्यतिथि पर शोक सभा आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र के आलमपुर कोदरिया (वार्ड-13) में राष्ट्रीय पत्रकार एकता संघ के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राम कुमार महतो के आवास पर उनकी मेधावी सुपुत्री स्वर्गीय शोभा कुमारी की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई ।कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बुद्ध और सम्राट अशोक के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद उपस्थित परिजनों और ग्रामीणों ने दिवंगत शोभा कुमारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी ।परिजनों ने रोते हुए शोभा को याद किया और बताया कि वह पढ़ाई में अत्यंत मेधावी होने के साथ-साथ बेहद हंसमुख और संस्कारी थीं। बीते वर्ष 15 जून को उनका असमय निधन हो गया था। इस शोक सभा में उनकी दादी मानकी देवी, माता अनीता देवी, भाई रौशन व दीपक कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

खरीफ कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित वैज्ञानिक खेती अपनाने पर दिया गया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा, समस्तीपुर के निर्देश के आलोक में सोमवार को पंचायत समिति भवन के सभागार में खरीफ कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि के लिए प्रेरित करना था ।कार्यक्रम की शुभारंभ आगत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया ।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष रामनारायण सिंह व संचालन किसान सलाहकार प्रेमचंद सिंह ने की। कार्यक्रम में जिला से आईं सहायक निदेशक (शास्य) दीक्षा रानी, मृदा शाखा की प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनामिका, कृषि विज्ञान केंद्र, लदा के वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षक मुकेश कुमार देव ने किसानों को धान, मक्का, दलहन एवं तिलहन फसलों की उन्नत खेती, बीजोपचार, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। किसानों की समस्याओं का समाधान करते हुए वैज्ञानिक खेती अपनाने पर विशेष जोर दिया ।कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख सुनीता देवी, पूर्व प्रमुख रूपांजलि कुमारी, जिला पार्षद रीना राय, बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक पटेल, कृष्णादेव प्रसाद सिंह, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी हरेराम सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी धीरज कुमार, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक शशि रंजन, सभी कृषि समन्वयक, सभी सहायक तकनीकी प्रबंधक,सभी किसान सलाहकार तथा जनार्दन प्रसाद, लक्ष्मी नारायण सिंह, पवन कुमार सिंह, मनोज कुमार, संजय कुमार,भोला शंकर दास सहित विभिन्न पंचायतों के सैकड़ों किसान उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के दौरान किसानों को समय पर बुवाई, प्रमाणित बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, नियमित मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण तथा कृषि विभाग की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में किसानों ने पराली नहीं जलाने, मृदा स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती अपनाकर कृषि उत्पादन और आय बढ़ाने का संकल्प लिया।

नागा बाबा महावीर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उमड़ा आस्था का महासैलाब

मधुबनी। जयनगर के मेन रोड कमला रोड के समीप महावीर चौक स्थित ऐतिहासिक एवं आस्था व श्रद्धा के प्रमुख केंद्र श्री श्री 108 नागा बाबा महावीर मंदिर में आयोजित भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सह दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। प्राण प्रतिष्ठा व धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर से विधिवत पूजा अर्चना कर जय कारें जय घोष शंख ध्वनि ढोल नगाड़ों व देवी देवताओं की मनोरम झांकियों के साथ मंगलवार को विशाल झांकी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के बीच निकली इस भव्य यात्रा ने नगरवासियों का मन मोह लिया ।शोभायात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर नगर भर्मण करते हुए पवित्र कमला नदी पहुच कर मा कमला की विधिवत पूजा अर्चना कर कलशों में जल बोझ कर पुनः मंदिर परिसर पहुचा। कलशो को वैदिकमंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना कर मंदिर में स्थापित किया गया ।वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ धार्मिक अनुष्ठानो के साथ प्रारंभ हुई ।शोभा यात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता, श्रीहनुमान, भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती, गणेश जी समेत कई देवी -देवताओं की आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां शामिल थी। रंग-बिरंगे परिधानो एवं धार्मिक स्वरूपो से सुसज्जित कलाकारों ने झांकियों को जीवंत रूप प्रदान किया, जिसे देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु जय श्रीराम, हर-हर महादेव जय बजरंगबली के जयकारो जय घोष से क्षेत्र गुंजयमान हो रहा था। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों श्रद्धालुओ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। कई सामाजिक स्वयं सेवी संस्थाओ एवं स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल एवं शरबत की व्यवस्था की गई। प्रसाद का भी वितरण किया गया। मंदिर को रंग बिरंगी फूलो लाईट बत्तियो से सजाया गया है जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंगलवार को भजन संध्या भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुई। वही बुधवार को भव्य प्राण प्रतिष्ठा और मानस मयंक पंडित अजय याज्ञनिक के द्वारा सुंदर कांड का पाठ किया जाएगा। दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम के आयोजन से क्षेत्र में भक्तिमय का माहौल बना हुआ। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं का आस्था का जनसैलाब उमड़ा रहा। मौके पर मुख्य पार्षद कैलाश पासवान,उप मुख्य पार्षद माला देवी,अरुण जैन,डॉ.रत्नेश्वर प्रसाद सिंह,डॉ. ए.पी. सिंह, गिरधर सराफ, शीतल राउत ,अनिल ।बैरोलिया ,बैद्यनाथ ठाकुर,कल्पना सिंह, राज कुमार सिंह,शिवशंकर ठाकुर, राजेश मुरारका, रंजित पासवान, गुड्डा मंडल, राम प्रसाद राउत, अरविंद तिवारी, सुधीर खर्गा, शिवम चौधरी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

तीन बोतल विदेशी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

मनीगाछी(दरभंगा) ।नेहरा थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गाँव निवासी कृष्णदेव महतो के पुत्र घनश्याम कुमार महतो के घर छापेमारी कर तीन बोतल विदेशी शराब के साथ शराब कारोबारी घनश्याम कुमार महतो को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष मोती कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि घनश्याम कुमार महतो शराब का कारोबार करता है और अपने घर में शराब छिपाकर रखा हुआ है। सूचना के उपरांत सत्यापन हेतु त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके घर पर छापेमारी की गई। घर की तलाशी के क्रम में घर के अंदर से 750 एम एल की तीन बोतल रॉयल स्टैक विदेशी शराब बरामद किया गया है। जिसमें एक बोतल सील पैक था। जबकि दो बोतल की सील टूटी हुई थी। शराब की कुल मात्रा 2.1 लीटर है। गिरफ्तार शराब कारोबारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घनश्याम कुमार महतो, पिता कृष्णदेव महतो, ग्राम जगदीशपुर, थाना नेहरा, जिला दरभंगा को कुल 2.1 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त को विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थान के लिए भेजा गया है।

बेनीपट्टी में दखल देहानी के दौरान तनाव, एक व्यक्ति झुलसा

मधुबनी । बेनीपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत अधवारी गांव के वार्ड संख्या-05 में सोमवार को दखल देहानी की कार्रवाई के दौरान अचानक तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। जानकारी के अनुसार लगभग 35 पुलिस कर्मियो, पुलिस पदाधिकारियो अंचलाधिकारी (सीओ) बेनीपट्टी एवं न्यायालय कर्मियो की उपस्थिति में उक्त स्थल पर शांति पूर्वक दखल देहानी की प्रक्रिया चल रही थी ।इसी दौरान राजिंद्र ठाकुर नामक व्यक्ति अपने घर के भीतर से आग लगने की स्थिति में बाहर निकले, जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस बल एवं ग्रामीणों के सहयोग से तत्काल आग पर काबू पाया गया। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को पुलिस वाहन से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद मौके पर स्थिति और तनावपूर्ण हो गई, जब ग्रामीणों ने एकत्र होकर न्यायालय कर्मियों के साथ हाथापाई एवं नोकझोंक की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल ने हस्तक्षेप किया और न्यायालय कर्मियो को सुरक्षित रूप से वहां से बाहर निकाला ।सूत्रो के अनुसार मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) एवं संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद वर्तमान में गांव में विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। प्रशासन द्वारा पूरे मामले की विधिसम्मत जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

जयनगर में शारदीय खरीफ महाअभियान 2026 के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

किसानो को आधुनिक कृषि तकनीक व योजनाओं की दी गई जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। शारदीय खरीफ महाअभियान 2026 के तहत जयनगर अनुमंडल कृषि पदाधिकारी कार्यालय परिसर में प्रखंड स्तरीय शारदीय खरीफ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानो को आधुनिक कृषि तकनीको, उन्नत बीजो, फसल प्रबंधन तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए जागरूक करना था ।कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सौरव कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राजीव रंजन,प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी नागेंद्र पूर्वे एवं कृषि पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर उपस्थित किसानो को शारदीय खरीफ फसलो की वैज्ञानिक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा जल संरक्षण के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई ।अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सौरव कुमार ने कहा कि किसानों को नई तकनीको और कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाना चाहिए। वहीं बीडीओ राजीव रंजन ने किसानों से सरकार द्वारा संचालित कृषि योजनाओं का लाभ लेने और आधुनिक कृषि पद्धतियो को अपनाने का आह्वान किया ।कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। मौके पर जदयू के प्रखंड अध्यक्ष राज कुमार सिंह, भाकपा माले के प्रखंड अध्यक्ष भूषण सिंह, रामजी यादव, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष धनुष लाल महतो, श्रवण कुमार, पूर्व मुखिया नरेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कृषि विभाग के कर्मी उपस्थित थे ।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों की समस्याओं को भी सुना गया तथा उनके समाधान के लिए कृषि विशेषज्ञो द्वारा आवश्यक सुझाव दिए गए। कृषि विभाग के अधिकारियो ने किसानों से वैज्ञानिक तरीके से खेती करने तथा सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे कृषि संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में किसानो को कृषि संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकी जानकारी से संबंधित सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

सहयोग शिविर में पहुंचे प्रभारी मंत्री, 30 दिनों में समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)। नरमा नवानगर पंचायत के नरमा स्थित पंचायत सरकार भवन में मंगलवार को आयोजित सहयोग शिविर में पथ निर्माण सह जिला प्रभारी मंत्री कुमार शैलेन्द्र ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को सामान्य कार्यों के लिए प्रखंड कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। उन्होंने बताया कि शिविर में प्राप्त शिकायतों का समाधान 30 दिनों के भीतर करने का प्रावधान है, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य जनता को बिचौलियों के चंगुल से बचाकर उनकी समस्याओं का सीधे समाधान करना है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा ही सम्मानजनक जीवन और समाज में प्रतिष्ठा का आधार है। सरकार ने पंचायत स्तर पर हाई स्कूल और प्रखंड स्तर पर डिग्री कॉलेज स्थापित कर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। इस दौरान भाजपा नेता संजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने गरीब उपभोक्ताओं की बिजली समस्या उठाते हुए कहा कि बिल भुगतान में देरी होने पर भीषण गर्मी में बिजली काटना उचित नहीं है। इस पर मंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में बिजली आपूर्ति बाधित न की जाए तथा बकाया राशि किस्तों में वसूल की जाए।

जयनगर चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने रेल मंत्री को भेजा मांग पत्र

रेलखंड दोहरीकरण व नई ट्रेनो के परिचालन की उठाई मांग

जयनगर। जयनगर चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा पूर्व मध्य रेल समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा को ई-मेल के माध्यम से एक मांग पत्र भेजकर दरभंगा-जयनगर रेलखंड के दोहरीकरण, जयनगर स्टेशन पर अतिरिक्त वाशिंग पिट निर्माण तथा विभिन्न ट्रेनों के विस्तार एवं नई रेल सेवाओं के परिचालन की मांग की है ।चेम्बर के अध्यक्ष बैधनाथ ठाकुर, महासचिव अनिल बैरोलिया, मुख्य सचिव पवन यादव, कार्यकारिणी अध्यक्ष नारायण बेसवाला एवं कोषाध्यक्ष ध्रुव नारायण साह ने संयुक्त रूप से बताया कि जयनगर भारत-नेपाल के बीच रेल संपर्क का महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्टेशन है। जयनगर-जनकपुरधाम रेल सेवा के माध्यम से प्रतिवर्ष लाखों भारतीय श्रद्धालु नेपाल स्थित जनकपुरधाम एवं पशुपतिनाथ मंदिर की यात्रा करते हैं, वहीं नेपाल के नागरिक भी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यापार के लिए इस रेल मार्ग का उपयोग करते हैं ।मांग पत्र में कहा गया है कि दरभंगा-जयनगर रेलखंड मिथिलांचल क्षेत्र की महत्वपूर्ण जीवनरेखा है, लेकिन अभी भी कई बड़े शहरों के लिए यहां से सीधी रेल सेवा उपलब्ध नहीं है। चेम्बर ने रेल मंत्रालय से अंतरराष्ट्रीय महत्व को देखते हुए रेलखंड के दोहरीकरण की स्वीकृति देकर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की है। साथ ही जयनगर स्टेशन पर अतिरिक्त वाशिंग पिट निर्माण की भी आवश्यकता बताई गई है, जिससे नई ट्रेनों के संचालन में सुविधा हो सके। चेम्बर ने दरभंगा-मैसूर बागमती एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, साबरमती एक्सप्रेस, गरीब रथ एक्सप्रेस तथा अमृत भारत एक्सप्रेस का विस्तार कर जयनगर से परिचालन शुरू करने की मांग की है। इसके अलावा जयनगर से न्यू जलपाईगुड़ी, तिनसुकिया (असम) तथा गोरखपुर मार्ग पर नई रेल सेवाएं शुरू करने का भी आग्रह किया गया है ।चेम्बर ने कहा कि जयनगर नेपाल सीमा से सटा संवेदनशील क्षेत्र है तथा यहां एसएसबी की महत्वपूर्ण बटालियनों का मुख्यालय भी स्थित है। ऐसे में क्षेत्र के विकास, यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को देखते हुए रेल आधारभूत संरचना का विस्तार आवश्यक है। संगठन ने रेल मंत्री एवं रेलवे प्रशासन से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल करने की अपील की है।

265 किसानों के बीच बोनस वितरण

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत महमदपुर सकडा. पंचायत में संचालित बंगरौटी जगन्नाथपुर दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति का दसवां बोनस वितरण समारोह आयोजित की गई। समारोह की अध्यक्षता श्रीमती विमल राय, एवं संचालन समिति के सचिव सुरेश यादव एवं दशरथ प्रसाद ने की। समझ में मुख्य अतिथि के रूप में मिथिला दुग्ध संघ के अध्यक्ष उमेश राय एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के प्रबंध निदेशक रविंद्र कुमार झा उपस्थित हुए। समारोह के माध्यम से 265 किसानों के बीच कुल 508142 रुपया बोनस वितरण किया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, बुधवार, 17 जून, 2026

डीएम-एसएसपी ने सुनीं जनता की समस्याएं सहयोग शिविर में त्वरित समाधान के दिए निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला।प्रशासन और पुलिस को आम जनता के और करीब लाने की दिशा में मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिले में ह्वसहयोग शिविरह्न का आयोजन किया। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि जिलाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से इसमें भाग लिया और आम लोगों से सीधे संवाद स्थापित किया। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं, शिकायतों और मांगों को अधिकारियों के समक्ष रखा। डीएम और एसएसपी ने प्राप्त आवेदनों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के निर्देश दिए। अधिकारियों ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उनकी हर समस्या पर संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ विचार किया जाएगा तथा जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन और पुलिस ने स्पष्ट किया कि आमजन की सुरक्षा, सुविधा और समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए वे पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। मुजफ्फरपुर पुलिस का कहना है कि बेहतर पुलिसिंग और सुशासन के लिए जनता से सीधा संवाद बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ऐसे सहयोग शिविरों का आयोजन आगे भी लगातार किया जाएगा, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान उनके द्वार तक पहुंचकर किया जा सके।यह सहयोग शिविर न केवल आम लोगों को राहत पहुंचाने का माध्यम बन रहा है, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच विश्वास और पारदर्शिता को भी मजबूत कर रहा है। अब देखना यह होगा कि शिविर में दिए गए निर्देश का जमीनी स्तर पर कितना और कितनी तेजी से प्रभाव दिखाई देता है।

मेंटेनेंस कार्य को लेकर भगवानपुर ग्रिड से जुड़े कई इलाकों में दो घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

मुजफ्फरपुर। जिला।विद्युत आपूर्ति प्रशाखा भगवानपुर के अंतर्गत 33 केवी भगवानपुर फीडर में आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के कारण 16 जून 2026 को सुबह 6:30 बजे से 8:30 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान भगवानपुर शक्ति उपकेंद्र से संचालित सभी 11 केवी फीडरों को बंद रखा जाएगा।विद्युत विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, निर्धारित अवधि में मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा, ताकि भविष्य में उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध विद्युत सेवा उपलब्ध कराई जा सके। कार्य के दौरान संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी।बिजली आपूर्ति बाधित रहने वाले क्षेत्रों में बिबीगंज, आनंदपुरी, गोविंदपुरी, गांधी नगर, आईजी कॉलोनी, साकेतपुरी, सुभाष नगर, नंदपुरी, अल्कापुरी, यादव नगर, गोबरसही, बजरंगपुरम, प्रभात तारा।

मुजफ्फरपुर हत्याकांडः डीआईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, एसएसपी ने एसआईटी गठित कर तेज की जांच

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर के कच्ची-पक्की क्षेत्र में हुई हत्या की घटना के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तिरहुत रेंज के पुलिस उप-महानिरीक्षक ने मंगलवार को घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी ली और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मामले के उद्भेदन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।इधर, हत्याकांड के शीघ्र खुलासे के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। रक्सा को मामले की हर पहलू से जांच कर अपराधियों तक पहुंचने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। वहीं, जांच को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और स्वान दस्ता भी सहायता ली जा रही है। पुलिस वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है, ताकि आम लोगों में विश्वास कायम रहे।

झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप इंजेक्शन लगने के बाद 6 वर्षीय बच्चे की मौत

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला। सरैया प्रखंड के रेपुरा गांव में एक छह वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों ने गांव के एक झोलाछाप डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद आरोपी क्लीनिक बंद कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान रेपुरा गांव निवासी राजकुमार पासवान के छह वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, करीब चार दिन पहले खेलते समय बच्चे को चोट लग गई थी। समय बीतने के साथ घाव में दर्द और संक्रमण बढ़ने लगा, जिसके बाद इलाज के लिए उसे गांव के ही एक कथित चिकित्सक के पास ले जाया गया।मृतक की मां मालती देवी ने बताया कि डॉक्टर ने उन्हें भरोसा दिलाया कि इंजेक्शन लगाने से घाव ठीक हो जाएगा। आरोप है कि इंजेक्शन दिए जाने के कुछ ही देर बाद बच्चे की हालत अचानक बिगड़ने लगी और वह बेहोश हो गया। परिजनों का कहना है कि इसके बाद बच्चे में कोई हलचल नहीं हुई और उसकी मौत हो गई।घटना के बाद परिजनों ने आसपास के लोगों को सूचना दी, लेकिन तब तक आरोपी डॉक्टर क्लीनिक बंद कर मौके से फरार हो चुका था। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिजनों के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। साथ ही फरार आरोपी की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चे की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की मां ने आरोप लगाया कि गलत इलाज और चिकित्सकीय लापरवाही के कारण उनके बेटे की जान चली गई। उन्होंने प्रशासन से दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दोहरीकरण परियोजना में लीची बागान अधिग्रहण से किसान नाराज

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर की प्रसिद्ध शाही लीची इस वर्ष बाजार में 300 से 400 रुपये प्रति सैकड़ा तक बिकी है। ऐसे में कांटी रेलवे स्टेशन के समीप स्थित लीची बागानों के भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। किसानों का आरोप है कि रेलवे विभाग दोहरीकरण परियोजना के लिए उनकी जमीन और लीची के पेड़ों का औने-पौने दाम पर अधिग्रहण कर रहा है। किसानों के अनुसार, कांटी रेलवे स्टेशन से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित उनके लीची बागान में दर्जनों फलदार पेड़ लगे हैं। रेलवे विभाग द्वारा करीब 11 डिसमिल भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, लेकिन निर्धारित मुआवजा बाजार मूल्य की तुलना में काफी कम है। किसानों का दावा है कि आसपास की निजी जमीनों की कीमत 30 से 40 लाख रुपये प्रति कट्ठा तक है, जबकि अधिग्रहण में इसका उचित मूल्य नहीं दिया जा रहा।भूमि मालिकों ने आरोप लगाया कि रेलवे प्रशासन हरे-भरे लीची के पेड़ों को काटने की चेतावनी देकर अधिग्रहण के लिए दबाव बना रहा है। उनका कहना है कि वे मामले को न्यायालय तक भी ले गए हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। किसानों ने बताया कि लीची की खेती ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है। वर्ष में एक बार लीची बेचकर ही वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ऐसे में बागान समाप्त होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। प्रभावित किसानों ने जिला प्रशासन, रेलवे विभाग और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि भूमि और लीची के पेड़ों का वैज्ञानिक एवं बाजार दर के अनुरूप उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही प्रभावित परिवारों के सदस्यों को रेलवे में रोजगार उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई है।धिग्रहण और

संदिग्ध परिस्थितियों में नवविवाहिता की मौत, पति और भाभी पर हत्या का आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला। कांटी थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। कांटी नगर परिषद के वार्ड संख्या 20 स्थित एक घर से सोमवार देर रात महिला का शव बरामद होने के बाद परिजनों ने पति और उसकी भाभी पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।मृतका की पहचान कांटी निवासी विकास कुमार की पत्नी श्वेता कुमारी के रूप में हुई है। सोमवार देर रात घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में उनका शव मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कांटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू कर दी।मृतका की मां ने बताया कि उनकी बेटी की शादी करीब डेढ़ वर्ष पूर्व पूरे रीति-रिवाज के साथ हुई थी। उनका परिवार सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया थाना क्षेत्र का रहने वाला है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही श्वेता को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों ने आरोप लगाया कि श्वेता के पति विकास कुमार के अपनी भाभी ममता के साथ अत्यधिक करीबी संबंध थे, जिसका श्वेता विरोध करती थी। इसी बात को लेकर घर में अक्सर विवाद और तनाव की स्थिति बनी रहती थी। मृतका की मां के अनुसार, घटना से कुछ घंटे पहले ही उनकी बेटी से फोन पर बातचीत हुई थी। बातचीत के दौरान श्वेता काफी परेशान और घबराई हुई लग रही थी। परिजनों का दावा है कि उस समय पति और उसकी भाभी फोन काटने का दबाव बना रहे थे। इसके बाद जब उनसे संपर्क नहीं हो सका तो परिजन कांटी पहुंचे, जहां उन्हें श्वेता की मौत की सूचना मिली।परिवार का आरोप है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या का मामला है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।मामले की जानकारी मिलने पर पश्चिमी एसडीपीओ सुचित्रा कुमारी ने बताया कि महिला की संदिग्ध मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। वहीं, पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल मामले की जांच हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है

भवन का फीता काटकर विधायक अजीत कुमार ने लोकार्पण किया

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला।कांटी नगर परिषद का यह भवन 1 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से नगर विकास विभाग द्वारा निर्मित किया गया है। इसमें अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कमरे और एक सामुदायिक हॉल की व्यवस्था है। आम लोग यहां शादी-विवाह, अन्य मांगलिक कार्य, बैठकें और संगोष्ठियां बहुत ही किफायती दरों पर आयोजित कर सकेंगे।इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह विधायक अजीत कुमार ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2021 में इस भवन की नींव रखी थी। आज इसका उद्घाटन करना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह भवन न केवल नगर वासियों बल्कि पूरे कांटी क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा।सम्राट अशोक भवन पूरी तरह से कैमरा की निगरानी में रहेगा और इसमें 24 घंटे सुरक्षा की व्यवस्था की गई है।सभापति दिलीप कुमार ने इसे नगर वासियों के लिए एक बड़ी सौगात बताया। उन्होंने कहा कि अब गरीबों को अपने किसी भी कार्यक्रम को कम दरों पर आयोजित करने में कोई झिझक नहीं होगी।इस अवसर पर उपसभापति अजय कुमार गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी आनंद कुमार विभूति, अंचलाधिकारी पिंटू कुमार, नगर कार्यपालक पदाधिकारी अजय कुमार सहित चंदन पांडे, संतोष पासवान, आनंद राज, नीरज कुमार, अमरेश कुमार, विनोद गुप्ता, शंकर महतो और सैकड़ों की संख्या में नगर वासी मौजूद रहे।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर माह होगा पंचायत विकास दिवस का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला।ग्रामीण विकास को नई गति देने तथा ग्राम पंचायतों को सतत विकास लक्ष्यों से जोड़ने के उद्देश्य से अब जिले की सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को ह्वपंचायत विकास दिवसह्न का आयोजन किया जायेगा। बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के आलोक में जिला पदाधिकारी ने सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों एवं संबंधित विभागों को कार्यक्रम की तैयारी, सहभागिता एवं सफल संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।पंचायत विकास दिवस का आयोजन प्रत्येक ग्राम पंचायत में पूर्वाह्न 10 बजे से 12 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संबंधित ग्राम पंचायत के मुखिया करेंगे, जबकि पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि, ग्राम सभा के सदस्य, पंचायत सचिव, विकास मित्र, जीविका समूह, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, आशा कार्यकर्ता तथा विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी इसमें भाग लेंगे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ह्वग्राम स्वराजह्न के सपने को साकार करने में ग्राम पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन के तहत पंचायतों को संवैधानिक अधिकार और दायित्व प्रदान किए गए हैं। ग्राम पंचायत ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण मंच है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए पंचायत विकास दिवस की शुरूआत की जा रही है ताकि पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की समीक्षा, जनभागीदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा मिल सके।पंचायत विकास दिवस में ग्राम पंचायत के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। पंचायत द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा आम नागरिकों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीण मिलकर विकास संबंधी प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श करेंगे तथा समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव देंगे। बैठक में सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत निर्धारित नौ प्रमुख विषयों पर विशेष चर्चा की जाएगी। इनमें गरीबी उन्मूलन, स्वस्थ पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल संरक्षण, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना, सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत, सुशासन तथा महिला हितैषी पंचायत जैसे विषय शामिल हैं। इन विषयों पर पंचायत स्तर पर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी और भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।सरकारी निर्देश के अनुसार पंचायत विकास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। पंचायत द्वारा संचालित योजनाओं, ग्राम पंचायत विकास योजना ग्राम स्वराज पोर्टल, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगी। पंचायत स्तर पर बेहतर कार्य करने वाली योजनाओं और नवाचारों को भी साझा किया जाएगा ताकि अन्य पंचायतें उनसे प्रेरणा ले सकें।कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है। सरकार का उद्देश्य है कि पंचायत विकास दिवस केवल एक औपचारिक बैठक न होकर ग्रामीण विकास का एक प्रभावी जनमंच बने, जहां आम नागरिक अपनी समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं सीधे पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के समक्ष रख सकें।दिशा-निर्देश के अनुसार पंचायत विकास दिवस के आयोजन से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पंचायत भवन, विद्यालय, सार्वजनिक स्थलों तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर सूचना चस्पा की जाएगी।

बरगद की डाली गिरने से टूटा बिजली खंभा

मुजफ्फरपुर। जिला।मुसहरी प्रखंड अंतर्गत डुमरी गांव से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। भगवती स्थान के पास सोमवार दोपहर करीब तीन बजे बरगद के पेड़ की बड़ी डाली गिरने से बिजली का खंभा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे क्षेत्र में बड़े हादसे की आशंका उत्पन्न हो गई है।स्थानीय लोगों के अनुसार, खंभा टूटने के बाद बिजली के तार खुले में लटक रहे हैं और उनमें अब भी करंट प्रवाहित हो रहा है। इससे आसपास के लोगों, खासकर बच्चों और मवेशियों की जान पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि घटना के कई घंटे बाद भी बिजली विभाग की ओर से स्थिति को दुरुस्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि समय रहते कार्रवाई नहीं होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों में भय का माहौल है और क्षेत्रवासियों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर क्षतिग्रस्त खंभे को बदलने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग से अविलंब हस्तक्षेप करने की अपील की है। उनका कहना है कि जब तक नया खंभा लगाकर तारों को सुरक्षित नहीं किया जाता, तब तक आम लोगों को इस मार्ग से दूर रहने की सलाह दी जाए।क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई अप्रिय घटना घट सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। फिलहाल ग्रामीणों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं।

प्रपत्र–1 का अंतिम प्रकाशन, जल्द जारी होगा आरक्षण रोस्टर

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला ।पंचायत चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रपत्र-1 का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है, जिसके साथ ही पंचायत चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आगे बढ़ गई है। अब इसी आधार पर पंचायत प्रतिनिधियों के विभिन्न पदों के लिए आरक्षण रोस्टर तैयार किया जाएगा।जानकारी के अनुसार, वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर प्रपत्र-1 का अंतिम प्रकाशन किया गया है। इसी आंकड़े के आधार पर मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य और जिला परिषद सदस्य समेत सभी पदों का आरक्षण निर्धारित होगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने दावा-आपत्ति के निपटारे के बाद अंतिम सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिया है। आयोग के पत्र के अनुसार प्रपत्र-1 में किसी भी प्रकार का संशोधन अथवा आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया सक्षम अधिकारियों की अनुशंसा और अनुमोदन के बाद ही पूरी की जाएगी।आयोग ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाएं पूरी कर अंतिम सूची आयोग के पोर्टल पर अपलोड करें। अंतिम प्रकाशन के बाद अब पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण रोस्टर जारी करने की कार्रवाई शुरू होगी।निर्वाचन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पंचायतों की जनसंख्या के अंतिम आंकड़े प्रकाशित होने के बाद विभिन्न पदों के आरक्षण निर्धारण का रास्ता साफ हो गया है। इसके बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित होने की संभावना भी बढ़ गई है।पंचायत चुनाव में आरक्षण निर्धारण को अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण प्रक्रिया माना जाता है। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए सीटों का निर्धारण संबंधित क्षेत्र की जनसंख्या के अनुपात के आधार पर किया जाता है, ताकि सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व मिल सके।इधर, पंचायत चुनाव को लेकर मल्टी पोस्ट ईवीएम के आवंटन की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिलों में वेयरहाउस चयन की प्रक्रिया चल रही है, जहां हैदराबाद से मंगाई जाने वाली ईवीएम को सुरक्षित रखा जाएगा। पंचायती राज विभाग के निदेशक ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों और एसएसपी को ईवीएम के भंडारण के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वेयरहाउस में 24 घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी कैम

मीनापुर अंचल कार्यालय में वर्षों से बंद बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम हुआ चालू

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला।मीनापुर अंचल कार्यालय में कई वर्षों से बंद पड़ा बायोमैट्रिक अटेंडेंस डिवाइस अब पुनः चालू कर दिया गया है। इसके शुरू होने से कार्यालय में कर्मचारियों की उपस्थिति व्यवस्था अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनने की उम्मीद है।जानकारी के अनुसार, लंबे समय से बायोमैट्रिक मशीन बंद रहने के कारण कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड पारंपरिक तरीके से दर्ज किया जा रहा था। अब डिवाइस के पुनः सक्रिय होने के बाद कर्मचारियों को अपनी उपस्थिति बायोमैट्रिक प्रणाली के माध्यम से दर्ज करनी होगी।अधिकारियों का मानना है कि बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम के संचालन से कार्यालय में समयपालन को बढ़ावा मिलेगा और कार्य संस्कृति में सुधार आएगा। साथ ही, इससे कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम जनता को भी बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम के पुनः चालू होने को प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रिजल्ट सुधार ठप, सैकड़ों छात्र परेशान

मुजफ्फरपुर। जिला।बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सिस्टम अपडेट के नाम पर रिजल्ट सुधार, अंकपत्र संशोधन और प्रिंटिंग कार्य ठप होने से छात्र-छात्राओं की परेशानी बढ़ गई है। पिछले कई दिनों से छात्र अपनी समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनके आवेदनों का निपटारा नहीं हो पा रहा है।जानकारी के अनुसार, स्नातक, पीजी और वोकेशनल पाठ्यक्रमों से जुड़े रिजल्ट सुधार एवं अन्य शिकायतों के सैकड़ों आवेदन लंबित पड़े हैं। कर्मचारियों ने सिस्टम अपडेट का हवाला देते हुए कार्य करने में असमर्थता जताई है।सोमवार को आयोजित छात्र संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखीं। मोतिहारी, सीतामढ़ी, वैशाली समेत विभिन्न जिलों से आए छात्र चिलचिलाती धूप में रिजल्ट सुधार के लिए पहुंचे, लेकिन कार्य नहीं होने से निराश दिखे।छात्रों की शिकायत सुनने के बाद प्रॉक्टर प्रो. आरके चौधरी और डीएसडब्ल्यू डॉ. आलोक प्रताप सिंह ने संबंधित अधिकारियों को लंबित आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। प्रॉक्टर ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज के छात्र संदेश कुमार ने शिकायत की कि उनके प्रथम सेमेस्टर के अंकपत्र में केवल रोल नंबर प्रदर्शित हो रहा है, जबकि अंक अंकित नहीं हैं। इसी कारण वे तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हो सके।वहीं, आरएमएलएस कॉलेज के छात्र आशीष कुमार ने आरोप लगाया कि उन्होंने सत्र 2022-25 के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा दूसरे छात्र के रजिस्ट्रेशन और क्रमांक पर दी, जिसके कारण उनका रिजल्ट जारी नहीं हो पा रहा है। छात्र संवाद में बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने टीआरई-4 भर्ती को देखते हुए जल्द रिजल्ट जारी करने की मांग की। उनका कहना है कि जुलाई में संभावित रिक्तियां आने से पहले परिणाम प्रकाशित होना आवश्यक है।इस बीच वैशाली के एक बीएड कॉलेज पर गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। एक छात्रा ने विश्वविद्यालय में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन ने अतिरिक्त 50 हजार रुपये की मांग की। राशि नहीं देने पर परीक्षा फॉर्म भरने से रोक दिया गया और शैक्षणिक दस्तावेज जब्त कर लिए गए।छात्रा ने बताया कि सत्र 2025-27 में बीएड में नामांकन के बाद वह पिछले चार महीनों से परेशान है।

मारवाड़ी युवा मंच क्रिकेट टूनार्मेंट में व्यायामशाला वॉल्व्स बनी चैंपियन

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला ।मारवाड़ी युवा मंच मुजफ्फरपुर शाखा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट का समापन रविवार देर रात रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। फाइनल मैच में व्यायामशाला वॉल्व्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुजफ्फरपुर लीजेंड्स को 21 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में व्यायामशाला वॉल्व्स ने शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। मैच के दौरान खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों की मौजूदगी ने माहौल को रोमांचक बना दिया। टूनार्मेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। विशाल बिनराजिका को बेस्ट विकेटकीपर, आयुष मोदी को बेस्ट बैट्समैन तथा अरमान नेमानी एवं शुभम मोटानी को संयुक्त रूप से बेस्ट बॉलर का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर टर्फ किंग की ओर से टूनार्मेंट के सफल आयोजन के लिए मारवाड़ी युवा मंच मुजफ्फरपुर शाखा के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। शाखा की ओर से विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।समापन समारोह में पवन ढंढारिया, गणेश डरौलिया, गोपाल नाथानी, संदीप तुलस्यान, संजय अग्रवाल और विक्रांत केजरीवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खेल भावना और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया।

शर्फुद्दीनपुर में मृतक किसान के परिजनों से मिले सांसद पप्पू यादव

मुजफ्फरपुर। जिला।शर्फुद्दीनपुर के चकहेलाल गांव में रात सांसद पप्पू यादव ने किसान हरेराम चौधरी उर्फ राजू चौधरी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने हत्या मामले में पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।सांसद पप्पू यादव ने कहा कि मंगलवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने राजू चौधरी के सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी, लेकिन घटना के छह दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 22 जून तक हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो समाहरणालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि मामले को लेकर उन्होंने एसएसपी से फोन पर बातचीत की है और अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। सांसद ने पीड़ित परिवार को 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की।इस अवसर पर प्रमोद यादव, संजय कुमार, गोपी चौधरी समेत कई स्थानीय लोग मौजूद थे। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

खाने का स्वाद पसंद नहीं आया तो गुरुग्राम में पत्नी को बेलन से पीट मार डाला, मुजफ्फरपुर का था परिवार

मुजफ्फरपुर। जिला ।साइबर सिटी गुरुग्राम के सेक्टर-93 इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शराबी पति ने खाने का स्वाद पसंद नहीं आने पर अपनी पत्नी की बेलन से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है, जबकि मृतका के छह मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान 36 वर्षीय मीना देवी के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति साहिब साहनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह परिवार मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के चैनपुर-मीनापुर गांव का रहने वाला है और वर्तमान में गुरुग्राम के सेक्टर-93 स्थित एक निमार्णाधीन भवन के पास झुग्गी बनाकर रह रहा था। दंपति मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।बताया गया कि रविवार देर रात करीब 12 बजे साहिब साहनी शराब के नशे में घर पहुंचा और खाना खाने बैठा। खाने का स्वाद पसंद नहीं आने पर पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते झगड़ा इतना बढ़ गया कि आरोपी ने आपा खो दिया और घर में रखे बेलन से पत्नी के सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में गंभीर रूप से घायल मीना देवी की मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया।प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि आरोपी को शराब पीने की लत थी और वह अक्सर घरेलू विवाद करता था। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं ताकि आरोपी को कड़ी सजा दिलाई जा सके।इस हृदयविदारक घटना ने एक परिवार को पूरी तरह तबाह कर दिया है। दंपति के छह बच्चे हैं, जिनमें तीन बेटियां और तीन बेटे शामिल हैं। सबसे बड़ा बेटा 15 वर्ष का है, जबकि सबसे छोटा बच्चा महज तीन साल का है। मां की मौत के बाद बच्चों का भविष्य अब अनिश्चितता के घेरे में है।स्थानीय लोगों का कहना है कि घरेलू हिंसा और शराब की लत कई परिवारों को बर्बाद कर रही है।

सिकंदरपुर सीढ़ीघाट पर अन्नसेवा कार्यक्रम

मुजफ्फरपुर। जिला ।वसुधा कल्याण आश्रम के अन्नसेवा प्रकोष्ठ ह्वतृप्तिह्न की ओर से सिकंदरपुर सीढ़ीघाट अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच सात्विक भोजन वितरित कर सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य पावन महाराज ने कहा कि अन्न केवल भोजन नहीं, बल्कि संस्कार है। जिस अन्न में श्रद्धा, शुद्धता और करुणा का भाव जुड़ जाता है, वह मानव जीवन में संवेदना, कृतज्ञता और आत्मीयता का संचार करता है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना ही सच्ची मानवता है।अन्नसेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और सेवा कार्य में सहयोग दिया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।इस अवसर पर मनोरमा, डॉ. अंजलि स्वरूप, डॉ. कौटिल्य स्वरूप, महंत राम लगन, अजय श्रीवास्तव, देवेश्वर कुमार, रमेश कुमार, राजकुमार, रोहित श्रीवास्तव ।

स्वर्ण व्यवसायी की हत्या, गोली मारकर बदमाश फरार, व्यापारियों में आक्रोश

मुजफ्फरपुर। जिला। बेखौफ अपराधियों ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। सदर थाना क्षेत्र के कच्ची-पक्की स्थित सुस्ता माधोपुर चौक पर हथियारबंद बदमाशों ने एक स्वर्ण व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।मृतक की पहचान माधोपुर निवासी 50 वर्षीय दीपक कुमार के रूप में हुई है, जो सुस्ता माधोपुर चौक के समीप आभूषण की दुकान चलाते थे। बताया जाता है कि कल वह चौक पर मौजूद थे, तभी बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों द्वारा चलाई गई दो गोलियां दीपक कुमार को लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनते ही चौक पर अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए।स्थानीय लोगों और परिजनों ने आनन-फानन में घायल व्यवसायी को इलाज के लिए बैरिया स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, अपराधियों की पहचान के लिए सुस्ता माधोपुर चौक और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला लूटपाट के विरोध या पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज हत्या के बाद स्थानीय स्वर्ण व्यवसायियों और दुकानदारों में भारी आक्रोश है।

सम्पादकीय

राम के नाम पर हजारों करोड़ रुपए के चंदे का घोटाला?

सोहिल जैन

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। कई दशकों तक चले आंदोलन, न्यायिक संघर्ष और जनसमर्थन के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। मंदिर आंदोलन और निर्माण से जुड़े आर्थिक प्रबंधन को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। लाल कृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के दौरान भी करोड़ों रुपए का चंदा एकत्रित हुआ था। राम मंदिर का आंदोलन विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में हो रहा था। समय-समय पर कई कार्यक्रमों के जरिए चंदा एकत्रित किया गया, लेकिन कभी भी इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। समय-समय पर चंदा चोरी और गबन के आरोप भी लगते रहे हैं। इन सवालों का संबंध मुख्य रूप से चंदा संग्रह, भूमि खरीद और मंदिर को मिलने वाले दान के उपयोग में कोई पारदर्शिता कभी नहीं रही है। जब आंदोलन चल रहा था उस समय जो राशि एकत्रित हो रही थी। उसे आंदोलन चलाने में खर्च किया गया। राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1980 के दशक से देशभर में व्यापक स्तर पर चंदा संग्रह के कई अभियान चलाए गए थे। लाखों लोगों ने पिछले 40 वर्षों में अपनी श्रद्धा के अनुसार राम मंदिर आंदोलन और राम मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। चंदे को लेकर समय-समय पर विश्व हिंदू परिषद कार्य सेवकों एवं आंदोलन से जुड़े हुए लोगों में विवाद होता रहा है। एक दूसरे के ऊपर आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। लेकिन कभी भी चंदे के धंधे में कोई पारदर्शिता नहीं बरती गई। उस दौर में जुटाई गई राशि और उसके उपयोग का सार्वजनिक लेखा-जोखा कभी सामने नहीं आया। आंदोलन से जुड़े संगठनों का कहना था, धन का उपयोग आंदोलन और संबंधित गतिविधियों में किया गया है। मंदिर निर्माण के लिए गठित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भी देश व्यापी निधि समर्पण अभियान चलाया। केंद्र एवं राज्यों में भाजपा की सरकार थी। भाजपा संगठन से जुड़े हुए सभी संगठनों के नेताओं कार्यकताओं एवं करोड़ों लोगों ने मुक्त हस्त से भरपूर चंदा दिया। ट्रस्ट ने विभिन्न अवसरों पर प्राप्त धनराशि और बैंक खातों की जानकारी सार्वजनिक की है। लेकिन इसका लेखा पुस्तिकाओं में इंद्राज हुआ है या नहीं या कभी इसका ऑडिट कराया गया हो वह सार्वजनिक नहीं किया गया। उत्तर भारत के मंदिरों में राम मंदिर में बड़े पैमाने पर दान और चंदा आ रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं। पारदर्शिता की मांग करने वाले लोगों का कहना है, नियमित और विस्तृत ऑडिट रिपोर्टें तथा व्यय का पूरा विवरण सार्वजनिक होना चाहिए। आरोप लगाने वाले यह भी कहने लगे हैं, भगवान राम के नाम पर लूट करने वालों के ऊपर लगाम लगाने की जरूरत है। सबसे बड़ा विवाद वर्ष 2021 में भूमि खरीद को लेकर सामने आया था। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और कुछ अन्य नेताओं ने दस्तावेज के साथ आरोप लगाया था। मंदिर ट्रस्ट से संबंधित भूमि सौदों में कम समय के भीतर जमीन की कीमत कई गुना बढ़ाकर दिखाई गई। आरोपों के समर्थन में कुछ दस्तावेज भी सार्वजनिक किए गए थे। सैकड़ो करोड रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए। ट्रस्ट ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था, सभी खरीद-फरोख्त कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा इन आरोपों की कभी कोई सक्षम एजेंसी से जांच नहीं कराई गई, जिसके कारण अब मामला तेजी के साथ तूल पकड़ रहा है। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या के विभिन्न मंदिरों और राम मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे में लगातार वृद्धि हुई है। बड़ी मात्रा में नकद दान, सोना-चांदी और मूल्यवान वस्तुएं मंदिर को प्राप्त हो रही हैं। ऐसे में दान के प्रबंधन, सुरक्षा और लेखांकन को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं। संस्था के पदाधिकारियों के ऊपर आरोप भी लग रहे हैं। कुछ स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है, इतने बड़े धार्मिक संस्थान में वित्तीय पारदर्शिता के सर्वोच्च मानकों का पालन होना चाहिए। दक्षिण के मंदिरों की व्यवस्था पारदर्शी है, वही अयोध्या के राम मंदिर में सब कुछ राम भरोसे है। राम मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन में पूर्व वरिष्ठ नौकरशाहों, विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी, तथा भाजपा से जुड़े प्रतिष्ठित प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका ट्रस्ट के कामकाज में है। जिसके कारण कभी भी ना तो कोई जांच हो पाती है ना ही कोई पारदर्शी व्यवस्था बन पा रही है।

बिखरती ख़्वाहिशें और हमारा कर्तव्य

डॉ योगेन्द्र

अभिजीत दीपके प्लांटेड हैं या फिर युवाओं के आक्रोश को शब्द देने आये हैं, मालूम नहीं, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने या जुलूस निकालने का पूरा हक है। अभिजीत दीपके पर थप्पड़ चलाने वाला खुद को राष्ट्रवादी बता रहा था। उसकी प्रोफाइल जब खँगाला गया तो वह आरएसएस से जुड़ा हुआ है। आरएसएस के राष्ट्रवाद मुसलमान और पाकिस्तान से शुरू होता है और उस पर खत्म हो जाता है। उनके अंदर खाने में जातिवाद की खिचड़ी पकती रहती है। यही वजह है कि उन्होंने कभी जातिवाद के खिलाफ संघर्ष नहीं किया। हिन्दू एकता की बात की, लेकिन यह एकता मुस्लिमों के खिलाफ रहेगी। अंदर ब्राह्मणों की सर्वोच्चता बनी रहेगी और दलितों की स्थिति दोयम दर्जे की रहेगी। उसमें इंसान को केंद्र में रख कर कभी संघर्ष नहीं किया। कहने को वह स्वदेशी है, लेकिन अपने संगठन को मुसोलिनी के संगठन के तर्ज.पर बनाया। बाकायदा हिंदू महासभा के नेता और आरएसएस के मार्ग दर्शक डॉ बी एस मुंजे ने 1931 में मुसोलिनी से मुलाकात की थी। यहां तक कि गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ह्य वी आर आवर नेशनहुड ह्व में जर्मनी और इटली के फासीवादी विचारों का समर्थन किया है। गांधी जी की हत्या गोडसे ने की। उसका संबंध आरएसएस से था, लेकिन इस संगठन ने कभी स्वीकार नहीं किया। आज एक फजी राष्ट्रवादी अभिजीत दीपके पर थप्पड़ मारता है, उसका संबंध भी आरएसएस से है, लेकिन आरएसएस कभी स्वीकार नहीं करेगा। यह इसलिए संभव है कि लिखित रूप से आरएसएस का कोई सदस्य नहीं है। मोहन भागवत भी शायद ही आरएसएस के लिखित रूप से सदस्य होंगे। उसका कोई सदस्यता फार्म नहीं है। लाठी पैना लेकर हजारों की संख्या में वे जमा होते हैं, मार्च करते हैं, लेकिन वे लिखित रूप से आरएसएस के नहीं हैं, इसलिए कोई जब आपराधिक घटना करता है, उससे पीछा छुड़ाना आसान है। यह धूर्तई कोई ईमानदार संगठन नहीं कर सकता। इसकी बुनियाद में ही बेईमानी और असत्य है, तब भला वह ईमानदार कार्यकर्ता कैसे पैदा करेगा? जिसका मकसद झूठ हो, वह राष्ट्रवादी कैसे हो सकता है? प्रधानमंत्री पीएम केयर फंड को यों ही छुपाए हुए नहीं हैं। उनका मातृ संगठन अरबों का खेल करता है, लेकिन कोई खाता- बही नहीं है। वह बीजेपी की सरकार चलाता है। सरकारी पैसे से बनी जेड सुरक्षा श्रेणी का उपभोग करता है, लेकिन आरएसएस सरकार को कोई हिसाब किताब नहीं देगा, क्योंकि वह व्यक्तियों का समूह है। शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक सभी को है- बीजेपी, कांग्रेस, सपा, अन्य कोई संगठन या व्यक्ति- सभी को। अभिजीत दीपके के पीछे लोग षड्यंत्र थ्योरी देखनेवाले लोगों की संख्या कम नहीं है, लेकिन उसे शांतिपूर्ण आंदोलन करने से कोई नहीं रोक सकता। दुर्भाग्य यही है जिस देश में अहिंसा के पुजारी को गोली मार कर लोग गौरवान्वित होते हैं, उस देश को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। मौजूदा परिस्थिति में सड़क पर उतरने के सिवा रास्ता क्या है? कोर्ट आप जा नहीं सकते। उससे कोई उम्मीद बची नहीं। विधायिका की लूट सरेआम हो रही है। वोट लूट से सांसद लूट तक। चुनाव आयोग बिका हुआ है। सरकार की इच्छानुसार वोटर काटे और बनाए जा रहे हैं। सेना तक का दुरुपयोग हो रहा है। कार्यपालिका तो हर वक्त सत्ता के साथ रहती ही है।आर्थिक आजादी की गारंटी संविधान ने दी नहीं थी। इसलिए पूँजीपतियों को देश लूटने की पूरी छूट है। एक राजनीतिक आजादी मिली थी, उस पर भी सरकार कब्जा कर रही है। अमेरिका के सामने कल जोड़े प्रधानमंत्री के बारे में अखबार लिखता है- थर थर काँप रहा है अमेरिका। ऐसे अखबार और मीडिया जिस देश में मौजूद रहे, उस देश की दुर्गति कोई नहीं रोक सकता। अगर इस दुर्गति को रोकना है तो सड़क पर उतरो या जो उतरे हुए हैं, उसका समर्थन करो।

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके। तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-ह्लज्ञान, मूल्य और चरित्रह्व है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है।

वर्क फ्रॉम होम - क्या घर से काम करने की संस्कृति युवाओं को बना रही है चिड़चिड़ा और अकेला?

महामारी समाप्त होने के बाद भी अनेक कंपनियों ने इस व्यवस्था को जारी रखा क्योंकि इससे कार्यालय खर्च कम हुए और कर्मचारियों को भी आने-जाने की परेशानी से राहत मिली। लेकिन अब धीरे-धीरे इसके दूसरे पहलू भी सामने आने लगे हैं। हाल ही में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका साइंस में प्रकाशित एक शोध ने दावा किया है कि वर्क फ्रॉम होम कर्मचारियों, विशेषकर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इस अध्ययन के अनुसार घर से काम करने वाले लोगों में अकेलापन, तनाव, चिंता और चिड़चिड़ापन तेजी से बढ़ रहा है। यह निष्कर्ष केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत सहित दुनिया के कई देशों में इसी तरह की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। यह अध्ययन अमेरिका के 5.80 लाख से अधिक कर्मचारियों पर किया गया। शोध का नेतृत्व येल विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की शोधकर्ता एम्मा जांग और रूरके ओ ब्रायन ने किया। शोधकताओं ने वर्ष 2011 से 2024 के बीच कर्मचारियों पर हुई पांच बड़ी स्टडीज का विश्लेषण किया।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

कोरोना महामारी ने दुनिया की कार्य संस्कृति को पूरी तरह बदल दिया। जिस वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) को कभी एक विशेष सुविधा माना जाता था, वह महामारी के दौरान लाखों लोगों की मजबूरी बन गया। महामारी समाप्त होने के बाद भी अनेक कंपनियों ने इस व्यवस्था को जारी रखा क्योंकि इससे कार्यालय खर्च कम हुए और कर्मचारियों को भी आने-जाने की परेशानी से राहत मिली। लेकिन अब धीरे-धीरे इसके दूसरे पहलू भी सामने आने लगे हैं। हाल ही में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका साइंस में प्रकाशित एक शोध ने दावा किया है कि वर्क फ्रॉम होम कर्मचारियों, विशेषकर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इस अध्ययन के अनुसार घर से काम करने वाले लोगों में अकेलापन, तनाव, चिंता और चिड़चिड़ापन तेजी से बढ़ रहा है। यह निष्कर्ष केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत सहित दुनिया के कई देशों में इसी तरह की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। यह अध्ययन अमेरिका के 5.80 लाख से अधिक कर्मचारियों पर किया गया। शोध का नेतृत्व येल विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की शोधकर्ता एम्मा जांग और रूरके ओ ब्रायन ने किया। शोधकताओं ने वर्ष 2011 से 2024 के बीच कर्मचारियों पर हुई पांच बड़ी स्टडीज का विश्लेषण किया। अध्ययन में उन कर्मचारियों की तुलना की गई जो पूरी तरह या आंशिक रूप से घर से काम करते हैं और उन कर्मचारियों की जो प्रतिदिन कार्यालय जाकर काम करते हैं। निष्कर्षों ने स्पष्ट रूप से दिखाया कि रिमोट वर्क करने वाले लोगों में मानसिक तनाव और सामाजिक अलगाव की समस्या अधिक पाई गई। शोध के अनुसार महामारी के बाद अमेरिका में मानसिक परेशानी के मामलों में जो वृद्धि हुई, उसका लगभग एक-तिहाई हिस्सा वर्क फ्रॉम होम संस्कृति से जुड़ा हो सकता है।मनुष्य मूल रूप से एक सामाजिक प्राणी है। वह दूसरों के साथ बातचीत, मेलजोल और सामाजिक संबंधों के माध्यम से मानसिक संतुलन बनाए रखता है। लेकिन जब कर्मचारी दिनभर घर के भीतर लैपटॉप और मोबाइल स्क्रीन तक सीमित रह जाते हैं, तो उनका सामाजिक संपर्क कम होने लगता है। शोध में पाया गया कि घर से काम करने वाले लोग हर कार्य दिवस में औसतन 1.1 घंटे अधिक अकेले बिताते हैं। इतना ही नहीं, उनके पूरे दिन घर से बाहर न निकलने की संभावना भी चार गुना अधिक होती है। कई कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे लगातार कई दिनों तक किसी मित्र, सहकर्मी या पड़ोसी से प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलते। परिणामस्वरूप वे अपनी भावनाएं साझा नहीं कर पाते और धीरे-धीरे मानसिक दबाव बढ़ने लगता है। वर्क फ्रॉम होम का प्रभाव सभी आयु वर्गों पर समान नहीं है। युवा कर्मचारियों पर इसका असर अपेक्षाकृत अधिक देखा गया है। इसके पीछे कई कारण हैं। युवा अपने करियर की शुरूआत में नेटवर्किंग, टीमवर्क और सामाजिक अनुभवों के माध्यम से सीखते हैं। कार्यालय का वातावरण उन्हें नए लोगों से मिलने, विचार साझा करने और पेशेवर कौशल विकसित करने का अवसर देता है। लेकिन जब पूरा काम ऑनलाइन हो जाता है, तो यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है। नए कर्मचारी अपने सहकर्मियों से भावनात्मक संबंध नहीं बना पाते। वे खुद को टीम का हिस्सा महसूस नहीं करते। इससे उनमें असुरक्षा और अकेलेपन की भावना बढ़ती है। यही कारण है कि अनेक युवा कर्मचारियों में चिड़चिड़ापन, तनाव और प्रेरणा की कमी देखने को मिल रही है। वर्क फ्रॉम होम का एक बड़ा नुकसान अत्यधिक स्क्रीन टाइम भी है। कार्यालय में काम करने के दौरान कर्मचारी सहकर्मियों से आमने-सामने बात करते हैं, बैठकों में भाग लेते हैं और बीच-बीच में कुछ समय के लिए अपनी सीट से उठते भी हैं। इसके विपरीत घर से काम करने वाले कर्मचारियों का अधिकांश समय लैपटॉप, मोबाइल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर बीतता है। लगातार स्क्रीन के सामने बैठने से आंखों पर दबाव पड़ता है, नींद प्रभावित होती है और मानसिक थकान बढ़ती है। आज जूम फटीगह्व या वीडियो मीटिंग थकानह्व एक नई समस्या बनकर उभरी है। लगातार ऑनलाइन मीटिंग्स में शामिल होने से मस्तिष्क पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे व्यक्ति जल्दी थक जाता है और उसका मूड खराब रहने लगता है। वर्क फ्रॉम होम का एक और बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि काम और निजी जीवन के बीच की सीमाएं मिटने लगती हैं। कार्यालय से घर लौटने के बाद व्यक्ति मानसिक रूप से काम से अलग हो जाता है। लेकिन जब घर ही कार्यालय बन जाए तो यह विभाजन समाप्त हो जाता है। कई कर्मचारी देर रात तक ईमेल देखते रहते हैं या कार्य संबंधी संदेशों का जवाब देते रहते हैं। परिणामस्वरूप उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। लंबे समय तक ऐसा होने पर तनाव बढ़ता है और व्यक्ति मानसिक रूप से थका हुआ महसूस करने लगता है। यह समस्या केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है। भारत में भी आईटी, सॉफ्टवेयर और बीपीओ क्षेत्रों में रिमोट वर्क व्यापक रूप से अपनाया गया है। डेलॉयट इंडिया, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस) तथा अन्य संस्थानों द्वारा किए गए अध्ययनों में भी इसी तरह के निष्कर्ष सामने आए हैं। भारत में किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, 35 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे अक्सर अकेलापन महसूस करते हैं। 47 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें वास्तविक दुनिया से कटाव महसूस होता है।

मिट्टी और खेती को बचाना आज की प्राथमिकता

सुशील देव

भारत की पहचान एक कृषि प्रधान देश के रूप में रही है। आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है और कृषि देश की खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत आधार बनी हुई है लेकिन जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, भूजल स्तर में गिरावट, रासायनिक उर्वरकों का असंतुलित उपयोग और मिट्टी की घटती उर्वरता ने खेती के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया राष्ट्रव्यापी ह्यखेत बचाओ अभियानह्व भारतीय कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान का मूल संदेश है—ह्लमिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश समृद्ध बनेगा।ह्व यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारतीय कृषि के भविष्य का सार है। खेती की सफलता मिट्टी की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। यदि मिट्टी की सेहत लगातार बिगड़ती रही, तो उत्पादन घटेगा, लागत बढ़ेगी और खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित होगी। इस दिशा में इंडियन पोटाश लिमिटेड मिट्टी के स्वास्थ्य और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। हरित क्रांति के बाद भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं, लेकिन इसके साथ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग भी तेजी से बढ़ा है। आरंभ में इससे उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, परंतु लंबे समय में इसके दुष्प्रभाव सामने आने लगे। देश के कई हिस्सों में मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ गया है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का असंतुलित उपयोग मिट्टी की प्राकृतिक क्षमता को प्रभावित कर रहा है। मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या घट रही है और जैविक कार्बन घट रहा है जिससे भूमि की जलधारण क्षमता घट रही है। फलस्वरूप किसानों को पहले से अधिक उर्वरक और खर्च करना पड़ रहा है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते मृदा उर्वरता सुधार हेतु प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में कृषि संकट और गहरा सकता है। यही कारण है कि ह्यखेत बचाओ अभियानह्व मिट्टी संरक्षण को कृषि विकास की आधारशिला मानता है। अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू सॉयल हेल्थ कार्ड को बढ़ावा देना है। अक्सर किसान अनुमान के आधार पर खाद का उपयोग करते हैं, जबकि हर खेत की मिट्टी तथा फसल की जरूरत अलग–अलग होती है। मिट्टी परीक्षण से यह पता चलता है कि खेत में किन पोषक तत्वों की कमी है और कितनी मात्रा में किन–किन पोषक तत्वों की आवश्यकता है। सॉयल हेल्थ कार्ड किसानों को यही वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करता है। इससे उर्वरकों का संतुलित उपयोग संभव होता है, खेती की लागत घटती है और मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। प्राकृतिक खेती और जैविक विकल्पों को बढ़ावा देना भी इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। गोबर की खाद, कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट और हरित खाद जैसे उपाय मिट्टी की जैविक गुणवत्ता सुधारने में मदद करते हैं। इनसे मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है और भूमि की उत्पादकता लंबे समय तक बरकरार रहती है। किसानों को इन तकनीकों का प्रशिक्षण देकर रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया जा रहा है।आज भारतीय कृषि के सामने जल संकट भी बड़ी चुनौती बन चुका है। कई राज्यों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और मानसून का स्वरूप भी अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे में खेती को जल संरक्षण से जोड़ना समय की मांग है। अभियान के तहत किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, वर्षा जल संचयन तथा कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इससे खेती अधिक टिकाऊ और संसाधन-कुशल बन सकेगी।डॉ पी.एस. गहलौत के मुताबिक आईपीएल द्वारा किसानों को बीज उपचार, संतुलित पोषण प्रबंधन, आधुनिक बुवाई तकनीक, फसल विविधीकरण और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त फसल एवं बीज चयन के बारे में भी बताया जा रहा है।किसानों की एक बड़ी समस्या नकली उर्वरकों और कीटनाशकों की बिक्री भी है। कई बार किसान महंगे दाम पर ऐसे उत्पाद खरीद लेते हैं, जिनसे अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते और इससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इससे बचने हेतु किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की पहचान और उनके सही उपयोग की जानकारी दी जा रही, और नकली उत्पादों के खिलाफ जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है। इंडियन पोटाश लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. पी. एस. गहलौत के मुताबिक संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जैविक खाद और सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रयोग से मिट्टी की सेहत में सुधार लाया जा सकता है।

जनकल्याण शिविरों में उमड़ी लोगों की भीड़, डीएम-एसएसपी ने पहुंचकर परखी व्यवस्थाएं

- सारण में सहयोग शिविरों का निरीक्षण, जिलाधिकारी बोले- हर आवेदन का हो गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले में आयोजित प्रखंड सहयोग-सह-जनकल्याण शिविरों एवं पंचायत स्तरीय सहयोग शिविरों में मंगलवार को लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण शिविरों में पहुंचे। इस दौरान जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने कई प्रखंडों और पंचायतों में पहुंचकर शिविरों का निरीक्षण किया तथा आम लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और शिकायतों की जानकारी ली। जिलाधिकारी और एसएसपी ने सबसे पहले नगरा प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित प्रखंड सहयोग-सह-जनकल्याण शिविर का निरीक्षण किया। यहां बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से बातचीत करते हुए अधिकारियों ने उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आधार सेवा केंद्र की व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने आधार सेवाओं एवं निर्धारित शुल्क की जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके बाद अधिकारियों ने खैरा पंचायत स्थित ग्राम कचहरी भवन में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण किया। यहां प्राप्त आवेदनों और उनके निष्पादन की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल देते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचनी चाहिए ताकि जरूरतमंद लाभुक योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने हेल्प डेस्क की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और कई आवेदकों से सीधे बातचीत की। मढ़ौरा प्रखंड के गौरा पंचायत सरकार भवन में आयोजित सहयोग शिविर में भी लोगों की अच्छी उपस्थिति रही।

अधिकारियों ने आवेदन पंजी का अवलोकन किया और निष्पादित मामलों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने स्वयं कई लोगों से आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मनरेगा भवन, हथिसार में आयोजित शिविर में भी ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। यहां लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन के निष्पादन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आम लोगों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही त्वरित रूप से किया जाए। मढ़ौरा प्रखंड कार्यालय में आयोजित प्रखंड स्तरीय शिविर में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जिलाधिकारी ने लोगों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। तरैया प्रखंड के डेवढ़ी पंचायत भवन में आयोजित सहयोग शिविर के निरीक्षण के दौरान भी लाभुकों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। नल-जल योजना के अनुरक्षकों के बकाया भुगतान से जुड़े मामलों पर जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। तरैया प्रखंड कार्यालय में आयोजित प्रखंड सहयोग-सह-जनकल्याण शिविर में स्थानीय विधायक की उपस्थिति में जिलाधिकारी ने कहा कि 16, 17 एवं 18 जून को जिले के सभी प्रखंडों में ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से पात्र लाभुकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

हैजलपुर में कटाव निरोधी कार्य का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण, 30 जून तक कार्य पूरा करने का सख्त निर्देश

छपरा। संभावित बाढ़ एवं नदी कटाव से प्रभावित क्षेत्रों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने मंगलवार को मकेर प्रखंड के हैजलपुर स्थित गंडक नदी तट पर चल रहे कटाव निरोधी कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं उपलब्ध संसाधनों का जायजा लेते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि कटाव निरोधी कार्य का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा पूरा किया जा चुका है। इस पर जिलाधिकारी ने शेष कार्यों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में 30 जून तक कार्य पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संभावित बाढ़ से पूर्व संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।कार्यस्थल पर श्रमिकों की संख्या की समीक्षा के दौरान 194 मजदूर कार्यरत पाए गए। जिलाधिकारी ने इस संख्या को अपर्याप्त बताते हुए संबंधित एजेंसी एवं अभियंताओं को श्रमिकों की संख्या कई गुना बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्य में तेजी लाने के लिए सभी आवश्यक संसाधन, मशीनरी एवं सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसएसपी ने स्थानीय ग्रामीणों से भी बातचीत कर चल रहे कार्य के संबंध में उनका फीडबैक लिया। ग्रामीणों ने कटाव रोकने के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कार्य शीघ्र पूरा करने की मांग की।

हसनपुर-बनिया-सगुनी तटबंध निर्माण का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

छपरा । सारण जिले में बाढ़ सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से चल रहे तटबंध निर्माण कार्यों की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने मंगलवार को तरैया प्रखंड के निमार्णाधीन हसनपुर-बनिया-सगुनी तटबंध परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेते हुए शेष कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। जल संसाधन विभाग द्वारा हसनपुर, बनिया एवं सगुनी के बीच लगभग 8.33 किलोमीटर लंबे नए तटबंध का निर्माण कराया जा रहा है। यह परियोजना क्षेत्र को संभावित बाढ़ के खतरे से सुरक्षित रखने तथा लोगों के जान-माल की रक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के तहत लगभग 7 किलोमीटर तटबंध निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य तीन अलग-अलग हिस्सों में तेजी से जारी है। निरीक्षण के दौरान मधोपुर पंचायत स्थित निमार्णाधीन भाग का अवलोकन करते हुए जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि शेष सभी कार्य 30 जून 2026 तक हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएं।

संक्षिप्त खबरें

वाहनों के टक्कर में दो की मौत

भेल्दी। टोटो- टेम्पो के टक्कर में दो की मौत कई घायल-प्राप्त सुचना के अनुसार परसा थाना क्षेत्र के सोनहों परसा मुख्य मार्ग पर तितरा गांव के पास स्थित जीवो पेट्रोल पंप के नजदीक टोटो और टेम्पो के जोरदार टक्कर में दो व्यक्ति की मौत हो गई कई गंभीर रूप से घायल हो गए ग्रामीणों के द्वारा परसा थाना को सुचित कर घायलों परसा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया,जहां चिकित्सक एक को मृत बताया मृत युवक की पहचान भेल्दी थाना क्षेत्र के अरना निवासी मुख्तार वारिस के 22वर्षीय पुत्र तनवीर वारिस के रुप में हुई ,दुसरा मृत व्यक्ति मढ़ौरा थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव का बताया जा रहा है ।परिजन से पूछ-ताछ करने पर पता चला कि तनवीर चेन्नई में रहकर प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर अपने परिवार का भरन-पोषण करता था वह बकरीद के मौके पर घर आया हुआ था त्योहार के बाद वह रविवार को फिर चेन्नई के लिए ट्रैन पकड़ने टेम्पो से पटना जा रहा था जैसे ही वह जीवो पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंचा सामने से आ रही टोटो से जोरदार टक्कर हो गई जिसमें तनवीर की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों के सुचना के तुरंत परसा थानाध्यक्ष एवं परिजन मौके पर पहुंचे पुलिस नें शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद जब परिजन शव को लेकर अरना पहुंचे बेटे का शव देखते ही तनवीर की मां एवं अन्य परिजन दहार मार विलाप करनें लगे जिससे वहां उपस्थित हुए अन्य लोगों की आखें नम हो गई। तनवीर की शादी नवंबर माह में होने वाली थी मृतक तीन भाईओं में सबसे छोटा था,मृतक का परिवार बहुत ही गरीब है आस-पड़ोस के लोगों ने बताया कि तनवीर ही कमा कर परिवार का भरण-पोषण करता था।

महाराजगंज की राजनीति में उभरता युवा चेहराः प्रमोद सिग्रीवाल

बिहार के महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र में इन दिनों एक युवा नाम तेजी से चर्चा में है। यह नाम है प्रमोद सिग्रीवाल का। वे महाराजगंज के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री के तीन पुत्रों में सबसे बड़े पुत्र हैं। उन्होंने पटना स्थित वाणिज्य महाविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है और लंबे समय से सामाजिक कार्यों के माध्यम से लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। प्रमोद सिग्रीवाल वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के राज्य परिषद सदस्य के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विशेष रूप से कोरोना महामारी के कठिन दौर में उनका कार्य क्षेत्र के लोगों के बीच चर्चा का विषय बना। उस समय जब हजारों लोग बिहार से बाहर विभिन्न राज्यों में फंसे हुए थे, तब उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता के लिए लगातार प्रयास किए। लोगों को सुरक्षित वापस घर पहुंचाने, प्रशासन से समन्वय स्थापित करने और संकटग्रस्त परिवारों तक मदद पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका बताई जाती है। महाराजगंज क्षेत्र के अनेक लोग बताते हैं कि यदि किसी युवा को शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा या अन्य जनहित से जुड़े कार्यों में सहायता की आवश्यकता होती है, तो प्रमोद सिग्रीवाल तुरंत सक्रिय होकर सहयोग करने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि क्षेत्र के युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। कई युवा उनके कार्यों और जनसंपर्क शैली से प्रेरणा लेने की बात करते हैं। राजनीतिक गलियारों में भी प्रमोद सिग्रीवाल को एक ऊजार्वान और सक्रिय युवा चेहरे के रूप में देखा जा रहा है। क्षेत्र के कुछ लोग यह इच्छा भी व्यक्त करते हैं कि भविष्य में वे विधानसभा चुनाव लड़ें और विधायक के रूप में जनता की सेवा करें। हालांकि, इस संबंध में उनकी ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

सीपीएस में शिक्षा मंत्री ने किया जिला स्तरीय एकता शिविर का उद्घाटन

- भारत स्काउट और गाइड के द्वारा पांच दिवसीय एकता शिविर का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। भारत स्काउट एवं गाइड, सारण के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय एकता शिविर-2026 का भव्य उद्घाटन मंगलवार को सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल, चांदमारी रोड, छपरा में बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री माननीय श्री मिथिलेश तिवारी के कर-कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाराजगंज के सांसद माननीय श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्काउट एवं गाइड कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत वंदे मातरम् एवं स्वागत गीत से हुआ। इसके पश्चात सीपीएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. हरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों एवं प्रतिभागियों का अभिनंदन किया तथा शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने स्काउट एवं गाइड संगठन की कार्यसंस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, सेवा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कैडेट्स को सदैव मानव सेवा के लिए तत्पर रहने और समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डीओसी अमन राज ने शिक्षा मंत्री से सरकारी विद्यालयों में स्काउट एवं गाइड गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। इस पर शिक्षा मंत्री ने पूर्ण सहयोग एवं आवश्यक पहल का आश्वासन दिया।

विशिष्ट अतिथि सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने भी स्काउट एवं गाइड कैडेट्स की कार्यसंस्कृति, अनुशासन एवं सेवा भावना की प्रशंसा की। उन्होंने कैडेट्स के साथ-साथ उनके अभिभावकों के योगदान को भी सराहनीय बताया। इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सारण जिले के 20 प्रखंडों से लगभग 500 स्काउट एवं गाइड प्रतिभागियों ने भाग लिया। समारोह का सफल संचालन एवं समन्वय सीपीएस के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय उप शिक्षा निदेशक श्री राजदेव राम, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री निशांत किरण, सीपीएस के प्राचार्य श्री मुरारी सिंह, जिला संगठन आयुक्त(स्काउट)अमन राज, श्री अश्विनी परमार, श्री प्रणव सिंह, सीपीएस कल्याणपुर की प्राचार्या श्रीमती अंजू सिंह, शिविर प्रधान श्री प्रमोद सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में जिला मुख्य आयुक्त श्री हरेंद्र प्रसाद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सफरनामाः किलकारियों का किला बना एसएनसीयू 95 फीसदी नवजात जीत रहे जिंदगी की जंग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। किसी अस्पताल की असली पहचान उसकी इमारत से नहीं, बल्कि वहां बचाई गई जिंदगियों से होती है। छपरा सदर अस्पताल का स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) इसकी एक जीवंत मिसाल बनकर उभरा है। आज जब यह इकाई अपने 10 वर्षों का सफर पूरा कर चुकी है, तो इसके साथ हजारों परिवारों की उम्मीदें, मुस्कानें और उन नन्हीं किलकारियों की कहानियां जुड़ी हैं, जिन्हें समय रहते उपचार मिला और जीवन की नई शुरूआत हुई। एक दशक पहले, वर्ष 2015 में जब सदर अस्पताल में एसएनसीयू की शुरूआत हुई थी, तब इसकी तस्वीर बिल्कुल अलग थी। एक जर्जर भवन, मात्र 8 बेड, सीमित संसाधन और बढ़ती मरीज संख्या के बीच स्वास्थ्यकर्मी नवजात शिशुओं को बचाने की जंग लड़ रहे थे। कई बार एक ही बेड पर दो-दो नवजातों को रखना पड़ता था। इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता था और मृत्यु दर भी अपेक्षाकृत अधिक थी। लेकिन आज वही एसएनसीयू आधुनिक संसाधनों, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के साथ नवजात शिशुओं के लिए जीवन की नई उम्मीद बन चुका है। जर्जर भवन से आधुनिक मातृ-शिशु अस्पताल तकः पिछले दस वर्षों में एसएनसीयू ने केवल स्थान नहीं बदला, बल्कि अपनी कार्यक्षमता और गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। अब यह इकाई सदर अस्पताल के मातृ-शिशु अस्पताल (एमसीएच) के आधुनिक भवन में संचालित हो रही है। यहां बेड की संख्या 8 से बढ़ाकर 18 कर दी गई है। सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि अब प्रत्येक नवजात को अलग बेड उपलब्ध कराया जाता है। पहले जहां जगह की कमी के कारण एक बेड पर दो बच्चों को रखना पड़ता था, वहीं अब ऐसी स्थिति नहीं आती। प्रत्येक बेड पर मल्टीपारा मॉनिटर, सिरिंज पंप, रेडिएंट वार्मर, फोटोथेरेपी यूनिट समेत अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। 24 घंटे शिशु रोग विशेषज्ञों की निगरानी और निर्धारित रोस्टर के अनुसार प्रशिक्षित स्टाफ नर्सों की तैनाती ने उपचार की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया है। हर महीने औसतन 130 से 140 नवजात शिशु यहां भर्ती होकर उपचार प्राप्त कर रहे हैं। 14 हजार से अधिक नवजातों को मिला उपचारः एसएनसीयू के प्रभारी ज्योति ऑइजक बताते हैं कि 1 मई 2016 से 31 मई 2026 तक कुल 14,246 नवजात शिशु इस इकाई में भर्ती हुए हैं। इनमें से 9,767 नवजात पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटे हैं। गंभीर स्थिति वाले कई बच्चों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर भी किया गया। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों की उम्मीदों की कहानी है, जिनके घरों में एसएनसीयू की वजह से किलकारियां गूंज सकीं।

सरकारी निर्देश के आलोक में तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग सह जन कल्याण शिविर का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बनियापुर। सरकार प्रायोजित जन कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रसार प्रचार ,समस्याओं का त्वरित निष्पादन को लेकर सरकारी निर्देश के आलोक में तीन दिवसीय जन सहयोग सह जन कल्याण शिविर प्रखंड मुख्यालय स्थित श्री कृष्ण मेमोरियल कक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी रमेंद्र कुमार की कुशल नेतृत्व में आयोजित की गई,जहां सभी तरह की सरकार प्रायोजित जन कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विभाग के कर्मी पदाधिकारी शामिल हुए,वही शिविर में स्वास्थ, कृषि, शिक्षा, विकास, आवास, आंगनबाड़ी, जन वितरण,वृद्धावस्था,भूमि ,राजस्व,जीविका सहित अन्य सभी क्षेत्र की योंजनाओं पर चर्चा की गई वही इन योजनाओं से संबंधित समस्याओं पर ऑन द स्पॉट समाधान भी किया गया,सरकार की इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम पर्व के पंचायतों के अलावा 16,17,18 जून को लगातार,समांतरूप से आयोजित कर समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया जाएगा।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्र हो या राज्य सरकार की सभी विकास योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना है।पूर्ण पारदर्शिता के साथ सबको लाभ मिले,अंतिम पात्र तक योजनाओं का लाभ मिल सके।इसी क्रम में कन्हौली मनोहर, सरेया पंचायत में जन सहयोग शिविर का आयोजन किया गया।मुख्यालय पर मौके पर जिला से ओ एस डी राहुल कुमार अंचलाधिकारी दीनानाथ कुमार चिकित्सा पदाधिकारी डा एम एम जाफरी,आर ओ इफ्तिखार आलम नाजिर सरफराज आलम कृषि पदाधिकारी अंकित प्रजापति सहकारिता पदाधिकारी ओम प्रकाश कुमार समन्वयक अब्दुल कयुम , चंदन कुमार ,जेई,सीडीपीओ,जीविका ,पशु पालन, विभाग सहित अधिकारियों के अलावा कई जन प्रतिनिधि,गणमान्य शमील हुए।

डॉ एस एन यादव को दी गई श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर। स्थानीय चट्टी के मशहूर चिकित्सक 75 वर्षीय डॉ स्वामीनाथ यादव को उनके श्राद्धकर्म पर श्रद्धांजलि दी गई।भारी संख्या में जूटे समाजसेवी आदि गणमान्य लोगों ने डॉ एस एन यादव को चिकित्सक के साथ समाजसेवी बताते हुए कहा कि आध्यात्म के साथ भजन कीर्तन भी डा यादव लिखते थे।मूल रुप से सारण जिले के मांझी थाना के भाठा मोहम्मदपुर गांव के निवासी डॉ यादव रसूलपुर चट्टी पर ही अपना प्रैक्टिस करते थे और नवादा पंचायत के चांड़वा गांव में अपना स्थायी निवास बना कर रहते थे।तीन पुत्र, दो पुत्रियां ,पत्नी व नाती पोते से भरा शिक्षित परिवार डॉ यादव ने छोड़ा है।उनके बड़े पुत्र अधिवक्ता ब्रजेश यादव ने श्रद्धांजलि देने पहुंचे आगंतुकों के प्रति कृतज्ञता जताई। श्रद्धांजलि देने वालों में शिक्षक रामबहादूर यादव,अनिल उपाध्याय, राजेश्वर यादव, रामेश्वर गोप आदि मुख्य रुप से मौजूद थे।

मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा निकाली गई

प्रात : किरण संवाददाता

गड़खा। प्रखंड के मीठेपुर छठ घाट स्थित हनुमान मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा और अखंड अष्टयाम को लेकर मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सैकड़ों महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जत्था विभिन्न गांवों का भ्रमण करते हुए गड़खा सूर्य मंदिर घाट पहुंचा। संत श्रीधर बाबा के शिष्य मुरारी स्वामी श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन करते नजर आए। यहां आचार्य कृष्णा बाबा, कमल दुबे और रंजन दुबे के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र गंगाजल भरा।इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में तारकेश्वर, रामप्रीत, सत्येंद्र, रामेश्वर, विजय, दिनेश, साहेब महतो, अखिलेश्वर साह, भोला साह, कन्हैया चौधरी, पवन, विकास, विवेक सहित अन्य ग्रामीणों ने सक्रिय सहयोग दिया।

कर्मकांड के प्रख्यात विद्वान और युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं मधुसूदन दूबे

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर (सारण)। सारण जिले के जलालपुर प्रखंड अंतर्गत दुबवलिया गांव निवासी मधूसूदन दूबे क्षेत्र के प्रख्यात कर्मकांड विद्वानों में गिने जाते हैं। धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के कारण उन्हें जिले में विशेष सम्मान प्राप्त है। मधुसुदन दूबे पूर्व में मध्य विद्यालय में अध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। शिक्षक जीवन के दौरान उन्होंने हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व समझाया और उनमें संस्कार एवं नैतिक मूल्यों का विकास किया। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे समाज के बीच सक्रिय रहते हुए लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। कर्मकांड और वैदिक परंपराओं के गहन जानकार मधुसूदन दूबे की पहचान एक विद्वान पुरोहित के रूप में भी है। बताया जाता है कि महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, जो पूर्व में बिहार सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में तीसरी बार सांसद के रूप में जनता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, उनके पुरोहित एवं आध्यात्मिक गुरु के रूप में भी मधुसूदन दुबे विशेष स्थान है। मिलनसार स्वभाव, मधुर वाणी और समाज सेवा की भावना से ओत-प्रोत मधुसूदन दूबे हर वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। वे युवाओं को शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और भारतीय संस्कृति से जुड़ने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। उनके अनुभवों और जीवन मूल्यों से सीख लेने के लिए बड़ी संख्या में युवा उनसे मिलने और मार्गदर्शन प्राप्त करने के इच्छुक रहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मधुसूदन दूबे केवल एक कर्मकांड विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी हैं। धार्मिक आयोजनों से लेकर सामाजिक कार्यों तक उनकी सक्रिय भागीदारी उन्हें क्षेत्र की एक सम्मानित और प्रेरणादायी हस्ती बनाती है। दुबवलिया गांव की इस विभूति ने अपने ज्ञान, सेवा और सरल व्यक्तित्व के बल पर समाज में जो प्रतिष्ठा अर्जित की है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेगी।

शिक्षा जगत के प्रेरणास्त्रोत स्वर्गीय बीरेंद्र सिंह को नम आंखों से दी गई श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर। क्षेत्र के सम्मानित एवं लोकप्रिय शिक्षक रहे स्वर्गीय बीरेंद्र सिंह के श्राद्ध कर्म के अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं ग्रामीणों ने पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि स्वर्गीय बीरेंद्र सिंह का पूरा जीवन बच्चों की शिक्षा, संस्कार और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा। श्रद्धांजलि सभा में प्रभु नाथ सिंह, सरपंच मनोज कुमार सिंह, जलालपुर बीससूत्री अध्यक्ष, पूर्व मुखिया विनोद सिंह, शिक्षक नेता दिनेश सिंह, मुखिया डब्ल्यू सिंह, कुमना के बबलू सिंह, आलोक सिंह, संतोष तिवारी (कुमना) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय बीरेंद्र सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय बीरेंद्र सिंह केवल एक शिक्षक नहीं थे, बल्कि वे नई पीढ़ी के मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत थे। उन्होंने अपने शिक्षकीय जीवन में हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा देकर समाज में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया। उनके पढ़ाए हुए छात्र आज विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर उनका नाम रोशन कर रहे हैं। उपस्थित लोगों ने कहा कि शिक्षक कभी मरते नहीं, वे अपने ज्ञान, संस्कार और अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों में सदैव जीवित रहते हैं। स्वर्गीय बीरेंद्र सिंह का स्नेह, अनुशासन और शिक्षण शैली आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। श्रद्धांजलि सभा का वातावरण भावुक रहा। सभी ने एक स्वर में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा और समाज उनके प्रति सदैव ऋणी रहेगा।

आस्था का केंद्र बना देवरिया का योगी बाबा स्थल, पकड़ी वृक्ष से जुड़ी हैं अनोखी लोकमान्यताएँ

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर प्रखंड के देवरिया ग्राम में स्थित योगी बाबा का प्राचीन पकड़ी वृक्ष आज भी क्षेत्रवासियों की आस्था, विश्वास और लोकपरंपरा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार यह स्थल वर्षों से श्रद्धालुओं की मनोकामनाओं की पूर्ति का प्रतीक माना जाता है और आसपास के अनेक गांवों के लोग यहां नियमित रूप से पूजा-अर्चना करने आते हैं। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि उनके पूर्वजों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां कभी हरलाल बाबा नामक एक संत का आश्रम हुआ करता था। हरलाल बाबा अपने तप, त्याग और जनसेवा के लिए क्षेत्र में प्रसिद्ध थे। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार उनके देहांत के बाद उनकी आत्मा इसी प्राचीन पकड़ी वृक्ष में निवास करने लगी। तभी से यह वृक्ष श्रद्धालुओं के लिए पूजनीय बन गया और लोगों ने इसे पकड़ी बाबा के नाम से पुकारना शुरू कर दिया।

ग्रामीणों के बीच प्रचलित लोककथाओं के अनुसार पूर्व समय में जब कोपा स्टेशन अथवा कोपा बाजार की ओर से देर रात कोई राहगीर अपने गांव लौटता था और रास्ते में भय महसूस करता था, तब वह पकड़ी बाबा का स्मरण करता था। लोगों का विश्वास है कि ऐसे समय में बाबा किसी न किसी रूप में उसकी सहायता करते थे और उसे सुरक्षित घर तक पहुंचाते थे। क्षेत्र के अनेक बुजुर्ग आज भी ऐसी घटनाओं का उल्लेख करते हैं और इसे बाबा की कृपा मानते हैं। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि आज भी जो व्यक्ति सच्चे मन और श्रद्धा के साथ पकड़ी बाबा के समक्ष अपनी मनोकामना व्यक्त करता है, उसकी इच्छा पूरी होती है। यही कारण है कि दूर-दूर से लोग यहां मत्था टेकने और पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं।

यह स्थल धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। विवाह के मौसम में यहां अष्टयाम, कथा, कीर्तन तथा विशेष पूजा-पाठ का आयोजन किया जाता है। लोगों की मान्यता है कि यहां पूजा करने से नवदंपतियों का वैवाहिक जीवन सुखमय एवं सफल होता है। इसी विश्वास के कारण विवाह से पूर्व अथवा विवाह के बाद नवविवाहित जोड़े यहां आशीर्वाद लेने आते हैं। देवरिया, अनवल, मुसहरी, बनकटा, धेनुकी, हंसुलाही तथा भेड़िहरवा टोला सहित आसपास के अनेक गांवों के ग्रामीणों के लिए यह स्थल प्रमुख पूजा केंद्र है। विभिन्न धार्मिक अवसरों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है और पूरा वातावरण भक्ति एवं श्रद्धा से सराबोर हो जाता है।

समय के साथ जहां आधुनिकता ने ग्रामीण जीवन में अनेक परिवर्तन लाए हैं, वहीं देवरिया का यह ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल आज भी लोकआस्था की जीवंत मिसाल बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि योगी बाबा और पकड़ी बाबा का यह स्थल केवल एक पूजा स्थल नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से इस ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के स्थल के संरक्षण तथा सौंदर्यीकरण की मांग की है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत और लोकविश्वास से परिचित हो सकें।

संक्षिप्त खबरें

मांगें पूरी नहीं हुईं तो मानसून सत्र में होगा विधानसभा घेराव : मंटू

आरा। बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ, भोजपुर इकाई के बैनर तले शिक्षकों ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष 11 सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु की अध्यक्षता में आयोजित धरने में शिक्षकों ने समय पर वेतन भुगतान, लंबित एरियर, प्रोन्नति, स्थानांतरण, ईपीएफ अद्यतन और पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग उठाई। मंटु ने कहा कि सरकार शिक्षकों की समस्याओं के समाधान में उदासीन है। मांगें पूरी नहीं होने पर मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव किया जाएगा। धरना के बाद शिक्षकों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

शाहपुर के गौरा गांव में सहयोग शिविर कार्यक्रम का हुआ आयोजन, लोगों ने रखी अपनी समस्या

शाहपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गौरा महथीन मंदिर के पास आज मंगलवार को सहयोग शिविर लगाया गया। बिहार सरकार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर चलाए जा रहे हैं। सहयोग शिविर को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं शिकायत और मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए आवेदन कर रहे हैं। गौरा पंचायत के मुखिया मनोज ठाकुर ने बताया कि सैकड़ो आवेदन शिविर में लोगों ने पदाधिकारी के समक्ष रखा। कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन भी कर दिया गया। उन्होंने बताया कि जीविका, बिजली विभाग, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य विभाग, लोहिया स्वच्छ मिशन ,पेंशन राशन कार्ड सहित अन्य विभाग के स्टाल लगाए गए थे जहां पर लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा। इस दौरान सरोज ठाकुर पवन ठाकुर अनिल ओझा मुकेश ठाकुर संजीव ठाकुर शंभू नाथ ओझा सुरेश तिवारी जनार्दन पांडे सहित अन्य मौजूद रहे

वीकेएसयू ने सेमेस्टर-7 नामांकन प्रक्रिया पर लगाई रोक

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) ने छात्रों की मांगों को ध्यान में रखते हुए सत्र 2023-27 के सेमेस्टर-7 नामांकन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। छात्र कल्याण विभाग द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि विभिन्न छात्रों की मांगों के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अगली सूचना जारी होने तक नामांकन प्रक्रिया स्थगित रहेगी। इस निर्णय से संबंधित छात्रों को फिलहाल नामांकन कराने के लिए इंतजार करना होगा।

गीधा में शराब सेवन के आरोप में युवक गिरफ्तार, जेल

कोईलवर। गीधा थाना पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए शराब सेवन के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि गीधा गांव निवासी जयमूरत पासवान के पुत्र कुंदन कुमार को शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद कुंदन कुमार की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच कराई गई, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। इसके बाद बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए थाना क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शराब पीने, रखने और बेचने वालों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से शराबबंदी कानून का पालन करने और अवैध शराब कारोबार की सूचना पुलिस को देने की अपील की।

आजीविका मिशन की महिलाओं ने मानदेय को ले डीएम को सौंपा आवेदन

आरा। जगदीशपुर नगर क्षेत्र में शहरी आजीविका मिशन से जुड़ी सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) महिलाओं का पिछले 12 माह से मानदेय भुगतान लंबित है। इससे उनके परिवारों के समक्ष भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई और इलाज जैसी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को नयका टोला स्थित रैन बसेरा परिसर में आयोजित सहयोग शिविर के दौरान सभी 14 सीआरपी महिलाओं ने जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया को आवेदन सौंपकर लंबित मानदेय के भुगतान की मांग की। सीआरपी महिलाओं ने बताया कि वे स्वयं सहायता समूहों के साथ लगातार कार्य कर रही हैं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद पिछले एक वर्ष से उनका मानदेय भुगतान नहीं किया गया है। जीविका कार्यालय द्वारा विभाग से आवंटन मिलने पर भुगतान का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन कई महीनों से स्थिति जस की तस बनी हुई है। सीआरपी कनक कुमारी, कविता पाठक, संगीता कुमारी, शाहिना बेगम, अर्चना कुमारी, माया देवी, सरिता देवी, राजशीला देवी, दुर्गावती कुमारी, प्रमिला देवी, प्रियंका देवी, उषा देवी, दुर्गावती देवी और माया देवी ने डीएम से मिल जल्द बकाया

शहीद वायु अग्निवीर दानिश आलम के परिजनों से मिले मंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। असम के जोरहाट में पिछले दिनों भारतीय वायुसेना के एएन-32 (एएन-32) विमान दुर्घटना में शहीद हुए देश के पांच वीर वायुयोद्धाओं में भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड अंतर्गत कायमनगर निवासी वायु अग्निवीर दानिश आलम भी शामिल थे। मातृभूमि की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद दानिश आलम के परिजनों से मिलने मंगलवार को बिहार सरकार के खान-भूतत्व एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार उनके पैतृक गांव पहुंचे। मंत्री ने शहीद के पिता मो. फारुख एवं अन्य परिजनों से मुलाकात कर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की तथा इस दुख की घड़ी में परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि अग्निवीर वायु दानिश आलम का बलिदान पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। राष्ट्र की रक्षा के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा। डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं हैं, बल्कि अपने साहस, समर्पण और बलिदान के कारण देशवासियों के दिलों में अमर हो जाते हैं। दानिश आलम ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है, जिसे देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूरा राष्ट्र उनके परिवार के साथ खड़ा है। मंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने शहीद दानिश आलम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बलिदान को नमन किया।

दिलीपपुर में आयोजित सहयोग शिविर में भोजपुर डीएम हुए शामिल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जगदीशपुर प्रखंड अंतर्गत दलीपपुर पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर का जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का अवलोकन कर आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं शिकायत निवारण की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों एवं शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक सरल एवं सुगम तरीके से पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभुकों के बीच आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आई.सी.डी.एस से संबंधित योजनाओं से संबंधित स्वीकृति पत्र तथा अन्य लाभ संबंधी दस्तावेजों का वितरण किया गया। लाभुकों ने सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान पंचायत के मुखिया पिंकी देवी ने पंचायत में विकास से संबंधित डीएम को आवेदन दिया। इसमें पंचायत में हाई मास्क लाइट, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नाला निर्माण सहित अन्य मांग शामिल है। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि और पैक्स अध्यक्ष विजय सिंह उर्फ अंजू सिंह ने कहा कि पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों के करने के लिए डीएम को आवेदन दिया है उन्होंने आश्वासन दिया है। इस मौके पर जगदीशपुर एसडीएम संजीत कुमार एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा प्रखंड विकास पदाधिकारी क्रांति कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी तौकीर कीबिरिया प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अमृता कुमारी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी ज्योति कुमारी सहित अन्य मौजूद रहे।

गलवान के वीर शहीद चंदन कुमार की मनाई गई शहादत दिवस

शाहिद के भाई ने प्रतिमा लगाने और तोरण द्वार के निर्माण की रखी मांग

आरा। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सेना के वीर सपूत, शहीद चंदन कुमार का मंगलवार को शहादत दिवस उनके पैतृक गांव जगदीशपुर के ज्ञानपुरा में मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों ने शहीद की शहादत को नमन किया और उनके शौर्य को याद किया। शहीद चंदन कुमार का जन्म एक देशभक्त परिवार में हुआ था। उनके पिता हृदयानंद सिंह स्वयं होमगार्ड के जवान रह चुके हैं, जिनसे चंदन को देश सेवा की प्रेरणा मिली। चंदन कुमार वर्ष 2017 में बिहार रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। वे चार भाइयों में सबसे छोटे थे। अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उन्हें पहली पोस्टिंग लद्दाख की दुर्गम गलवान घाटी में मिली थी। वर्ष 2020 में चीन के सैनिकों के साथ हुई हिंसक झड़प के दौरान चंदन ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश की सीमाओं की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। शहीद के बड़े भाई, सूबेदार देव कुमार ने इस भावुक अवसर पर सरकार और प्रशासन से अपनी मांगें दोहराईं। उन्होंने कहा कि शहीद चंदन की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए। उनके नाम पर एक भव्य तोरण द्वार बनाया जाए, जो आने वाली पीढ़ियों को उनके बलिदान की याद दिलाता रहे।आरा के जीरो माइल का नाम बदलकर शहीद चंदन कुमार चौक रखा जाए। उक्त चौक पर शहीद चंदन कुमार की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि उनका सम्मान सदैव बना रहे।शहादत दिवस के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने शहीद चंदन की वीरता को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि शहीद चंदन न केवल ज्ञानपुर गांव के गौरव हैं, बल्कि पूरे बिहार और देश की शान हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि शहीद के परिवार की मांगों पर जल्द से जल्द सकारात्मक कार्रवाई की जाए।

बड़हरा में तीन पंचायतों में लगे सहयोग शिविर में 127 आवेदन प्राप्त

●राजस्व, वृद्धा पेंशन और राशन कार्ड से जुड़े मामलों की रही अधिकता, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। आम लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सहयोग अभियान के तहत बुधवार को बड़हरा प्रखंड कार्यालय, बभनगांवा एवं पश्चिमी बबूरा पंचायत में विशेष सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याओं और योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा किए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित शिविर में 33 आवेदन, बभनगांवा पंचायत के चातर स्थित पंचायत सरकार भवन में 49 आवेदन तथा पश्चिमी बबूरा पंचायत में 45 आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार तीनों शिविरों में कुल 127 आवेदन दर्ज किए गए। प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहित भारद्वाज ने बताया कि शिविर में सबसे अधिक आवेदन राजस्व, वृद्धा पेंशन एवं राशन कार्ड से संबंधित प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सभी आवेदनों के त्वरित निष्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि लाभुकों को समय पर सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान हो।इस दौरान पश्चिमी बबूरा पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण डीसीएलआर आयुष अनंत ने किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लाभुकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाना है, ताकि ग्रामीणों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड एवं जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। शिविरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उनके लंबित मामलों का निष्पादन भी किया जा रहा है। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर ऐसे शिविरों के आयोजन से उन्हें काफी सुविधा मिल रही है और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सरल हुई है।

गड़हनी : 146 आवेदन प्राप्त, 35 मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन

गड़हनी। बिहार सरकार के निर्देश के आलोक में मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बलिगांव स्थित प्लस टू जनता उच्च विद्यालय तथा नगर पंचायत गड़हनी के न्यू प्राथमिक विद्यालय, उत्तरपट्टी परिसर में जिला प्रशासन द्वारा सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन जमा कर अपनी शिकायतें एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। बीडीओ अर्चना कुमारी एवं नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी वरूण कुमार दूबे ने बताया कि शिविर में ग्राम पंचायत बलिगांव क्षेत्र से 119 तथा नगर पंचायत गड़हनी क्षेत्र से 27 आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल 146 आवेदन जमा किए गए। प्राप्त आवेदनों में से 35 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर लाभुकों को राहत प्रदान की गई। शिविर में सबसे अधिक आवेदन सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से संबंधित प्राप्त हुए। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, शौचालय निर्माण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, श्रमिक कार्ड, कृषि, स्वास्थ्य, कल्याण एवं अन्य विभागों से जुड़ी समस्याओं और योजनाओं के लाभ के लिए भी आवेदन दिए गए।अधिकारियों ने बताया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित कर दिया गया है तथा उनके शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक महेश पासवान प्रखंड विकास पदाधिकारी अर्चना कुमारी, अंचलाधिकारी दीपा कुमारी, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी वरूण कुमार दूबे आदि ने लाभूको के बीच योजनाओं का वितरण किया।मौके पर कल्याण पदाधिकारी, बीसी, कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, मोबाइल वेटनरी डॉक्टर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान का भरोसा दिलाया।

कोईलवर के तीन पंचायतों में लगा सहयोग शिविर

●धनडीहा शिविर के निरीक्षण में पहुंचीं एसडीएम लाभुकों से संवाद कर योजनाओं की प्रगति जानी

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को कोईलवर प्रखंड की धनडीहा, भदवर एवं जलपुरा पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं, आवेदन प्राप्त किए तथा कई योजनाओं के लाभुकों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया। तीनों पंचायतों में आयोजित शिविरों से कुल 340 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके निष्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी वीर बहादुर पाठक ने बताया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में राजस्व, आपूर्ति, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायती राज, आवास, शिक्षा, पीएचईडी समेत विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आवेदन भी लिए गए। धनडीहा पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर का अनुमंडल पदाधिकारी शिप्रा विजयकुमार चौधरी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लगभग 40 विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का बारीकी से अवलोकन किया और आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। एसडीएम ने आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, मनरेगा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों से बातचीत कर योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति जानी। इस दौरान पात्र लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड और राशन कार्ड का वितरण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ ग्रामीणों ने नल-जल योजना के अनुरक्षण मद की राशि खाते में नहीं आने तथा संबंधित आवेदन स्वीकार नहीं किए जाने की शिकायत एसडीएम से की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवेदन प्राप्त करने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सहयोग शिविर केवल आवेदन लेने का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच है। इसलिए प्राप्त प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए और लाभुकों को योजनाओं से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और प्रशासन इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। शिविर में बीडीओ वीर बहादुर पाठक, सीओ प्रियंका कुमारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी कुणाल राज, कृषि पदाधिकारी राजेश कुमार, कल्याण पदाधिकारी आकाश कुमार, आपूर्ति पदाधिकारी मनीषा सिंह, पंचायत सचिव चंदन कुमार, पीएचईडी के कनीय अभियंता चंदन कुमार, कार्यपालक सहायकों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

जगदीशपुर के सहयोग शिविरों में पहुंचे डीएम योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी

आरा। आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ सुलभ कराने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित सहयोग शिविरों का मंगलवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जगदीशपुर प्रखंड की दलीपपुर पंचायत एवं नगर पंचायत जगदीशपुर के नया टोला स्थित रैन बसेरा परिसर में लगाए गए शिविरों का जायजा लेकर विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली, शिकायत निवारण व्यवस्था और योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का अवलोकन किया तथा शिविर में पहुंचे ग्रामीणों और लाभुकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने, आवेदन के निष्पादन और प्रशासनिक सेवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कई लाभुकों ने शिविर के माध्यम से एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं मिलने पर संतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सहयोग शिविर सरकार और जनता के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाते हुए पंचायत स्तर पर ही विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन और शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पात्र लाभुकों के बीच आयुष्मान भारत कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, आईसीडीएस योजनाओं से संबंधित स्वीकृति पत्र तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभ संबंधी दस्तावेज वितरित किए। लाभ प्राप्त करने वाले लोगों ने सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सहयोग शिविर में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, कृषि, विद्युत, पेयजल, आवास सहित विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए थे। यहां लोगों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने, आवेदन प्राप्त करने, शिकायतों के समाधान तथा आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई थी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें और जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही का परिचय दें।

खेग्रामस सदस्यता अभियान को सफल बनाने की रणनीति

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के बुरबानी गांव में मंगलवार को भाकपा-माले प्रखंड कमेटी एवं सक्रिय सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा (खेग्रामस) के सदस्यता अभियान को सफल बनाने तथा आगामी आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रखंड क्षेत्र में 25 हजार नए सदस्यों को जोड़कर खेग्रामस के सदस्यता अभियान को सफल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इसके साथ ही ग्रामीण गरीबों, खेत मजदूरों और भूमिहीनों को संगठित कर 24 जून को कोईलवर प्रखंड कार्यालय पर हृदाम बांधो, काम दोह्व अभियान के तहत जोरदार प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और गरीबों के आवास एवं भूमि संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। सरकार को गरीबों, दलितों, मजदूरों और किसानों के मुद्दों पर गंभीरता से पहल करनी चाहिए। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भूमिहीन परिवारों के लिए जमीन उपलब्ध कराने तथा सरकारी भूमि पर बसे गरीबों के पुनर्वास की दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। नेताओं ने मांग की कि सभी भूमिहीन परिवारों को आवासीय एवं कृषि योग्य भूमि उपलब्ध कराई जाए तथा किसी भी गरीब परिवार को उजाड़ने से पहले उसके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक जनआंदोलन चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक में कई नेता मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों की हुई जांच

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के बीरमपुर गांव में मंगलवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उत्कर्ष वेलफेयर फाउंडेशन एवं रामकृष्ण सेवाश्रम अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया।बीरमपुर बाजार स्थित लक्ष्मी पूजा स्थान के समीप आयोजित शिविर में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों की जांच की गई। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक सलाह दी। जांच के दौरान कई गंभीर रोगियों की पहचान की गई, जिन्हें आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं तथा बेहतर उपचार के लिए उचित परामर्श भी दिया गया।शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने तथा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस तरह के शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इससे जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क जांच, परामर्श और दवा की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही है। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना संस्था का उद्देश्य है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम जारी रखने की बात कही। मौके पर वीरेंद्र प्रसाद, सतीश कुमार सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वीकेएसयू में स्नातक नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा ने स्नातक स्तर पर नामांकन के लिए समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार स्नातक नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया गया है। छात्र कल्याण अध्यक्ष द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि समर्थ पोर्टल पर स्नातक नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि अब 18 जून 2026 की रात्रि 11:59 बजे तक निर्धारित की गई है। यह निर्णय उन विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है जो किसी कारणवश अब तक आवेदन नहीं कर सके थे।विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि यह तिथि विस्तार अंतिम अवसर है और भविष्य में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। इसलिए सभी इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना ऑनलाइन आवेदन पूरा करने की सलाह दी गई है। यह सूचना वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के अंतर्गत आने वाले सभी अंगीभूत, संबद्ध एवं नव-स्थापित महाविद्यालयों के प्राचार्यों को भेजी गई है, ताकि वे इसे अपने-अपने संस्थानों के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करें और विद्यार्थियों तक इसकी जानकारी पहुंचा सकें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदन से वंचित छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे शीघ्र ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, क्योंकि निर्धारित तिथि के बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा और किसी भी प्रकार के विलंबित आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिले के 42 पंचायतों में सहयोग शिविर, 4,852 आवेदन प्राप्त

डीएम ने शीघ्र डिजिटलीकरण और समयबद्ध निष्पादन का दिया निर्देश

●प्री-कैंप के 90 प्रतिशत से अधिक मामलों का हुआ निपटार

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के 42 पंचायतों में मंगलवार को आयोजित सहयोग-सह-जनकल्याण शिविर में आम लोगों की समस्याओं के समाधान और सरकारी योजनाओं के लाभ उपलब्ध कराने के लिए बड़े पैमाने पर आवेदन प्राप्त किए गए। शिविरों के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कुल 4,852 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निष्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदनों का शीघ्र डिजिटलीकरण सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका निष्पादन किया जाए, ताकि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि सहयोग-सह-जनकल्याण शिविर का उद्देश्य सरकारी सेवाओं और योजनाओं को आमजन तक सुलभ एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि शिविरों के आयोजन से पूर्व आयोजित प्री-कैंप के दौरान जिलेभर से कुल 4,172 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 90 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। उन्होंने शेष लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण का भी निर्देश दिया। डीएम ने जिलेवासियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन ऑनलाइन माध्यम से भी दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए बिहार सरकार द्वारा विकसित सहयोग पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है, जिससे लोगों को घर बैठे आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध है।

नए डिग्री कॉलेजों में उर्दू और मैथिली की पढ़ाई होगी शुरू, एनएसएस-एनसीसी को भी मिलेगा बढ़ावा

आरा। बिहार के नवसृजित 211 डिग्री महाविद्यालयों में आगामी शैक्षणिक सत्र से उर्दू और मैथिली विषयों की पढ़ाई शुरू की जाएगी। यह निर्णय राज्य में उच्च शिक्षा के विस्तार और क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है। राज्यपाल सह कुलाधिपति सैयद अता हसनैन ने इन विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एक जुलाई से नए डिग्री कॉलेजों में जिन विषयों की पढ़ाई शुरू होने जा रही है, उनमें हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र के साथ अब उर्दू और मैथिली को भी शामिल किया जाएगा। इससे छात्रों को अपनी मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषाओं में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से भाषाई विविधता को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय संस्कृति के संरक्षण में भी सहायता मिलेगी।राज्यपाल सचिवालय के मुताबिक, इन महाविद्यालयों में केवल शैक्षणिक गतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को दिए गए हैं। इससे छात्रों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित होगी। इसके अलावा, बिहार के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू करने की दिशा में भी तेजी से काम किया जा रहा है। भविष्य में एनएसएस का नया सिलेबस चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के चौथे सेमेस्टर में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) के तहत लागू किया जाएगा। यह व्यवस्था छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और सामाजिक अनुभव प्रदान करने में सहायक होगी।राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के इस कदम को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे न केवल शिक्षा का दायरा बढ़ेगा, बल्कि छात्रों को अपनी भाषा, संस्कृति और समाज से जुड़ने का बेहतर अवसर भी प्राप्त होगा।

बड़हरा में स्थायी वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बड़हरा। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र में लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार वारंटी की पहचान पिंटू पांडेय, पिता स्वर्गीय देवनाथ पांडेय, निवासी लक्ष्मीपुर, थाना सिन्हा (भोजपुर) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सिन्हा थाना पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है और कानून से बचने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सीएम ने अत्याधुनिक एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र का किया शिलान्यास

170 करोड़ की लागत से विकसित होगा यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्र

■ प्रतिवर्ष 7,000 से अधिक युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।बिहार में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एम एस एम ई क्षेत्र को नई गति प्रदान करने तथा युवाओं के लिए उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज गया जिले के खिजरसराय में अत्याधुनिक एम एस एम ई प्रौद्योगिकी केंद्र का शिलान्यास किया गया है।

इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं भारत सरकार के केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने संयुक्त रूप से केंद्र का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया है।

लगभग ₹170 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इस अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्र के लिए बिहार सरकार द्वारा 20 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। यह केंद्र राज्य में तकनीकी कौशल विकास, औद्योगिक नवाचार एवं उद्यमिता संवर्धन का प्रमुख केंद्र बनेगा।प्रस्तावित एम एस एम ई प्रौद्योगिकी केंद्र प्रतिवर्ष 7,000 से अधिक युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करेगा। साथ ही 1,000 से अधिक एम एस एम ई इकाइयों को अत्याधुनिक तकनीकी सहायता, परीक्षण सुविधाएं, डिजाइन एवं उत्पाद विकास सहयोग तथा अन्य आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे स्थानीय उद्योगों की उत्पादकता एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि होगी तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रौद्योगिकी केंद्र गया सहित पूरे बिहार में औद्योगिक विकास, कौशल संवर्धन, नवाचार और रोजगार सृजन का नया केंद्र बनेगा तथा विकसित बिहार के निर्माण को नई गति प्रदान करेगा। पिछले वर्षों में बिहार में एम एस एम ई क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति की है। एम एस एम ई इकाइयों की संख्या लगभग 6 लाख से बढ़कर 46 लाख से अधिक हो चुकी है तथा करोड़ों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।बिहार सरकार औद्योगिक विकास, कौशल उन्नयन और रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि प्रौद्योगिकी केंद्र भविष्य में आसपास के क्षेत्रों के युवाओं, उद्यमियों और एम एस एम ई इकाइयों को नई तकनीकी, कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा तथा प्रदेश के एम एस एम ई क्षेत्र को नई तकनीक, कौशल विकास, नवाचार और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उद्योग मंत्री ने कहा कि गया में स्थापित हो रहा यह अत्याधुनिक एम एस एम ई प्रौद्योगिकी केंद्र बिहार के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा देने वाला निर्णायक कदम है। यह केंद्र हमारे युवाओं को अत्याधुनिक कौशल से सशक्त करेगा और एम एस एम ई क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा। हम स्पष्ट रूप से बिहार को एक मजबूत औद्योगिक हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां स्थानीय उद्यम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी मजबूत पहचान बनाएंगे और आत्मनिर्भर बिहार का लक्ष्य तेजी से साकार होगा।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, कृषि मंत्री, बिहार सरकार एवं गया के प्रभारी मंत्री श विजय कुमार सिन्हा, उद्योग सह खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, एम एस एई मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री भारत खेड़ा, उद्योग विभाग के सचिव सह बीडा एवं आइडीए के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार, निदेशक एम एस एम ई एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री अमन समीर, वरिष्ठ अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे हैं।

महाविद्यालय की नींव में छुपा है बाला बाबू का त्याग : प्राचार्य डॉ. नजीर अख्तर

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के प्रांगण में आज मगध के शैक्षणिक पुनर्जागरण के स्वर्णिम युग के सूत्रधार, प्रखर न्यायविद् एवं महान शिक्षा-मनीषी स्वर्गीय रमावल्लभ प्रसाद सिंह ह्यबाला बाबू की पुण्यतिथि अत्यंत श्रद्धा, आदर और गरिमामयी माहौल में मनाई गई है। यह पावन स्मृति समारोह महाविद्यालय के ह्यस्वामी विवेकानंद सभागार में संपन्न हुआ है, जिसमें शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और कर्मठ सहयोगियों की गहरी वैचारिक और भावनात्मक सहभागिता देखने को मिली है।इस कार्यक्रम का शुभारंभ अत्यंत भावुक क्षणों के साथ हुआ है। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सम्मुख प्रतिष्ठित ह्यबाला बाबूह्न की भव्य प्रतिमा पर प्राचार्य, वरिष्ठ प्राध्यापकों एवं शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन किया गया है। उपस्थित जनसमूह ने मगध के इस अमर सपूत के चरणों में शीश नवाकर उनके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता ज्ञापित की। पुष्पों की सुगंध और धूप की अगरु-गंध में वह पावन प्रतिमा और भी दीप्तिमान प्रतीत हो रही थी—मानो बाला बाबू स्वयं मुस्कुराते हुए अपने प्रिय संस्थान के इस समर्पण को आशीर्वाद दे रहे हों।

प्रतिमा पूजन के उपरांत सभी मुख्य अतिथि और प्रतिभागी स्वामी विवेकानंद सभागार में एकत्रित हुए हैं। इस कार्यक्रम के आरंभ में हिंदी विभाग के सह. प्राध्यापक सह परीक्षा नियंत्रक डॉ. उमा शंकर सिंह ने अपनी विशिष्ट साहित्यिक विधा में ह्यबाला बाबूह्न के विराट व्यक्तित्व और ऐतिहासिक कृतित्व पर स्व रचित अत्यंत मर्मस्पर्शी छंदोबद्ध काव्यात्मक प्रस्तुति दी है। उनकी इस साहित्यिक रचना ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया और सभागार बाला बाबू की पावन स्मृतियों के आलोक से दीप्त हो उठा है।समारोह को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के कर्मयोगी प्राचार्य डॉ. नजीर अख्तर ने बाला बाबू के जीवन-दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके शब्दों में वह गहराई थी जो केवल तब आती है जब वक्ता जो कह रहा हो, उसे अपने भीतर भी जीता हो। प्राचार्य ने कहा, ह्यआज अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज जिस भव्य स्वरूप में खड़ा है, उसकी एक-एक ईंट के पीछे बाला बाबू का कड़ा अनुशासन, निष्काम त्याग और अटूट संकल्प छुपा है। किसी भवन की नींव को हम देख नहीं सकते, किंतु उसी नींव की दृढ़ता पर पूरा भवन खड़ा होता है। बाला बाबू इस संस्थान की वही अदृश्य, किंतु अजेय नींव हैं। वे केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि न्याय और शिक्षा की एक चलती-फिरती संस्था थे—एक ऐसी संस्था जो कभी अवकाश नहीं लेती थी।ह्न प्राचार्य ने यह भी कहा कि बाला बाबू का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जब कोई मनुष्य अपने व्यक्तिगत सुख-वैभव से विमुख होकर समाज और शिक्षा की सेवा को ही अपना धर्म मान लेता है, तो वह इतिहास में अमर हो जाता है। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी से बाला बाबू के सिद्धांतों और विधिक-अकादमिक आदर्शों को केवल स्मरण नहीं।

संक्षिप्त खबरें

मगध विश्वविद्यालय में दिवंगत कर्मी भोला यादव की स्मृति में शोक सभा आयोजित

गया जी ।मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति कार्यालय के समक्ष आज विश्वविद्यालय परिवार की ओर से एक शोक सभा का आयोजन किया गया है। इस शोक सभा की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. (डॉ.) दिलीप कुमार केशरी ने की है। सभा में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में कार्यरत दिवंगत कर्मी स्वर्गीय भोला यादव के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई है। ज्ञातव्य है कि प्रशासनिक भवन में कार्यरत स्वर्गीय भोला यादव का निधन दिनांक 15 जून 2026 को हो गया था। उनके निधन से विश्वविद्यालय परिवार में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। उसी दिन उनके पैतृक स्थान पर अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। उनके परिजनों से सूचना प्राप्त होने के उपरांत विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आज औपचारिक शोक सभा का आयोजन किया गया है। शोक सभा में उपस्थित सभी शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं शिक्षकेतर कर्मियों ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यवाहक कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी ने कहा कि स्वर्गीय भोला यादव विश्वविद्यालय के एक कर्मठ, अनुशासित एवं समर्पित कर्मी थे। उन्होंने अपने सेवाकाल में निष्ठा और ईमानदारी के साथ विश्वविद्यालय की सेवा की। उनका निधन विश्वविद्यालय परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रो. केशरी ने दिवंगत कर्मी के शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा विश्वविद्यालय परिवार उनके साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोक सभा में कुलानुशासक प्रो. के. डी. पी. वर्मा, महाविद्यालय निरीक्षक (विज्ञान) प्रो. विजय कुमार वर्मा, शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुबोध कुमार, महासचिव दीपक कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, पदाधिकारी एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय भोला यादव के व्यक्तित्व एवं कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। सभा के अंत में विश्वविद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों के कल्याण की कामना करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया है।

बेलागंज विधायिका सुचित्रा रंजनी ने सड़क दुर्घटना के मृतक परिजनों को आर्थिक सहायता दिया

गया जी ।नगर प्रखंड चंदौती के गन्नू बिगहा गांव में सड़क दुर्घटना में दादी एवं पोती की हुई दर्दनाक मौत के बाद पीड़ित परिवार से मिलने नगर प्रमुख सुचिता रजनी एवं बेलागंज की विधायक मनोरमा देवी पहुंचीं है। इस दौरान प्रखंड प्रशासन के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे हैं ।बताया जाता है कि गन्नू बिगहा निवासी परिवार के सदस्य राजगीर मलमास मेला घूमने गए थे। वापस लौटने के क्रम में हुई सड़क दुर्घटना में परिवार की दादी एवं पोती की मृत्यु हो गई थी। इस घटना से गांव में शोक का माहौल है ।पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर नगर प्रमुख सुचिता रजनी एवं बेलागंज विधायक मनोरमा देवी ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी है। नगर प्रमुख द्वारा पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता के रूप में 20-20 हजार रुपये के दो चेक प्रदान किए गए हैं। नगर प्रमुख ने आश्वासन दिया कि सरकार के प्रावधान के अनुसार सड़क दुर्घटना में मृत दोनों व्यक्तियों के आश्रित परिवार को चार-चार लाख रुपये की मुआवजा राशि दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ० पिंटू कुमार को आईएनसीए बिहार चैप्टर के संयोजक की जिम्मेदारी मिली

प्रात : किरण संवाददाता

बोधगया, बिहार ।गया जी ।स्नातकोत्तर भूगोल विभाग, मगध विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ० पिंटू कुमार को इंडियन नेशनल कार्टोग्राफीक एसोसिएशन आई एन सी ए के बिहार चैप्टर का संयोजक बनाया गया है। यह नियुक्ति बिहार में कार्टोग्राफी, जियोस्पेशियल विज्ञान तथा भू-स्थानिक तकनीकों के विकास एवं प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आई एन सी ए मुख्यालय, हैदराबाद से यह जिम्मेदारी मिलने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ० पिंटू कुमार ने कहा कि मेरी सक्रियता, पूर्व के अकादमिक उपलब्धियां तथा माता पिता, सहयोगियों तथा गुरुजनों के आशीर्वाद से यह दायित्व मिली हैं ' मेरा प्रमुख लक्ष्य बिहार में आए एन सी ए के आजीवन सदस्यों को बढ़ाना तथा गतिविधियों को सुदृढ़ रूप से स्थापित करना एवं राज्य के शिक्षण संस्थानों, शोधकताओं, सरकारी विभागों एवं पेशेवर विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाना होगा ।डॉ० कुमार ने कहा कि बिहार चैप्टर का उद्देश्य केवल कार्टोग्राफी एवं जियोस्पेशियल तकनीकों के प्रचार-प्रसार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विभिन्न विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, सरकारी विभागों तथा आए एन सी ए की महत्वपूर्ण सहयोगी संस्थाओं- सर्वे आफ इंडिया , नेशनल एटलस थीमैटिक मैपिंग ऑगेर्नाइजेशन भारतीय राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण तथा इसरो के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर संयुक्त कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण, संगोष्ठियाँ एवं शोध गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी तथा बिहार में एक मजबूत एवं विकसित जियोस्पेशियल नेटवर्क का निर्माण किया जाएगा।

श्रेयसी सिंह ने कहा : न राजनीति,न निशानबाजी,विरासत में मिली है संस्कार

बिहार में बढेगा उद्योग का सृजन,हर लोगों को रोजगार देने का हमारी सरकार का वचन है : श्रेयसी सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। गया सेन्ट्रल बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के 64 वी वार्षिक आमसभा के शुभारंभ के पहुची बिहार सरकार के लोकप्रिय मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि उन्हें किसी पद की लालसा नही की जिंदगी में,लेकिन परिवार के लोग पोलिटिकल जुड़ाव जरुर लगी कि मेरी मा पुतुल देवी सांसद रही और मेरे पिता जी राष्ट्रीय नेशनल राइफल एसोशिएशन के अध्यक्ष भी रहे हैं। बहुत लोग कहते हैं कि आपको तो निशेनाबाजी और राजनीतिक दोनो विरासत में मिली है, लेकिन आप सभी गया वासियों को को स्पष्ट बता दू कि न तो मुझे राजनीति और न ही मुझे निशानबाजी विरासत में मिली,अगर मुझे कुछ विरासत मिला तो वह है पिता स्व दिग्विजय सिंह व मा पुतुल कुमारी का संस्कार,आज उन्हीं के संस्कार के साथ में राजनीति में आई हू मेरे जमुई विधानसभा श्रेत्र है जहा भाजपा कभी भी नही जीती थी पर जमूई की जनता का आभार व्यक्त करती हू की मुझे 2020 मे 41 हजार वौटो देकर सदन भेजने का काम किया था।2025 में दुसरी बार 54 हजार सात सौ वोटो से जीत दिलाकर मुझे सदन भेजने का काम किया है।

आगे बताया कि गया में उधोग जगत के कयी बढे बढे काम किए जा रहे हैं।डोभी में 13 सौ एकड में इंटीग्रिटेड मैन्युफैक्करिंग सिटी बनने जा रहा है जहा पर हर चिजो का मैन्युफैक्करिंग होगा,इस सभा में उन्होंने गया जिला के डीआईसी एवं बीआईएडीए के जीएम को सख्त निर्देश दिए कि अगले हफ्ते या जुलाई में सेन्ट्रल बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ आइएमसी की बैठक में बुलाए एवं साथ में बैठक किजीए।इन लोगों का सुझाव भी ले, इनके सुझाव को मेरे पास वाइस नोट बनाकर मंत्रालय को भेजे। सिंगल विंडो सिस्टम पर भी बिहार में डिले की बात सुनते थे। लाइसेंस के लिए अक्सर फाइल अटक जाती थी पर अब उधोग विभाग फाइल को अप्रूवल के लिए जो भी सबमिट करेगा तो तिस दिन के अंदर उन्हें लाइसेंस मिल जाएगा।अगर 30 दिन के अंदर लाइसेंस नही मिला तो 31 वा दिन ओटोमेटिक प्राप्त हो जाएगा।

उद्योग विभाग में दलालों पर करवाई करने के लिए मंत्री सख़्त

इस समारोह में मंत्री श्रेयसी सिंह ने गया जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि समय समय पर मोरटेनिग आवश्यक है। जानकारी मिलती है कि कुछ पार्टिकुलर लोगो के माध्यम से ही सिर्फ उनका एप्लिकेशन लिए जा रहे हैं इसकी सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं।

एक आदमी बार बार उधोग विभाग कार्यालय क्यु आ रहा है उस पर करवाई कीजिए कि वह अपना काम कराने आता है या अपना पोकेट भरने,हम किसी भी हालत में करप्शन को टालरेट नही करेगे, कोई भी गड़बड़ी करे तो मुझे अवश्य सुचना दे।

संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में एक दिवसीय प्रदेश,जिला स्तरीय फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन की गया में बैठक आयोजित

■ प्रत्येक जिला से पांच-पांच विक्रेता को शामिल करने की हुई बात

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में जिला एवं प्रदेश स्तरीय सम्मेलन गया जी में एन एच 82 गया नवादा रोड में खटकाचक बाईपास रोड स्थित सिंह मार्केट के हौल में किया गया है ।जिसकी अध्यक्षता गया जिला के जिला अध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह के द्वारा किया गया एवं सभा का संचालन जिला महामंत्री डॉ विजय कुमार यादव के द्वारा किया गया है ।इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि नालंदा जिला के चंडी प्रखंड के वरिष्ठ जन वितरण प्रणाली विक्रेता अनशनकारी अम्बिका यादव ने भाग लिया है ।साथी साथ बिहार प्रदेश के कई जिला के जिला अध्यक्ष,सचिव एवं सक्रिय विक्रेतागण के साथ साथ ,गया जिला के सभी अनुमंडल के अनुमंडल अध्यक्ष सचिव एवं प्रखंड अध्यक्ष,सचिव एवं सक्रिय विक्रेताओं के साथ सम्मेलन में1000हजारों विक्रेताओं उपस्थित हुए हैं ।सभा के संबोधित करते हुए गया जिला के जिला अध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह ने जन- वितरण के गांधी अंबिका यादव को संपूर्ण बिहार में संयुक्त मोर्चा के संचालन हेतु मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए अंबिका यादव का नाम बिहार प्रदेश के संयोजक के रूप में करने का प्रस्ताव गया जिला के जिला अध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह के द्वारा संयोजक बनाए रखने का प्रस्ताव रखा गया है ।जिसका समर्थन सभा में उपस्थित सभी जन वितरण विक्रेताओं ने एक स्वर से सर्वसम्मति से पारित किया गया है ।मुख्य अतिथि के रूप में अंबिका यादव ने सभा को संबोधित करते हुए प्रत्येक जिला में संयुक्त मोर्चा का गठन शीघ्र करने पर बल दिए हैं जिसमें कम से कम प्रत्येक जिला से पांच-पांच विक्रेता को शामिल करने की बात कहा गया है ।जिसमें गया जी जिला को संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद पर महेंद्र कुमार सिंह एवं महामंत्री पद पर डॉ विजय कुमार यादव को सभा में उपस्थित सभी विक्रेता की सहमति से सर्व समिति से घोषणा किया गया है ।इसके साथ ही साथ संपूर्ण बिहार में संयुक्त मोर्चा जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक विस्तारित करने एवं बिहार प्रदेश के कार्यों को निपटारा करने के लिए भी दोनों नेताओं के नाम की घोषणा अंबिका बाबू के द्वारा किया गया है बैठक में सभा को संबोधित करते हुए सभी जिला अध्यक्षों एवं सचिव से गुटबाजी व्यवस्था को समाप्त करने एवं जिला एवं प्रदेश स्तर पर चरण वध तरीका से आंदोलन कर सरकार के समक्ष लंबित मांगों में निम्नलिखित प्रस्ताव का पारित पर बल दिया गया है ।जिसमें जिला अध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह के द्वारा संगठन के मजबूती एवं विक्रेताओं के हित में 1 से 11 प्रस्तावो को पढ़कर सुनाया गया जिसमें 30000 मानदेय दिलाने , अनुकंपा मैं उम्र सीमा की बाध्यता को समाप्त करने की , माप तौल नवीकरण निःशुल्क करने , अनुज्ञप्ति नवीकरण को कैंप लगाकर करने ,दुकान संचालक हेतु बिजली बिल एवं दुकान का किराया कम भुगतान सरकार के स्तर से कराया जाए । मार्जिन मनी बकाया शीघ्र भुगतान करने एवं बिहार सरकार द्वारा सितंबर माह 2025 से बढ़ाया गया 47 रुपए मार्जीन मनी को शीघ्र भुगतान करने आदि हैं।

16 से 18 जून 2026 तक प्रत्येक जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रखंड सहयोग सह जनकल्याण शिविर का किया जा रहा है आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।जनहित को प्राथमिकता देते हुए तथा आम नागरिकों तक सभी सरकारी योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 16 से 18 जून 2026 तक प्रत्येक जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रखंड सहयोग सह जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गया जिले के टनकुप्पा, गुरुआ, गया टाउन, टिकरी, गुरारू, मोहरा सहित सभी 24 प्रखंडों में आज से इस शिविर का शुभारंभ हुआ है। शिविर में सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को योजनाओं से संबंधित जानकारी, सहायता और समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराया जा रहा है।

जीविका द्वारा इन शिविरों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ाव, समूह ऋण, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना, सतत जीविकोपार्जन योजना, दीदी अधिकार केंद्रों अंतर्गत समस्या का सामधान, लखपति दीदी योजना, आदि से संबंधित शिकायतों और समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) के स्टॉल पर प्रखंड परियोजना प्रबंधक एवं जीविकाकर्मी उपस्थित रहकर नागरिकों को योजनाओं से जुड़ी हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

शिविर के प्रथम दिन बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और जीविका स्टॉल पर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया है। इसके साथ ही, उन्होंने वर्तमान में संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं उनके संभावित लाभों की विस्तृत जानकारी हासिल की है।

ऊब-भरूब में सहयोग शिविर हुई आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। प्रखण्ड के ऊब एवम भरूब मे सहयोग शिविर आयोजित की गई। ऊब मे सहयोग शिविर की अध्यक्षता पूर्व मुखिया अभिमन्यु शर्मा ने किया। जब की संचालन मनरेगा पदाधिकारी रजनीश शेखर ने की। शिविर मे बड़ी संख्या मे लोग पहुंचकर समस्याओं के समाधान के लिए अपना आवेदन जमा किया। ऊब के उपेंद्र प्रसाद ने कहा कि मेरे बेटा का नाम राशन कार्ड से हटा दिया गया है। जिस पर त्वरित करवाई करते हुए,वे जांच कर बनाने का भरोसा दिलाया। अंचल शिविर मे भी रामजी प्रसाद संतोष कुमार शेष सिंह समेत कई लोगों ने परिमार्जन हेतु आवेदन दिया। कर्मियों के द्वारा भरोसा दिलाया कि निर्धारित समय पर आपका परिमार्जन को कर दिया जाएगा। शिविर मे पहुंचे ओबरा थाना के एसआई दीपक कुमार से जमीनी विवाद को ले शिकायत किया। कार्यक्रम मे मनरेगा पदाधिकारी रजनीश शेखर ने कहा कि सरकार के सहयोग कार्यक्रम के तहत आज शिविर आयोजित की गई है। कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित सहयोग शिविर का उद्देश्य आम लोगों की समस्या का समयवद समाधान सुनिश्चित करना है।

बदलते अकयुग में युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण एवं मानवीय पेशों पर ध्यान देना आवश्यक : प्रकाश

प्रात : किरण संवाददाता

(गया जी) (कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) और आधुनिक तकनीकों के तेजी से बढ़ते प्रभाव के कारण रोजगार के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन हो रहा है। ऐसे समय में युवाओं को केवल पारंपरिक डिग्रियों पर निर्भर रहने के बजाय कौशल आधारित शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा ऐसे मानव-केंद्रित व्यवसायों की ओर ध्यान देना चाहिए, जिनमें मानवीय संवेदनशीलता, संवाद क्षमता और व्यावहारिक अनुभव की आवश्यकता होती है। यह बातें मगध बुनकर कल्याण सेवा समिति सह व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रकाश राम पटवा ने कहा कि आने वाले वर्षों में अनेक सामान्य और दोहराव वाले कार्यों को अक और स्वचालित प्रणालियां करने लगेंगी, जिससे रोजगार के स्वरूप में बदलाव स्वाभाविक है। ऐसी परिस्थिति में युवाओं के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे समय की मांग को समझते हुए कौशल विकास, ट्रेड प्रशिक्षण तथा सॉफ्ट स्किल्स के विकास पर विशेष ध्यान दें।

श्री पटवा ने कहा कि इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, टेक्नीशियन, फैशन डिजाइन, टेक्सटाइल, कंप्यूटर हार्डवेयर, मोबाइल रिपेयरिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षण, पर्यटन, होटल प्रबंधन, बिक्री एवं ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में भविष्य में भी व्यापक संभावनाएं बनी रहेंगी, क्योंकि इन क्षेत्रों में मानवीय निर्णय, व्यवहार, अनुभव और संवेदनशीलता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसका पूर्ण विकल्प अक नहीं बन सकता।उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं में सॉफ्ट स्किल्स जैसे प्रभावी संवाद, नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान, ग्राहक व्यवहार और भावनात्मक समझ का भी विकास किया जाए। तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ ये गुण रोजगार और स्वरोजगार दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रकाश राम पटवा ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से आग्रह किया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कौशल विकास केंद्रों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों तथा उद्योग आधारित प्रशिक्षण संस्थानों को और अधिक सुदृढ़ किया जाए, ताकि युवाओं को बदलते समय के अनुरूप प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाया जा सके।उन्होंने कहा कि बिहार जैसे राज्य में वस्त्र उद्योग, पावरलूम, हस्तकरघा, मशीन मरम्मत, खाद्य प्रसंस्करण, डिजिटल सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य लघु एवं कुटीर उद्योगों के क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। यदि युवाओं को सही दिशा, आधुनिक प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, तो वे न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे बल्कि देश की आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

अंत में उन्होंने कहा कि बदलते अकयुग में केवल डिग्री ही सफलता की गारंटी नहीं है।

प्रभारी सचिव ने डोभी प्रखंड के नदरपुर पंचायत के सहयोग शिवर मे सबकी समस्याओं का कराया समाधान

➤ जिले में 14029 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमे से 12 हजार से अधिक आवेदनों को निष्पादित करते आवेदक को निष्पादित पत्र भी देने का काम हुआ : जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

गया। प्रभारी सचिव गया जिला रोबर्ट एल. चोंग्थू ने आज गया जिला के डोभी प्रखंड स्थित नदरपुर पंचायत में सबका सम्मान जीवन आसान के तहत जन समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान हेतु आयोजित ह्यसहयोग शिविर में शामिल हुए हैं। सात निश्चय योजना-3 का अवयव ह्यसबका सम्मान जीवन आसान के संकल्प को धरातल पर उतारने एवं जन समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को बिहार के सभी जिलों में पंचायतवार ह्यसहयोग शिविर का आयोजन किया जायेगा।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुक्त मगध प्रमण्डल ने कहा कि आज से पूरे जिले में ह्यसहयोग शिविर कार्यक्रम आयोजित है। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए पिछले 11 मई को ही सहयोग पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 1100 जारी किया था, जिसके माध्यम से लोग सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस ह्यसहयोग शिविर का उद्देश्य हर हाल में निर्धारित समय सीमा के अंदर जन समस्याओं का निष्पादन करना है। यह कार्यक्रम लोगों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का जरिया है। राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन आपका हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार है। बिहार की समृद्धि और भारत विकसित हो, इसके लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर में जो भी आवेदन प्राप्त होंगे उनका निष्पादन 30 दिनों के अन्दर हर हाल में किया जाएगा। राज्य सरकार जनता के हित को ध्यान में रखते हुए ही योजनाएं बनाती है और नीतियां निर्धारित करती है। जनता की समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन का दायित्व है। यह ह्यसहयोग शिविर कार्यक्रम पूरे जिले में प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को पंचायत स्तर पर लगाई जाएगी ताकि लोगों के सपने साकार हों, उनके सपने टूटे नहीं। उन्होंने कहा कि अंचल, प्रखंड या थाना स्तर पर जो जन समस्याएं हैं उनका समाधान 30 दिन के अंदर किया जाए। सहयोग शिविर कार्यक्रम के माध्यम से राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के अधिकारी आपके बीच रहकर समस्याओं का समाधान करेगी।

जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर ने संबोधित करते हुए कहा कि सहयोग शिविर एवं सहयोग पोर्टल पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन के माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित जिले में 14029 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमे से 12 हजार से अधिक आवेदनों को निष्पादित करते हुए आज आवेदक को निष्पादित पत्र भी देने का काम किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जो भी आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, उनसभी आवेदनों को तिस दिनों के अंदर समाधान करवाते हुए शिविर के तिथि में शिविर में आवेदक को निष्पादन रिपोर्ट उपलब्ध करवाया जाए।

शिक्षकों को नियमावली के तहत प्रोन्नति व स्थानांतरण लागू करवाने तक संघर्ष जारी रहेगा : संघ

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। नियोजित शिक्षक, विशिष्ट शिक्षक, विद्यालय अध्यापक, प्रधान शिक्षक, प्रधानाध्यापक को पूर्ण वेतनमान एवं पुरानी पेंशन लागू करवाने को लेकर मॉनसुन सत्र दरम्यान किया जायेगा विधानसभा घेराव-

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों की समस्या का निदान आवश्यक। राज्यव्यापी आह्वान पर बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई औरंगाबाद द्वारा जिला अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने शहर में प्रदर्शन किया गया। शिक्षकों का प्रदर्शन स्थानीय राजेंद्र पार्क से निकलकर पुरानी जी टी रोड होते हुए शिक्षकों ने समाहरणालय गेट के समीप धरना में तब्दील हो गया। शिक्षकों के प्रोन्नति, ऐच्छिक स्थानांतरण एवं चार माह से लंबित वेतन भुगतान करने को लेकर समाहरणालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया। तेज गर्मी में भी भारी संख्या में शिक्षकों एकजुट होकर सरकार व विभाग के गलत नीतियों के विरुद्ध जोरदार नारेबाजी कर विरोध प्रकट किया। धरना को संबोधित करते हुए संघ के प्रदेश सचिव धनंजय सिंह, रमेश सिंह, जिला सचिव विनय यादव ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षक सरकार व विभाग के लापरवाही, मनमानी एवं दोहरी नीति से त्रस्त है । जिसके कारण शिक्षक तेज धूप में आन्दोलन पर बैठने को विवश है।

डिवाइडर पर अवैध होर्डिंग और सिंगल बैरिकेटिंग के खिलाफ राजद नेता ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। शहर के मुख्य मार्गों को सुंदर, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के दावों के बीच रक्सौल नगर परिषद एक बार फिर विवादों के घेरे में है। नगर परिषद द्वारा मुख्य सड़क पर बनाए गए डिवाइडर पर पौधों की जगह धड़ल्ले से लगाए जा रहे व्यावसायिक विज्ञापन होर्डिंग्स को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने कड़ा विरोध जताया है। इस संबंध में मंगलवार को राजद के विधानसभा प्रभारी सैफुल आजम ने अनुमंडल पदाधिकारी, रक्सौल मनीष कुमार को एक मांग पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

■ **सुंदरीकरण के नाम पर नियमों की धज्जी उड़ाने का आरोपः** सौंपे गए ज्ञापन में राजद नेता सैफुल आजम ने कहा कि नगर परिषद द्वारा शहर के मुख्य मार्गों को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से लगभग चार फीट चौड़ा डिवाइडर निर्मित कराया गया है, जिसमें मिट्टी भराई का कार्य भी पूरा हो चुका है।

उद्देश्य यह था कि यहाँ सघन पौधारोपण कर रक्सौल को हरित और सुंदर शहर बनाया जा सके। लेकिन, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि नगर परिषद पर्यावरण संरक्षण को ताक पर रखकर डिवाइडर पर पौधे लगाने के बजाय लगभग प्रत्येक फीट की दूरी पर लोहे के पोल स्थापित कर रहा है। इन पोलों पर अवैध रूप से विज्ञापन होर्डिंग लगाकर राजस्व वसूली का खेल चल रहा है।

■ **हाईकोर्ट और राज्य सरकार के आदेशों की खुली अवहेलनाः** एसडीएम को दिए पत्र में इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों और राज्य सरकार द्वारा जारी सख्त आदेशों के अनुसार, सड़क के बीच स्थित डिवाइडरों पर किसी भी प्रकार का विज्ञापन होर्डिंग लगाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद, रक्सौल नगर परिषद द्वारा इन सरकारी और न्यायिक आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इससे न केवल शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है, बल्कि घने होर्डिंग्स के कारण यातायात व्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

■ **राजद ने की डबल बैरिकेटिंग और पौधारोपण की मांगः** राजद नेता सैफुल ने विनम्र अनुरोध करते हुए मांग की है किः डिवाइडर से सभी अवैध होर्डिंग पोल और विज्ञापनों को तत्काल हटवाया जाए।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से डिवाइडर पर सिंगल बैरिकेटिंग की जगह दोनों तरफ से डबल बैरिकेटिंग की व्यवस्था हो। खाली कराई गई जगह पर अविलंब सघन पौधारोपण कराया जाए, जिससे रक्सौल एक स्वच्छ, हरित और सुंदर नगर के रूप में विकसित हो सके।

■ **मांग पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनीः** ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को चेताया गया है कि यदि इस गंभीर विषय पर शीघ्र ही आवश्यक और दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो राष्ट्रीय जनता दल, रक्सौल इकाई जनहित में चरणबद्ध तरीके से लोकतांत्रिक आंदोलन चलाने के लिए बाध्य होगी। इस आंदोलन से उत्पन्न होने वाली किसी भी कानून-व्यवस्था की स्थिति की समस्त जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन एवं नगर परिषद की होगी।

रक्सौल जंक्शन से 6 नई दैनिक ट्रेनों की मांग को लेकर रेल मंत्री एवं डीआरएम समस्तीपुर को भेजा गया ज्ञापन

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। डीआरयूसीसी, पूर्व मध्य रेल के डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने भारत-नेपाल सीमा के प्रमुख रेलवे स्टेशन रक्सौल जंक्शन से 6 नई दैनिक रेल सेवाओं के संचालन की मांग को लेकर रेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा मंडल रेल प्रबंधक, समस्तीपुर मंडल को ई-मेल के माध्यम से विस्तृत ज्ञापन भेजा है।

अपने ज्ञापन में डॉ. गुप्ता ने कहा है कि रक्सौल जंक्शन उत्तर बिहार, चंपारण, मिथिलांचल एवं नेपाल सीमा क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। यहां से प्रतिदिन हजारों यात्री, व्यापारी, छात्र, मरीज एवं श्रद्धालु यात्रा करते हैं, लेकिन कई प्रमुख शहरों के लिए आज भी सीधी रेल सेवाओं का अभाव बना हुआ है।

ज्ञापन में निम्नलिखित 6 नई दैनिक ट्रेनों के संचालन की मांग की गई है।

1.रक्सौल-पटना दैनिक इंटरसिटी एवं रात्रिकालीन एक्सप्रेस
2. दरभंगा-गोरखपुर दैनिक एक्सप्रेस
3. रक्सौल-मुंबई दैनिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस
4. रक्सौल-अहमदाबाद-सूरत व्यापारिक एक्सप्रेस
5. रक्सौल-वाराणसी दैनिक एक्सप्रेस
6. रक्सौल-देहरादून दैनिक एक्सप्रेस

डॉ. गुप्ता ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इन ट्रेनों के परिचालन से लाखों यात्रियों को सीधी एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा मिलेगी। व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन क्षेत्रों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। छात्रों, मरीजों और नौकरीपेशा लोगों का समय एवं खर्च बचेगा तथा सड़क यातायात पर बढ़ते दबाव में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि रक्सौलझ्र मुंबई, रक्सौलझ्रअहमदाबादझ्रसूरत तथा रक्सौलझ्रदेहरादून रेल सेवाएं प्रवासी श्रमिकों, व्यापारियों और छात्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होंगी। वहीं रक्सौलझ्रवाराणसी ट्रेन धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ नेपाल और काशी के बीच सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत करेगी। डॉ. गुप्ता ने रेल मंत्री एवं डीआरएम समस्तीपुर से जनहित तथा क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए इन प्रस्तावित रेल सेवाओं पर सकारात्मक विचार कर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि रक्सौल केवल एक सीमावर्ती रेलवे स्टेशन नहीं, बल्कि भारत-नेपाल व्यापार और आवागमन का सबसे बड़ा प्रवेश द्वार है। नई रेल सेवाओं का संचालन पूरे उत्तर बिहार एवं नेपाल सीमा क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त खबरें

दहेज के 5 हजार रुपये को लेकर तिलक समारोह में बवाल

बगहा।पश्चिम चंपारण जिले के चौतरवा थाना क्षेत्र के मझौवा गांव में तिलक समारोह के दौरान दहेज की राशि को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। आरोप है कि लड़का पक्ष के लोगों ने लड़की पक्ष के कुछ लोगों को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की, जिससे कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, तिलक समारोह के दौरान दहेज की तय राशि में 5 हजार रुपये की कमी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि इसी दौरान लड़की पक्ष के लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया गया तथा उन्हें बंधक बनाकर पीटा गया। मारपीट की घटना में घायल हुए लोगों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पीड़ित पक्ष ने घटना को लेकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। इस घटना ने एक बार फिर समाज में व्याप्त दहेज प्रथा की कुरीति को उजागर कर दिया है। महज 5 हजार रुपये के विवाद ने रिश्तों की गरिमा को तार-तार कर दिया और खुशी का माहौल हिंसा में बदल गया। स्थानीय लोगों ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ दहेज प्रथा के खिलाफ जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई है।

तस्करी के पशुओं के साथ पिक-अप वाहन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

चनपटिया ।सिरसिया पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए बेतिया लौरिया मुख्य मार्ग में नवगांवा गांव के समीप से तस्करी हेतु एक पिकअप भान में ठुस ठुस कर ले जा रहे ग्यारह गाय तथा उसके बछड़े को पकड़ लिया है। वहीं पुलिस मौके से एक तस्कर को धर दबोचा है। थानाध्यक्ष अंनत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर सहजाद अंसारी चौतरवा थाना निवासी ने पुछ ताछ में बताया कि चौवतरवा से सुपौल सभी पशुओं तस्करी के लिए लेकर जा रहे थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि पशु क्रूरता तथा तस्करी के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है। वहीं पिकअप जप्त कर लिया गया है। जबकि सभी पशुओं को मवेशी फाटक भेजा जा रहा है।

ब्रिटानिया ने दूध मैरी गोल्ड किया लांच

दुगार्पुर। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने अपने मैरी बिस्कुट पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए दूध मैरी गोल्ड को लांच किया है। यह नई पेशकश उपभोक्ताओं को पारंपरिक मैरी बिस्कुट के हल्के और क्रिस्पी टेक्सचर को बरकरार रखते हुए अधिक दूधिया स्वाद प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। आटे से निर्मित और 0 प्रतिशत मैदा वाले दूध मैरी गोल्ड का उद्देश्य रोजमर्रा के बिस्कुट की श्रेणी में अधिक समृद्ध (रिचर) स्वाद के लिए उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं को पूरा करना है। कंपनी ने कहा कि यह नया उत्पाद एक विशिष्ट फ्लेवर प्रोफाइल को उन परिचित विशेषताओं के साथ जोड़ता है जिन्होंने मैरी बिस्कुट को चाय के समय का एक लोकप्रिय साथी बनाया है।

इथियोपिया से नेपाल आए व्यक्ति के पेट से मिला डेढ़ किलो कोकीन, तीन गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बागहा। नेपाल पुलिस के मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों में से एक अफ्रीकी देश सेनेगल का नागरिक है, जो इथियोपिया और दोहा होते हुए काठमांडू पहुंचा था। उसके पेट से चिकित्सकों की सहायता से लगभग डेढ़ किलोग्राम कोकीन बरामद की गई। पुलिस के अनुसार 43 वर्षीय अमाडोउ सार 26 जेठ को कतर एयरवेज की उड़ान से काठमांडू पहुंचा था। संदेह के आधार पर उसे निगरानी में रखा गया। जांच के दौरान पता चला कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल निगल रखे हैं। प्रारंभिक तलाशी में 16 कैप्सूल बरामद हुए, जबकि अस्पताल में भर्ती कराने के बाद चिकित्सकों ने उसके पेट से कुल 76 कैप्सूल निकाले। इनमें करीब 1.5 किलोग्राम कोकीन पाई गई।

कोकीन लेने आईं दो भारतीय महिलाएं भी गिरफ्तारः पूछताछ में खुलासा हुआ कि भारत के नई दिल्ली से दो महिलाएं इस खेप को प्राप्त करने काठमांडू आई थीं। इसके आधार पर पुलिस ने दक्षिण दिल्ली निवासी 36 वर्षीय रूबी और 31 वर्षीय सोनी को ठमेल स्थित एक होटल से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से पासपोर्ट, आधार कार्ड और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क की जांच जारीः नेपाल पुलिस का मानना है कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। बरामद कोकीन की कीमत नेपाली बाजार में लगभग आठ करोड़ नेपाली रुपये आंकी गई है। तीनों आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ नियंत्रण कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

बाढ़ पूर्व सुरक्षा कार्य में देरी से ग्रामीणों में नाराजगी

■ रामपुरवा-सुस्ता पटेरवा और कांही टोला क्षेत्र में समय रहते कटाव व बाढ़रोधी कार्य पूरा करने की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ को लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों की चिंता बढ़ने लगी है। रामपुरवा के समीप विवादित सुस्ता क्षेत्र के पास स्थित पटेरहवा मार्ग पर बाढ़ पूर्व सुरक्षा कार्य में हो रही देरी को लेकर ग्रामीणों ने जल संसाधन विभाग से शीघ्र कार्य पूरा कराने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि गंडक नदी में उफान आते ही रामपुरवा के समीप पटेरहवा वाले रास्ते से बाढ़ का पानी गांवों में प्रवेश कर जाता है। इससे आसपास के क्षेत्रों में जलभराव और तबाही की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हर वर्ष इस मार्ग से घुसने वाला बाढ़ का पानी लोगों के लिए बड़ी परेशानी और आर्थिक नुकसान का कारण बनता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विभाग द्वारा इस संवेदनशील स्थल पर बायो बैग क्रेटिंग और अन्य सुरक्षात्मक कार्य बरसात शुरू होने तथा नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद कराने की योजना बनाई जा रही है। इस सूचना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि बाढ़ आने का इंतजार करने के बजाय समय रहते सुरक्षा कार्य पूरा किया जाना चाहिए, ताकि संभावित खतरे को टाला जा सके। ग्रामीणों ने बताया कि कांही टोला के समीप से भी हर वर्ष बाढ़ का पानी प्रवेश करता है। इसके कारण चकदहवा, कांही टोला और झंडू टोला जैसे गांवों में भारी तबाही मचती है। खेतों में लगी फसलें बर्बाद हो जाती हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों की निगाहें अब जल संसाधन विभाग पर टिकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर किए गए सुरक्षा कार्य ही बाढ़ के खतरे को कम कर सकते है।

25 साल बाद फिर चर्चा में नारायणहिटी हत्याकांड

प्रात: किरण संवाददाता

बागहा। नेपाल के इतिहास की सबसे चर्चित और रहस्यमयी घटनाओं में शामिल नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड एक बार फिर सुर्खियों में है। वर्ष 2001 में हुए इस सामूहिक हत्याकांड की फाइलों की समीक्षा किए जाने की खबरों के बाद देशभर में बहस तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों, इतिहासकारों और आम नागरिकों के बीच घटना से जुड़े कई अनुत्तरित सवालों पर चर्चा शुरू हो गई है। क्या था नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड?: 1 जून 2001 की रात काठमांडू स्थित नारायणहिटी राजमहल के त्रिभुवन सदन में शाही परिवार की नियमित पारिवारिक बैठक चल रही थी। इसी दौरान अचानक हुई गोलीबारी में तत्कालीन राजा बीरेन्द्र, रानी ऐश्वर्या समेत शाही परिवार के कई सदस्य मारे गए थे। आधिकारिक जांच रिपोर्ट में युवराज दीपेन्द्र को इस हत्याकांड का जिम्मेदार ठहराया गया था। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल दीपेन्द्र की भी कुछ दिनों बाद मृत्यु हो गई थी। दो दशक बाद भी नहीं थमे सवालः हालांकि सरकार की ओर से जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जा चुकी है, लेकिन नेपाल में बड़ी संख्या में लोग आज भी घटना को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। लोगों के मन में अब भी कई सवाल बने हुए हैं।

यूरिया संकट पर दूसरे दिन भी भड़के किसान

■ एनएच-727 जाम कर किया प्रदर्शन, आधे घंटे तक ठप रहा आवागमन

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में यूरिया खाद की लगातार बनी हुई किल्लत को लेकर किसानों का आक्रोश मंगलवार को दूसरे दिन भी सड़क पर देखने को मिला। यूरिया नहीं मिलने से नाराज किसानों ने अनुमंडल कार्यालय के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-727 (एनएच-727) को जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब आधे घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में किसान यूरिया खाद खरीदने के लिए बगहा-दो स्थित बिस्कोमान केंद्र पहुंचे थे। वहां उन्हें बताया गया कि यूरिया का स्टॉक समाप्त हो चुका है। खाद नहीं मिलने की सूचना मिलते ही किसानों का गुस्सा फूट पड़ा और वे सड़क पर उतर आए।

किसानों ने बताया कि वे यूरिया की तलाश में विभिन्न खाद केंद्रों का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कहीं भी पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं है। इससे किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है और समय पर खेती कार्य पूरा कर पाना मुश्किल हो रहा है। एनएच-727 जाम होने की सूचना मिलते ही पटखौली थाना पुलिस और बगहा-दो के अंचलाधिकारी (सीओ) मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा जल्द यूरिया उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पर्याप्त मात्रा में यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की गई तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। वहीं प्रशासन ने किसानों की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा जल्द खाद उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है।

वीटीआर के दुर्गम दोन में दिखा प्रकृति का अद्भुत संगम

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के दुर्गम दोन क्षेत्र से सामने आई एक तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। तस्वीर में एक ओर जलाशय में खड़ा एक विशालकाय गैंडा दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरी ओर जंगल के किनारे बाघ विचरण करता नजर आ रहा है। प्रकृति के इस अद्भुत संगम ने वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। वीटीआर का दोन क्षेत्र अपनी दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। घने जंगल, जल स्रोत और शांत वातावरण वन्यजीवों के लिए अनुकूल आवास प्रदान करते हैं। वायरल तस्वीर इसी प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संरक्षण की सफलता की कहानी बयां करती है।

बतादें,तस्वीर में एक ही फ्रेम में गैंडे और बाघ का दिखाई देना बेहद दुर्लभ माना जा रहा है। यही कारण है कि यह तस्वीर सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे दृश्य किसी भी संरक्षित वन क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमाण होते है। प्राकृतिक जलाशय में खड़े गैंडे और पृष्ठभूमि में टहलते बाघ का यह दृश्य प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है। लोग वीटीआर के वन्य वैभव और प्राकृतिक सुंदरता का जीवंत प्रमाण बता रहे हैं। यह तस्वीर एक बार फिर साबित करती है कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व का दुर्गम दोन क्षेत्र आज भी प्रकृति को उसके वास्तविक और अनछुए स्वरूप में संजोए हुए है।

चौतरवा में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो युवक घायल

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा।चौतरवा थाना क्षेत्र में सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में दो युवक घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को घटना की सूचना दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइक सवार तेज रफ्तार में थे। इसी दौरान आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिससे दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद एक घायल व्यक्ति मौके से ही निकल भागा, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी रही। घटना की सूचना मिलते ही चौतरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए पतिलार सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।पतिलार सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका उपचार चल रहा है। चौतरवा थाना पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुट गई है। साथ ही मौके से फरार हुए घायल युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

'सहयोग-शिविर' में दर्ज शिकायतों और सुझावों के समाधान की मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित 30 दिनों की समय-सीमा स्वागत योग्यः गरिमा

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि मंगलवार को नगर निगम क्षेत्र में वार्ड 1 से 7 तक में जन समस्याओं के त्वरित निदान वाली अत्यंत महत्वपूर्ण योजना ҈सहयोग शिविर҈ का आयोजन किया गया। वार्ड 7 के मिशन मिडिल स्कूल के प्रांगण में आयोजित मुख्य समारोह का उद्घाटन महापौर गरिमा देवी सिकारिया के साथ नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित और अन्य द्वारा किया गया। इस मौके पर श्रीमती सिकारिया ने कहा बिहार के माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी की इस अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना की कोई भी प्रशंसा कम ही होगी। जिसमें नागरिकों की किसी भी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष पहल की गई। वार्ड संख्या 7 के मिशन मिडिल स्कूल परिसर में आयोजित शिविर का उद्घाटन कर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि यह शिविर सरकारी व्यवस्था की कार्यशैली को नया आयाम दे रही है। इसके तहत कई सालो से परेशान नागरिक जिनके केवल जानकारी के अभाव में सही जगह शिकायत नहीं पहुंचाने से आज तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उसके लिए यह शिविर डूबते हुए को तिनके का सहारे के सामान है।

इस शिविर के माध्यम से विभिन्न प्रकार की माननीय मुख्यमंत्री की लाभकारी योजना की जानकारी नागरिकों तक पहुंचना भी इसका मुख्य उदेश्य है .उद्घाटन के मौके पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बिहार की नई सरकार द्वारा शुरू किए गए ₹सहयोग पोर्टल₹ की सराहना करते हुए कहा कि यह पोर्टल आम जनता के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। आप घर बैठे भी अपनी शिकायत ऑनलाइन पोर्टल पे दर्ज करा सकते है उन्होंने बताया कि पोर्टल पर दर्ज शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री द्वारा अधिकतम 30 दिनों की समय-सीमा तय की गई है, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और समस्याओं का पारदर्शी तरीके से निपटारा संभव होगा।

महापौर ने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याएं, सुझाव और शिकायतें सीधे शिविर में दर्ज कराएं ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। वहीं नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित ने बताया कि अब प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को वार्डवार सहयोग शिविर का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

चार माह से वेतन नहीं मिलने पर शिक्षकों का प्रदर्शन, विधानसभा घेराव की चेतावनी

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया।बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के राज्यव्यापी आह्वान पर मंगलवार को बेतिया में शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में जिले भर से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने सागर पोखरा शिव मंदिर से जुलूस निकालकर समाहरणालय तक मार्च किया और सरकार व शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने की। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष विपिन प्रसाद ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षक विभागीय उदासीनता का शिकार हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि 20 वर्षों से कार्यरत नियोजित शिक्षकों को नियमों के बावजूद प्रोन्नति और ऐच्छिक स्थानांतरण का लाभ नहीं मिल रहा है। साथ ही कई शिक्षकों का चार माह से वेतन लंबित है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन मांगों को लेकर जताया आक्रोशः शिक्षकों ने लंबित वेतन भुगतान, कालबद्ध प्रोन्नति, स्नातक ग्रेड, प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति, ऐच्छिक एवं पारस्परिक स्थानांतरण, पूर्ण वेतनमान, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, ईपीएफ विसंगतियों का समाधान, वेतन संरक्षण, अनुकंपा नियुक्ति, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, एरियर भुगतान तथा विद्यालयों की आधारभूत संरचना मजबूत करने की मांग उठाई। साथ ही सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने की मांग भी की गई।

मांगें नहीं मानी गईं तो होगा विधानसभा घेरावः धरना के बाद पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। शिक्षक संघ ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आगामी मानसून सत्र के दौरान बिहार विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

बेतिया अंचल कार्यालय में निगरानी का बड़ा छापाः 15 हजार रुपये रिश्वत लेते डेटा एंट्री ऑपरेटर गिरफ्तार

■ जमाबंदी का लॉक खोलने के नाम पर मांगी थी घूस, कहा था- सीओ साहब की भी है हिस्सेदारी

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया।बेतिया सदर अंचल कार्यालय में मंगलवार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डेटा एंट्री ऑपरेटर को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजकुमार मिश्रा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से चनपटिया प्रखंड का निवासी बताया जाता है। कार्रवाई के बाद निगरानी की टीम उसे अपने साथ पटना लेकर रवाना हो गई।

अंचल अधिकारी के कार्यालय में ही ले रहा था रिश्वतः जानकारी के अनुसार बरवत परसाइन निवासी भूमि स्वामी बालेश्वर कुमार की ढाई धुर जमीन की जमाबंदी लॉक हो गई थी।आरोप है कि लॉक खोलने के एवज में डेटा एंट्री ऑपरेटर राजकुमार ने 15 हजार रुपये की मांग की थी। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने यह भी कहा था कि इस रकम में अंचल अधिकारी (सीओ) की भी हिस्सेदारी है और बिना पैसे दिए काम नहीं होगा। 3 जून को दर्ज कराई गई थी शिकायतः रिश्वत की मांग से परेशान बालेश्वर कुमार ने 3 जून को पटना स्थित निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद 10 जून को निगरानी की टीम ने बेतिया पहुंचकर मामले की गोपनीय जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर ट्रैप की कार्रवाई की योजना बनाई गई। सादे लिबास में पहुंची 9 सदस्यीय टीमः मंगलवार की सुबह डीएसपी श्यामबाबू कुमार के नेतृत्व में नौ सदस्यीय निगरानी टीम बेतिया सदर अंचल कार्यालय पहुंची। टीम के सदस्य सादे लिबास में कार्यालय परिसर में तैनात रहे। पूर्व निर्धारित योजना के तहत पीड़ित ने आरोपी ऑपरेटर को केमिकल लगे 15 हजार रुपये सौंपे। जैसे ही आरोपी ने रुपये अपने हाथ में लिए, निगरानी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। जांच के दौरान हाथ धुलवाने पर उसकी उंगलियां लाल हो गईं, जिससे रिश्वत लेने की पुष्टि हो गई।

कार्रवाई से मचा हड़कंपः निगरानी की इस अचानक कार्रवाई से अंचल कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि कार्रवाई की सूचना मिलते ही कई कर्मचारी और बिचौलिए वहां से खिसक गए। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा की जा रही है।

जिला पदाधिकारी ने किया प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले में आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ सहज एवं सुलभ रूप से उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को जिले की चयनित पंचायतों में तीसरे चरण का सहयोग शिविर आयोजित किया गया। इसके साथ ही 16, 17 एवं 18 जून 2026 तक सभी प्रखंड मुख्यालयों पर प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा सभी जिलास्तरीय, अनुमंडलस्तरीय एवं प्रखंडस्तरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि शिविरों का संचालन प्रभावी ढंग से हो सके और आम नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने लौरिया प्रखंड मुख्यालय में आयोजित प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित आवेदकों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक आवेदक की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाए।

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
पटना, बुधवार , 17 जून 2026

टेटिया बंबर में मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज

अधिकारियों ने लगमा फील्ड में प्रस्तावित हेलीपैड स्थल तथा जगन्नाथ उच्च विद्यालय परिसर में संभावित कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर/ टेटिया बंबर (मुंगेर)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संभावित आगमन एवं कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंगलवार को मुंगेर जिलाधिकारी निखिल धनराज एवं पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने अधिकारियों की टीम के साथ टेटिया बंबर का दौरा कर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने लगमा फील्ड में प्रस्तावित हेलीपैड स्थल तथा जगन्नाथ उच्च विद्यालय परिसर में संभावित कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, आवागमन की सुविधा, पार्किंग, वीआईपी मूवमेंट, हेलीपैड निर्माण की संभावनाओं एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम निर्धारित होता है, तो सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएंगी तथा सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रौशन, प्रखंड विकास पदाधिकारी निशा राय, अंचलाधिकारी अर्चना कुमारी, अनुमंडल राजस्व पदाधिकारी हरेंद्र कुमार सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। वहीं टेटिया बंबर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार केहरी ने भी सुरक्षा संबंधी बिंदुओं पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। प्रशासनिक अधिकारियों के इस निरीक्षण के बाद क्षेत्र में मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। स्थानीय लोगों में भी कार्यक्रम को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है।

भाजपा का सघन जनसंपर्क महाअभियान तेज, विभिन्न मुहल्लों में पहुंचकर दी गई योजनाओं की जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल हवेली खड़गपुर के तत्वावधान में नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी के नेतृत्व में सघन जनसंपर्क महाअभियान पूरे उत्साह के साथ चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता नगर के विभिन्न मुहल्लों में घर-घर पहुंचकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प की जानकारी आम लोगों तक पहुंचा रहे हैं। भाजपा नेताओं ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य समाज के शोषित, वंचित, गरीब, जरूरतमंद तथा अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। साथ ही वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना भी अभियान का प्रमुख लक्ष्य है। यह महाअभियान 21 जून 2026 तक लगातार जारी रहेगा। दुलारपुर में मुख्य पार्षद प्रभु शंकर एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के अंजनी ठाकुर, घोषपुर में सदानंद सिंह एवं उत्तम कुमार सिंह, जबकि सिंहपुर में शईस मिल के प्रोपराइटर राजेश कुमार, पूर्व पैक्स अध्यक्ष विजय साह, पुजारी अरुण पाठक, सुधीर गोस्वामी, पूर्व सैनिक सहदेव साह तथा आईटीआई निदेशक अनिल कुमार सिंह सहित कई प्रतिष्ठित नागरिकों को पत्रक देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तारापुर विधानसभा संयोजक शंभू केशरी, भाजपा जिला मंत्री रजनीश झा, नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

बड़हरा गांव में आम रास्ता को दबंगों द्वारा अतिक्रमण करने के मामले में जगह चिन्हित कर हुआ नापी

■ अंचल पदाधिकारी के निर्देश पर सरकारी अमिन की मौजूदगी में हुआ नापी,जगह चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त करने का दिया आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के करहरिया पंचायत के बडहरा गांव में आम रास्ता को गांव के दबंगों द्वारा अतिक्रमण करने के मामले में आवेदक मंजु देवी ने प्रखंड एवं जिला के पदाधिकारी सहित मुख्यमंत्री आवेदन देकर अतिक्रमण रास्ता मुक्त किया जाए/ इस मामले में सोमवार को अंचल पदाधिकारी के निर्देश पर अंचल सरकारी अमिन व गांव के सरपंच, दोनों पक्षों के लोगों की मौजूदगी में आम रास्ता को नापी करते हुए अतिक्रमण मुक्त करने का आदेश दबंग को दिया गया है/अगर दबंगों द्वारा ससमय नहीं हटाने पर नोटिस जारी करते हुए अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा की बात कही/इस मौके पर सरपंच महेंद्र शर्मा ने कहा कि ऐसा ही इमानदार काम होना चाहिए जो आज ब्लांक के सरकारी अमिन के द्वारा सही नापी करते हुए जगह को चिन्हित किया गया/जिससे सभी ग्रामीण खुश हैं की बात कही/इस दौरान, आवेदक मंजु देवी सहित दोनों पक्षों के ग्रामीण मौजूद थे

हरि सिंह महाविद्यालय में बी.कॉम, उर्दू एवं भूगोल की पढ़ाई शुरू करने की मांग,एसएसआई ने सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। हरि सिंह महाविद्यालय, हवेली खड़गपुर में बी.कॉम, उर्दू तथा भूगोल विषय की पढ़ाई शुरू करने की मांग को लेकर सोशलिस्ट स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कहा कि इन विषयों की पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने के कारण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से एस एस आई के पदाधिकारियों ने बताया कि हवेली खड़गपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए हरि सिंह महाविद्यालय में नामांकन लेते हैं। लेकिन बी.कॉम, उर्दू और भूगोल विषय उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को दूसरे कॉलेजों का रुख करना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों के लिए बाहर जाकर पढ़ाई करना काफी मुश्किल हो जाता है, जिससे कई छात्र अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्तमान समय में वाणिज्य (बी.कॉम) शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है। बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों, प्रतियोगी परीक्षाओं और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को देखते हुए बड़ी संख्या में छात्र बी. कॉम की पढ़ाई करना चाहते हैं।

वहीं उर्दू विषय क्षेत्र की भाषाई और सांस्कृतिक जरूरतों से जुड़ा हुआ है, जबकि भूगोल विषय की पढ़ाई से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर प्राप्त हो सकते हैं। एस एस आई ने अपने ज्ञापन में महाविद्यालय प्रशासन से मांग की कि छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर विश्वविद्यालय एवं संबंधित विभागों को प्रस्ताव भेजा जाए, ताकि जल्द से जल्द इन विषयों में पढ़ाई प्रारंभ हो सके।

संगठन ने कहा कि यदि महाविद्यालय में इन विषयों की पढ़ाई शुरू होती है तो हजारों छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा और क्षेत्र में उच्च शिक्षा को भी नई दिशा मिलेगी। प्राचार्य ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से लिया जाएगा तथा विश्वविद्यालय और संबंधित अधिकारियों के समक्ष इस विषय को रखा जाएगा।

साइबर थाना भागलपुर द्वारा आमजनों के बीच चलाया गया जागरूकता अभियान

भागलपुर। भागलपुर साइबर अपराधों की लगातार बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रमोद कुमार यादव के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक श्री शैलेन्द्र सिंह की निगरानी में तथा साइबर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में भागलपुर शहर के विभिन्न चौंक चौराहों, बाजार क्षेत्रों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर व्यापक साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया।जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को डिजिटल दुनियां में सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक करना तथा साइबर अपराधों से बचाव हेतू आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना है। मौके पर साइबर थाना के पदाधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों द्वारा राहगीरों, दुकानदारों, छात्रों एवं आम नागरिकों के बीच जागरूकता पंपलेट्स का वितरण किया गया, जिनके माध्यम से लोगों को साइबर अपराध यथा आनलाईन ठगी, फिशिंग ईमेल, फर्जी कॉल, लॉटरी ईनाम के नाम पर धोखाधड़ी,सोशल मीडिया हैकिंग,यूपीआई फ्रॉड तथा ओटीपी साझा करने के जोखिम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साइबर थाना भागलपुर द्वारा बताया गया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके तथा समाज को सुरक्षित और सशक्त बनाया जा सके। पुलिस की इस बेहतरीन पहल की स्थानीय नागरिकों ने काफी सराहना की।

फोरलेन पर भीषण सड़क हादसा, ट्रक से आमने-सामने टक्कर में बलेनो चालक की मौके पर मौत

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंगेर मिर्जा चौकी फोरलेन स्थित नोनसर मौजा के पास मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बलेनो कार और एक बड़े ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बलेनो कार रॉन्ग साइड से आ रही थी और सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह ट्रक में जा घुसी। सूचना मिलते ही सुल्तानगंज थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान हरियाणा निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है तथा वाहन कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

अजय नगर के 60 घरों में कई माह से ठप है नल-जल आपूर्ति, जिला परिषद सदस्य ने की कार्रवाई की मांग

नीमचक बथानी। प्रखंड के मैइ पंचायत अंतर्गत ग्राम अजय नगर के वार्ड संख्या 8 में नल-जल योजना के तहत लगभग 60 घरों में कई माह से पानी की आपूर्ति बंद रहने का मामला सामने आया है। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य गुलिस्ता खातून ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी), गया के सहायक अभियंता को आवेदन देकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि नल-जल योजना के बावजूद वार्ड के लगभग 60 परिवारों को नियमित पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को दैनिक उपयोग के लिए दूर-दराज के जल स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।जिला परिषद सदस्य गुलिस्ता खातून ने विभागीय अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य कराने तथा सभी प्रभावित परिवारों तक नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

डीडीसी ने लाभुकों को सौंपा आवास की चाबी,सहयोग शिविर में 337 में से 237 मामलों का मौके पर निष्पादन

मुंगेर। मंगलवार को सदर प्रखंड अंतर्गत कुतलूपुर दियारा पंचायत के शिवराम चौधरी मध्य विद्यालय में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अगुवाई प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर मुंगेर विश्वजीत कुमार तिवारी ने की। शिविर में उपस्थित उप विकास आयुक्त मुंगेर अजीत कुमार ने योग्य लाभुकों के बीच विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के स्वीकृति प्रमाण पत्र एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाबी का वितरण किया। इस मौके पर डीडीसी अजीत कुमार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए सहयोग शिविर जैसे आयोजन बेहद कारगर साबित हो रहे हैं। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करें। शिविर में कुल 337 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 237 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, कल्याण, राजस्व सहित प्रखंड स्तरीय सभी विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में उप प्रमुख दुर्गा कुमारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवम पुरी गोस्वामी, सीडीपीओ प्रियदर्शनी, बीपीआरओ कुमार सौरभ, बीएओ मोनिका कुमारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी भोगेंद्र कुमार, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, हेल्थ मैनेजर रवि कुमार, राजस्व अधिकारी प्रभात कुमार, किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष चंदन चौधरी, पंचायत के वार्ड सदस्य तथा सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी की भागीदारी से शिविर सफल रहा।

जदयू छात्र नेता ने पुर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की मुलाकात, संगठन की मजबूती पर हुआ विचार

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। छात्र जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के जिला अध्यक्ष गोलु मंडल ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से उनके पटना स्थित आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर गोलु मंडल ने संगठनात्मक गतिविधियों, छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा जिले में छात्र जदयू के विस्तार एवं सशक्तिकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने युवाओं और छात्रों को पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी।

मुलाकात के दौरान नीतीश कुमार ने संगठन को और मजबूत बनाने, छात्रों के बीच सकारात्मक संवाद स्थापित करने तथा समाज के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

उन्होंने छात्र जदयू के कार्यकताओं को जनहित के मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

गोलु मंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से छात्र जदयू के कार्यकताओं को नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्राप्त होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन आने वाले समय में छात्रों एवं युवाओं के हित में और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगा।

सुल्तानगंज प्रखंड के दो पंचायत में सहयोग शिविर

मंत्री नीतीश मिश्रा ने सहयोग शिविर का निरक्षण कर लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के दो पंचायत में सहयोग शिविर आयोजित/असियाचक पंचायत एवं मसदी पंचायत में सहयोग शिविर लगने पर बिहार सरकार के आवास मंत्री सह नगर विकास मंत्री नीतीश मिश्रा जिला के आला अधिकारियों के साथ असियाचक पंचायत के पंचायत सरकार भवन के पहुंचे/स्थानीय विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल,असियाचक पंचायत के मुखिया सदानंद कुमार ने मंत्री नीतीश मिश्रा का फुल माला पहनाकर किया भव्य स्वागत /इस मौके पर नीतीश मिश्रा ने सभी विभाग के द्वारा लगाये गये सहयोग शिविर का निरक्षण कर लिया जायजा/बारी बारी से सहयोग शिविर में उपस्थित पदाधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीणों से की पूछताछ और सहयोग शिविर में हो रही परेशानी के बारे में ली जानकारी/ मंत्री नीतीश मिश्रा ने सभी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कहा कि ग्रामवासियों को सहयोग शिविर लाभ अधिक से अधिक पहुंचाएं।

साथ ही मसदी पंचायत के मध्य विद्यालय में सभी विभाग द्वारा लगाये गये सहयोग शिविर में ग्रामीणों की सारी समस्या सुनते हुए लिखित आवेदन लेकर जल्द ही कार्यवाही करने की बात कही/इस मौके पर डीएम नवल किशोर चौधरी,एस एसपी मनोज कुमार, डीडीसी प्रदिप कुमार सिंह,सीओ अनुज झा, विडिओ संजीव कुमार, राजस्व अधिकारी शालनी कुमारी, डीएसपी नवनीत कुमार,थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सहित सभी विभाग के आला अधिकारी, कर्मचारी सहित आम ग्रामीण मौजूद थे।

पेयजल, विद्यालय और भवन जीणोद्धार की उठी मांग ,लाभुकों को मिला योजना का लाभ

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। हवेली खड़गपुर प्रखंड के रमणकाबाद पूर्वी पंचायत अंतर्गत खैरा गांव में मंगलवार को विकसित भारत-समृद्ध बिहार अभियान के तहत सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री सह मुंगेर जिला प्रभारी मंत्री संजय कुमार ने जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पनिकर,पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, प्रखंड प्रमुख सीमा देवी, मुखिया द्वारिका प्रसाद तथा बीडीओ प्रियंका कुमारी के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनी गईं तथा संबंधित मामलों में आवेदन प्राप्त किए गए। ग्रामीणों ने पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, भूमि विवाद और राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन सौंपे।

जनसमस्याएं सुन अधिकारियों को दिए निर्देश

शिविर के दौरान प्रभारी मंत्री संजय कुमार ने स्वयं ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। खैरा गांव निवासी अजय पासवान ने जमीन के म्यूटेशन में हो रही देरी को लेकर अंचल कार्यालय की कार्यशैली पर सवाल उठाया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने अंचल अधिकारी जयप्रकाश को फटकार लगाई तथा आम लोगों के साथ बेहतर व्यवहार करते हुए मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

वहीं कैलाश मंडल ने गांव में बिजली के पोल लगाए जाने के बावजूद तार नहीं लगाए जाने से विद्युत आपूर्ति शुरू नहीं होने की समस्या उठाई। इस पर मंत्री ने सहायक विद्युत अभियंता को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर बिजली आपूर्ति बहाल करने का निर्देश दिया।

पेयजल, विद्यालय और भवन जीर्णोद्धार की उठी मांग

ग्रामीण अर्णव कुमार ने वार्ड संख्या-11 में पेयजल संकट दूर करने, खैरा पंचायत में उच्च विद्यालय की स्थापना तथा बुनियादी विद्यालय के जर्जर भवन के जीर्णोद्धार की मांग रखी। प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी को इन मांगों पर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसी दौरान पूणानंद केसरी ने अपनी जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने की शिकायत की। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर एक माह के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

लाभुकों को मिला योजनाओं का लाभ

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुक अंजू देवी एवं ज्योत्सना कुमारी को स्वीकृति पत्र और सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। वहीं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत ज्योति कुमारी को भी योजना का लाभ दिया गया।

बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीण

कार्यक्रम में अंचल अधिकारी जयप्रकाश, कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार मनीष, पंचायती राज पदाधिकारी आशीष झा, अंचल पुलिस निरीक्षक अरविंद कुमार, थानाध्यक्ष राजेश कुमार, पंचायत सेवक विजेंद्र कुमार सिंह, सरपंच रुस्तम कुमार सिंह, लोजपा प्रखंड अध्यक्ष ज्योतिष पासवान, संजय ठाकुरसहित बड़ी संख्या में पंचायतनिवासी उपस्थित थे।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन प्रमंडल उच्च न्यायालय,
भवन निर्माण विभाग, पटना

अति अल्पकालीन पुर्न–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–03 वर्ष 2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, उच्च न्यायालय, पटना
2. परिमाण–विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 24.06.2026 को 12:00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 25.06.2026 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.06.2026 को 3:30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (क) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन प्रमंडल, उच्च न्यायालय, पटना
(ख) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, पटना।
(ग) सहायक अभियंता का कार्यालय, भवन अवर प्रमंडल, उच्च न्यायालय, पटना।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : क्रमांक (5) पर वर्णित स्थान पर।
7. कार्य की विवरणी

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (केवल (ओ–ग्रास) के माध्यम से) (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	The shifting of some fire line and hydrant has become necessary due to construction of a new building at Patna High Court, Patna	1497900.00	30000.00	2500.00	01 माह

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल, उच्च न्यायालय, पटना

PR- 005872 (BCD) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

सीवान में मुख्यमंत्री ने किया 180 करोड़ की 38 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

सहयोग शिविर में जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान। बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को सीवान में आयोजित सहयोग शिविर में जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित सहयोग शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का तेजी से समाधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक प्राप्त 3.03 लाख आवेदनों में से 2.61 लाख आवेदनों का निष्पादन कर लगभग 90 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है, जो प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सीवान जिले के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से लगभग *180 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 38 विकास योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास* किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों, दलितों, किसानों, युवाओं तथा वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने बताया कि राज्य के *25 लाख दलित परिवारों के घरों पर सोलर बिजली व्यवस्था* उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। साथ ही वर्ष *2030 तक एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार* उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सीवान में चीनी मिल की स्थापना तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी दी।मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी, पारदर्शी प्रशासन और सुशासन के बल पर *ह्लविकसित भारत, समृद्ध बिहारह्व* के संकल्प को साकार किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

विधान परिषद सदस्य सुनील चौधरी के नेहरा स्थित आवास पर लोगों ने किया पथ निर्माण मंत्री का स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)।बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री एवं दरभंगा के प्रभारी मंत्री कुमार शैलेन्द्र का विधान परिषद सदस्य सुनील कुमार चौधरी के नेहरा स्थित उनके पैतृक निवास पर मंगलवार को पाग चादर एवं फूल मालाओं से स्वागत किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विनय पासवान, जिला महामंत्री संजय सिंह,पूर्व प्रमुख मनोज मिश्रा,सुधांशु शेखर चौधरी सहित पार्टी के दर्जनों पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।इस अवसर पर मंत्री एवं स्थानीय लोगों के बीच हुई बैठक में क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं, सड़क एवं आधारभूत संरचना के विस्तार, जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। साथ ही संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क अभियान को लेकर भी चर्चा की गई।माननीय मंत्री श्री कुमार शैलेन्द्र जी ने कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा विकास कार्यों को और गति देने के लिए अपने संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि सरकार आम जनता की समस्याओं के समाधान एवं क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

दारौंदा में तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का शुभारंभ, 18 विभागों ने दीं सेवाएं

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार से तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर के प्रथम दिन 18 विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी अपने-अपने स्टॉल पर मौजूद रहकर आमजन की समस्याओं का समाधान करने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने में जुटे रहे। शिविर का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी सिम्पी कुमारी की देखरेख में किया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी सिम्पी कुमारी ने बताया कि मुख्य सचिव, बिहार एवं जिला प्रशासन के निर्देश पर आयोजित इस विशेष शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं से जुड़े लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करना है। शिविर में आवेदन प्राप्त करने, निबंधन, सत्यापन, ई-केवाईसी, दस्तावेजों की जांच तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि लोगों को विभिन्न सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। एक ही परिसर में स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, मनरेगा, जीविका, आईसीडीएस, उद्योग, श्रम, कल्याण, आपूर्ति, राजस्व एवं पंचायती राज समेत 18 विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

शिविर के प्रथम दिन विभिन्न विभागों को कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 18, पेंशन योजना के 10, श्रम विभाग के 2 तथा आपूर्ति विभाग के 2 आवेदन शामिल हैं। संबंधित विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन करने की अपील की है।

विभूतिपुर के सरैया में रामकथा व नवाह यज्ञ शुरू, ध्वजारोहण के साथ गूंजे वैदिक मंत्र

प्रातः किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र के सरैया स्थित भगवती स्थान में ग्रामवासियों के उत्थान, वैचारिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के उद्देश्य से नौ दिवसीय राम नाम नवाह यज्ञ एवं रामकथा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच विधिवत ध्वजारोहण किया गया।

जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया।यज्ञ समिति के सदस्यों ने बताया कि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन, भजन-कीर्तन और विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य व्यवस्थापक ललन शास्त्री, सचिव कमलेश मिश्रा, सरैया ठाकुरवाड़ी के महंत मुन्ना मिश्र, मिथलेश मिश्रा, सरोज मिश्रा, माधव मिश्रा, मोहन कुमार, रुपेशमिश्रा, राकेश मिश्रा, कैलाश महतो सहित सभी ग्रामवासी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

रोशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की हत्या या मौत का सीबीआई जांच हो:मनोज

अरवल। रेल आंदोलन के सूत्रधार सह अरवल विकास मंच के अध्यक्ष मनोज सिंह यादव के नेतृत्व मे ज्ञान बिंदु इंस्टिट्यूट के संस्थापक रोशन सर के भाई प्रिंस यादव की हत्या या मौत सीबीआई जांच करो उच्च स्तरीय जांच के मांग को लेकर अरवल शहर में आक्रोश मार्च निकाला गया एवं बिहार सरकार एवं डीजीपी बिहार को फैक्स के माध्यम से आवेदन देकर उच्च स्तरीय जांच करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग किया गया। आक्रोश मार्च में रेल आंदोलन के सूत्रधार मनोज सिंह यादव धनंजय कुमार सिंह रजनीश कुमार मंटू कुमार ओम प्रकाश कुमार सुरेंद्र सिंह चंद्रकांत कुमार एवं दर्जनों लोगों ने भाग लेते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग किया।

क्रिकेटर आकाशदीप के घर पहुंचे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शादी से पहले दी शुभकामनाएं

रोहतास । जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज शिवसागर प्रखंड के बड्डी गांव पहुंचे जहां उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप के घर जाकर उनसे और उनके परिजनों से मुलाकात की।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आकाशदीप की आगामी शादी के अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं देने उनके गांव पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और क्रिकेट प्रेमी मुख्यमंत्री और भारतीय क्रिकेटर की एक झलक पाने के लिए मौजूद रहे।बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते तेज गेंदबाज आकाशदीप की शादी 24 जून को होने वाली है। इससे पहले उनके घर पर तिलक और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।फिलहाल मुख्यमंत्री आकाशदीप और उनके परिवार को शुभकामनाएं देने के बाद कार्यक्रम में शामिल हैं। इस विशेष मौके ने बड्डी गांव को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

हल्की बारिश के बाद ही बाजारों में बन रही जलजमाव की समस्या

- सालों से जलजमाव से परेशान है शहरतेलपा एवं बेलखरा बाजार

प्रातः किरण संवाददाता

करपी। अभी बारिश की मौसम का शुरूआत पूर्ण रूप से हुआ नहीं है लेकिन उसके पहले ही हल्के ही बारिश के बाद करपी प्रखंड क्षेत्र के करपी शहर तेलपा बेलखारा आदि बाजारों में जल जमाव की समस्या देखने को मिल रही है ।वैसे तो इन बाजारों में जल जमाव की समस्या सालों भर बना रहता है लेकिन बारिश के मौसम में यह समस्या सड़क को झील में तब्दील कर देती है। शहर तेलपा बाजार में जहां बाजार से निकलने वाली नाली का आधा निर्माण कर छोड़ दिया गया है जिससे पूरे बाजार का पानी नाली से होते हुए आकर शहर तेलपा मेहंदिया मुख्य पथ पर दलित बस्ती के पास आकर पानी का बहाव होता है जिससे सालों भर यह समस्या बनी रहती है। वही बेलखरा बाजार में नाली का रखरखाव सही नहीं रहने के कारण बाजार के बीचो-बीच जल जमाव की समस्या बारिश के दिनों में ज्यादातर देखी जाती है तो वही करपी बाजार में हाई स्कूल से लेकर बस स्टैंड के पास तक बारिश की दिनों में भारी जलजमाव देखने को मिलता है। वैसे तो इन तमाम सड़कों से प्रत्येक दिन जिला के आला अधिकारी से लेकर जिले के दोनों ही विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि का आवाजाही होता है लेकिन कोई भी इस समस्या को लेकर सजग नहीं दिख रहा है ।शहर तेलपा बाजार से पूर्व दलित बस्ती एवं शहर तेलपा बाजार में हनुमान मंदिर के निकट लगने वाले जल जमाव से कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी देखने को मिली है ,लेकिन इससे जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों पर कोई असर नहीं पड़ता ।जल जमाव से परेशान लोगों का कहना है कि जीते हुए पंचायत स्तरीय प्रतिनिधि हो या विधानसभा प्रतिनिधि , उनका विकास केवल लोगों के यहां न्योता पूरा करना ही है ।उन्हें विकास कार्यों से कोई लेना-देना नहीं। वहीं अधिकारी केवल राज्य के मुख्यमंत्री के आगमन पर हैं विकास कार्यों की समीक्षा में लगते हैं। जिले के आला अधिकारियों को लोगों की परेशानी से कोई मतलब नहीं। बेलखरा बाजार के लोगों ने कहा कि कुछ दिन पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन पर जिले के अधिकारी हरकत में आये थे तब बाजार के दोनों छोरो पर लगने वाली जलजमाव की समस्या से निजात मिल था लेकिन फिर से वही स्थिति बन गई है। बारिश के दिनों में लगने वाली जलजमाव की समस्या से जीवन नारकीय हो जाती है।एक दो दिन तक लगातार बारिश और नाली का पानी जमने से बदबू फैलने लगती है जिससे कि उस रास्ते गुजरना और आस पास बैठना उठना दूरभर हो जाता है। करपी

जिले के कुल 13 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित, प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस के मार्गदर्शन में जिले के सभी प्रखंडों में सहयोग सह जन कल्याण शिविर नगर परिषद अरवल नगर पंचायत कुर्था एवं जिले के कुल 13 पंचायतों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह सहयोग शिविर प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निष्पादन एवं योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। सहयोग शिविर के सफल संचालन एवं सतत अनुश्रवण के क्रम में जिले के प्रभारी मंत्री सह अध्यक्ष, जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति दीपक प्रकाश एवं विधायक कुर्था पप्पु कुमार वर्मा द्वारा जिले के करपी प्रखंड एवं करपी पंचायत के उच्च विद्यालय करपी में आयोजित सहयोग सह-जन कल्याण शिविर एवं सहयोग शिविर का निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस के मार्गदर्शन में, इसी क्रम में जिला पदाधिकारी अरवल द्वारा अरवल प्रखंड, नगर परिषद के रसीदपुर वार्ड नं0 02, करपी प्रखण्ड के उच्च विद्यालय करपी में आयोजित सहयोग शिविरों का सतत अनुश्रवण किया गया। साथ ही, शिविर में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं, विभिन्न विभागों की उपस्थिति एवं प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा भी की गई। आयोजित सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की स्थिति निम्नवत रही- अरवल प्रखंड के अबगीला पंचायत में कुल 78 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 58 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं सोनवर्षा पंचायत में कुल 133 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 50 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। कुर्था प्रखड के सचई पंचायत में कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 22 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया।

वहीं नदौरा पंचायत में कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 29 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। सोनभद्र वंशी सूर्यपुर प्रखंड के सोनभद्र पंचायत में कुल 120 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 76 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं माली पंचायत में कुल 77 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 23 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। कलेर प्रखड के इजोर पंचायत में कुल 73 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 08 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वलिदाद पंचायत में कुल 82 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 25 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं उसरी पंचायत में कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 13 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। करपी प्रखंड के करपी पंचायत में कुल 62 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 39 आवेदनों का निष्पादन किया गया। कोचहासा पंचायत में कुल 36 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 30 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। बम्भई पंचायत में कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 13 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। नगवां पंचायत में कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 20 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं वहीं नगर परिषद अरवल में कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 01 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया।

साथ ही नगर पंचायत कुर्था में कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें लंबित आबेदनों की संख्या 20 है। वहीं अरवल प्रखण्ड में कुल 36 आवेदन प्राप्त हुए थे।

रोहतास के डेहरी में आध्यात्मिक मनोचिकित्सा केंद्र का शुभारंभ,वैदिक पद्धति से स्वास्थ्य लाभ का दावा

रोहतास। जिले के डिहरी स्थित एनिकट में हॉलिस्टिक हीलिंग फाउंडेशन द्वारा आध्यात्मिक मनोचिकित्सा केंद्र का प्राण-प्रतिष्ठा एवं भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार गायत्री मंत्रोच्चार,यज्ञ एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं, जनप्रतिनिधि,सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।हॉलिस्टिक हीलिंग फाउंडेशन के संस्थापक संजय पासवान उर्फ संजय प्रकाश काउंसलर ने कहा कि संस्था का उद्देश्य लोगों को वैदिक एवं आध्यात्मिक पद्धतियों के माध्यम से स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि ध्यान,योग, वैदिक परामर्श और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के जरिए मानसिक तनाव,चिंता तथा अन्य समस्याओं से राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य,अध्यात्म और सकारात्मक जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते मानसिक तनाव और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के बीच आध्यात्मिक जागरूकता लोगों को नई दिशा प्रदान कर सकती है।फाउंडेशन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार केंद्र में लोगों को ध्यान,काउंसलिंग एवं वैदिक पद्धतियों के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे तथा संस्था के इस प्रयास की सराहना की। मौके पर संतोष उपाध्यक्ष,उमाशंकर पांडे उर्फ मुटुर पांडे, सतीश सिंह, हरे राम पासवान,अमित पासवान, विष्णु पासवान, दिनेश पासवान,रामकुमार पासवान,कश्मीरी पासवान, नीरज पासवान,विष्णु पासवान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सहयोग शिविर में 43 आवेदन प्राप्त हुए, ग्रामीणों ने रखीं समस्याएं

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा। प्रखंड के सिरसांव पंचायत स्थित बीआरसी खेल मैदान में मंगलवार को मुख्यमंत्री सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन जमा किया।

शिविर में आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पारिवारिक लाभ योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए गए। अधिकारियों ने लाभुकों की समस्याएं सुनकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए तथा योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई।

मौके पर पहुंची प्रखंड विकास पदाधिकारी सिंपी कुमारी ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से योजनाओं की सही जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करने की अपील की। साथ ही अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक भी किया।शिविर में कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें राजस्व विभाग के 5, लोहिया स्वच्छता विभाग के 6, श्रम संसाधन विभाग के 5, कृषि विभाग के 3, आंगनबाड़ी के 1, मनरेगा के 4, बिजली विभाग के 3, पेंशन से संबंधित 8, जन्म प्रमाण पत्र के 4, राशन कार्ड के 1 तथा स्वास्थ्य विभाग के 3 आवेदन शामिल हैं।

शिविर में ग्रामीणों के अलावा जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

पूर्वांचल क्षेत्र को मिलने जा रहा है तीन रेल सेवाओं का उपहार

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा-दिल्ली नई रेल सेवा का शुभारम्भ, दोहरीघाट-औड़िहार रेल सेवा का वाराणसी तक विस्तार

एवं मऊ-दिल्ली रेल सेवा का नियमित रेल सेवा के रूप में संचालन की शुरूआत

पूर्वांचल और बिहार के रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जल्द ही नई एवं महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की शुरूआत होने जा रही है, जबकि दोहरीघाट औड़िहार रेल सेवा का विस्तार वाराणसी तक होने जा रहा है। इस पहल से क्षेत्र के लाखों यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और यात्रा सुविधाएं मिलेंगी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी छपरा से इन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। नई सेवाओं से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश का दिल्ली से संपर्क और मजबूत होगा।

छपरा और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) के बीच नई रेल सेवा शुरू की जाएगी। यह ट्रेन बलिया, मऊ, आजमगढ़, लखनऊ, कानपुर के रास्ते संचालित होगी, जिससे बिहार और पूर्वांचल के यात्रियों को दिल्ली के लिए एक अतिरिक्त और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।साथ ही मऊ-दिल्ली नियमित रेल सेवा के रूप में शुभारंभ होने जा रहा है। यह ट्रेन मऊ से चलकर आजमगढ़, जौनपुर, प्रयागराज, कानपुर के रास्ते दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) जाएगी। इस रेल सेवा से इस रूट पर यात्रियों को और अधिक सीट उपलब्ध होंगी।

क्षेत्र से उठ रही मांग को स्वीकार करते हुए रेल मंत्री जी ने दोहरीघाट-औड़िहार रेल सेवा को वाराणसी तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है। इस विस्तार से मऊ, गाजीपुर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को वाराणसी तक सीधा रेल संपर्क मिलेगा, जिससे धार्मिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्राएं अधिक आसान होंगी।

इन रेल सेवाओं और विस्तार का लाभ छपरा, मऊ, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया सहित पूरे पूर्वांचल क्षेत्र को मिलेगा। दिल्ली और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों तक बेहतर पहुंच से व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।इन रेल सेवाओं का शुभारम्भ जल्द ही छपरा में प्रस्तावित कार्यक्रम से होने की संभावना है। यह अवसर पूर्वांचल और बिहार के रेल संपर्क के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

क्षेत्रीय विधायक अजीत कुमार ने कांटी क्षेत्र के बकटपुर में नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का किया उद्घाटन

मुजफ्फरपुर । जिला ।कांटी विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास एवं क्षेत्र के जनता के सभी तरह के कार्य का निष्पादन करवाना हमारी पहली प्राथमिकता में हमेशा से रही है। गरीबों एवं समाज के सबसे अंतिम पायदान पर रहने वाले व्यक्ति का उनका वाजिब हक मिले यह हम सुनिश्चित करवाते हैं एवं इस दिशा में हम लगातार कार्य भी कर रहे हैं। उक्त बातें मंगलवार को कांटी क्षेत्र के बकटपुर पंचायत में नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन करते हुए स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने कहा। इस मौके पर कुमार ने पंचायत सरकार भवन को स्थानीय जनता को समर्पित किया। इस मौके पर कुमार का स्थानीय मुखिया शाहिद रजा उर्फ लड्डन समेत स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। विधायक अजीत कुमार ने कहा कि क्षेत्र के पंचायत के लोगों को अब स्थानीय स्तर पर पंचायत सरकार भवन में एक ही छत के नीचे सरकारी सभी कार्य संपन्न होंगे और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही सभी तरह की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सबका सम्मान व प्रतिष्ठा देना उनका पहली प्राथमिकता में हमेशा से रहा है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496